बुधवार, 27 नवम्बर 2024

मौसम

तापमान 28 – 17
आर्द्रता 50%
सूर्योदय: 5:57 सूर्यास्त: 16:51

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष द्वादशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : शक्तिशाली होकर भी क्षमा करनेवाला सदैव आदरणीय होता है।

आईपीएल मेगा ऑक्शन हुआ खत्म, 10 टीमों ने खर्च किए 639.15 करोड़ –पृष्ठ 8

संविधान सबसे पवित्र ग्रंथ, इसके माध्यम से सामाजिक न्याय के लक्ष्य हासिल हुए: राष्ट्रपति मुर्मू

अब मैथिली और संस्कृत में भी पढ़ सकेंगे संविधान, राष्ट्रपति ने किया विमोचन

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को देश का सबसे पवित्र ग्रंथ बताते हुए मंगलवार को कहा कि राष्ट्र ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अनेक बड़े लक्ष्यों को प्राप्त किया है। मुर्मू ने संविधान दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), नारी शक्ति वंदन अधिनियम और तीन आपराधिक कानूनों को लागू किए जाने का भी उल्लेख किया। संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, ''हमारा संविधान, हमारे लोकतांत्रिक गणतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला है। हमारा संविधान, हमारे सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान को सुनिश्चित करता है।'' उन्होंने कहा, ''बदलते समय की मांग के अनुसार नए विचारों को अपनाने की व्यवस्था हमारे दूरदर्शी संविधान निर्माताओं ने बनाई थी। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अनेक बड़े लक्ष्यों को प्राप्त किया है।'' उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष एवं प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद और संविधान के रचनाकार डॉ बाबासाहब भीमराव आंबेडकर के योगदान का भी उल्लेख किया। मुर्मू ने कहा, ''बाबासाहब आंबेडकर की प्रगतिशील और समावेशी सोच की छाप हमारे संविधान पर अंकित है। संविधान सभा में बाबासाहब के ऐतिहासिक संबोधनों से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि भारत, लोकतंत्र की जननी है।'' राष्ट्रपति ने संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा, ''हमारी संविधान सभा में हमारे देश की विविधता को अभिव्यक्ति मिली थी। संविधान सभा में सभी प्रान्तों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति से, अखिल भारतीय चेतना को स्वर मिला था। मेरा मानना है कि संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित आदर्श एक दूसरे के पूरक हैं।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया है। आज एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ हमारा देश विश्वबंधु के रूप में यह भूमिका बखूबी निभा रहा है।''

भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा, आप सभी देशवासियों को संविधान दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भारत के संविधान का ये 75वां साल पूरे देश के लिए एक असीम गौरव का दिवस है। मैं आज भारत के संविधान को, संविधान सभा के सभी सदस्यों को आदरपूर्वक नमन करता हूं। लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व का जब हम स्मरण कर रहे हैं, तब ये भी नहीं भूल सकते कि आज के ही दिन मुंबई में हुए आतंकी हमले की भी बरसी है। इस हमले में जिन व्यक्तियों का निधन हुआ, उन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं। मैं देश का यह संकल्प भी दोहराता हूं कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे संविधान निर्माता ये जानते थे कि भारत की आकांक्षाएं, भारत के सपने समय के साथ नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे. वो जानते थे कि आज़ाद भारत की और भारत के नागरिकों की ज़रूरतें बदलेंगी, चुनौतियां बदलेंगी। इसलिए उन्होंने हमारे संविधान को महज़ कानून की एक किताब बनाकर नहीं छोड़ाबल्कि इसको एक जीवंत, निरंतर प्रवाहमान धारा बनाया।

हम साथ हैं, हम एकजुट हैं और हम धर्मनिरपेक्ष हैं : ममता

कोलकाता : भारत की धर्मनिरपेक्ष पहचान को रेखांकित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि यह गर्व की बात है कि देश 75वां संविधान दिवस मना रहा है। उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी में प्रसिद्ध काली मंदिर में पूजा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा, ''हम साथ हैं, हम एकजुट हैं और हम धर्मनिरपेक्ष हैं। कोई भी हमारे बीच दरार और विभाजन पैदा नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा, ''यह गर्व की बात है कि हमारे संविधान को अंगीकार किए जाने के 75 साल पूरे हो रहे हैं और मैं सभी देशभक्त भारतीयों को बधाई देती हूं।'' मुख्यमंत्री बनर्जी ने 'एक्स' पर भी एक पोस्ट में कहा, ''इस संविधान दिवस पर, हम फिर से दोहराते हैं कि हमें अपने संविधान पर गर्व है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे संविधान के मूल तत्व स्वतंत्रता, समानता, न्याय, बंधुत्व, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता सुनिश्चित करते हैं। हम इन मूल्यों का पालन करते हैं और मैं इन मूल्यों को बनाए रखने के लिए अपने सभी देशवासियों को बधाई देती हूं... 75वें संविधान दिवस की शुभकामनाएं!''

सीएम ममता ने की नैहाटी में बड़ो मां के दर्शन,

कहा... हमेशा यह चाहती हूं कि बैरकपुर, नैहाटी, भाटपाड़ा क्षेत्र में बनी रहे शांति

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नैहाटी में बड़ो मां के मंदिर गई और उनके दर्शन कर पूजा-अर्चना की। सीएम ममता दोपहर बाद तीन बजे साड़ी, फूल, माला और मिठाइयां लेकर मंदिर पहुंचीं। पूजा के बाद वह प्रसाद ग्रहण कर बाहर आयी। मौके पर उनके परिवार के सदस्य भी थे। मुख्यमंत्री करीब आधे घंटे तक मंदिर में रही। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे नैहाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इतने दिनों बाद यहां आकर उन्हें पूजा करके अच्छा लग रहा है। उन्होंने उपचुनाव में जीत के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नैहाटी और भाटपाड़ा अस्पतालों में ओपीडी तैयार होगी। फिर एक्स-रे या अन्य जांचों के लिए कहीं और भाग दौड़ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बड़ो मां के मंदिर के पास पुलिस चौकी होगी। यहां जो फेरीघाट है उसका नवीनीकरण किया जायेगा। फेरीघाट का नाम बड़ो मां के नाम पर रखा जायेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री ने एमपीआईएलएडी से 10 लाख रुपये देने की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में बात की। उन्होने कहा कि वह हमेशा यह चाहती है कि बैरकपुर, नैहाटी, भाटपाड़ा क्षेत्र में शांति बनी रहे।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

अब एक से अधिक पैन नहीं रख पाएंगे करदाता, मौजूदा कार्ड बने रहेंगे वैध

क्यूआर कोड से लैस होंगे नए पैन कार्ड

नयी दिल्ली : पैन 2.0 परियोजना के तहत क्यूआर कोड आधारित उन्नत प्रणाली लागू होने से नकली कार्ड की पहचान आसान हो जाएगी और करदाता एक से अधिक पैन कार्ड नहीं रख पाएंगे। हालांकि, नई व्यवस्था शुरू होने पर भी मौजूदा पैन कार्ड वैध बने रहेंगे और करदाताओं को नए कार्ड के लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। सिर्फ कार्ड से संबंधित जानकारियों में कोई बदलाव होने पर ही पैन 2.0 कार्ड के लिए आवेदन करना होगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को पैन 2.0 परियोजना से संबंधित इन बिंदुओं को स्पष्ट किया। उसने 'बार-बार पूछे जाने वाले सवालों' (एफएक्यू) का ब्योरा देकर वस्तु-स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक दिन पहले ही क्यूआर कोड सुविधा से लैस नए तरह के पैन कार्ड जारी करने के लिए 1,435 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है। अगले साल से लागू होने वाली यह परियोजना 'स्थायी खाता संख्या' (पैन) जारी करने की मौजूदा प्रणाली को उन्नत बनाने के मकसद से लाई गई है। पैन 2.0 परियोजना का उद्देश्य सरकारी एजेंसियों की सभी डिजिटल प्रणालियों के लिए एक 'समान व्यवसाय पहचानकर्ता' तैयार करना है। पैन आयकर विभाग की तरफ से जारी होने वाली 10 अंक की एक विशिष्ट संख्या है। इसमें अंकों के साथ अंग्रेजी अक्षरों को भी कूटबद्ध रूप से शामिल किया जाता है। यह संख्या भारतीय करदाताओं को विशिष्ट रूप से जारी की जाती है। सीबीडीटी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, इस परियोजना का उद्देश्य पैन एवं टैन जारी करने और उनके प्रबंधन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाना है। यह परियोजना कई डिजिटल मंचों के एकीकरण और पैन/टैन धारकों के लिए कुशल सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करती है। इस परियोजना में कर कटौती एवं संग्रह खाता संख्या (टैन) को भी समाहित किया जाएगा। इस समय करीब 78 करोड़ पैन और 73.28 लाख टैन खाता मौजूद हैं।

घर-घर पेय जल योजना की लचर स्थिति को देखकर मुख्यमंत्री दिखी नाराज

परियोजना की प्रगति की जांच के लिए नवान्न में की गई बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में घर-घर पेय जल योजना की प्रगति की जांच के लिए नवान्न में एक बैठक की। जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य और तकनीकी विभाग के अधिकारी शामिल हुए। राज्य में घर-घर पेय जल योजना की लचर स्थिति को देखकर ममता बनर्जी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं तकनीकी विभाग की भूमिका को लेकर कड़ा गुस्सा जाहिर किया। इस बैठक में मुख्य सचिव मनोज पंत भी मौजूद रहे। इस बैठक में पीएचई अधिकारियों को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि हर घर तक पेयजल पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रशासन की है। केवल पाइपलाइन बिछा देने का मतलब जलापूर्ति नहीं है। जिन घरों में पानी की पाइप लाइन गुजरी है वहां यह सुनिश्चित किया जाए कि वास्तव में पानी जा रहा है। इसके बाद, मुख्यमंत्री ने संबंधित कनेक्शनों की दोबारा जांच करने का भी आदेश दिया। प्रशासन सूत्रों के मुताबिक, राज्य में अप्रैल 2025 तक हर घर कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके तहत, कुल मिलाकर 1 करोड़ 77 लाख घरों को पानी से जोड़ने का लक्ष्य है। पीएचई का दावा है कि 90 फीसदी घरों में कनेक्शन हो चुका है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस पर संदेह जताया। जिले के कई इलाकों में आरोप है कि पाइप लाइन पहुंच भी गयी है, लेकिन उससे पानी नहीं निकल रहा है। मामले की जानकारी होने के बाद मुख्यमंत्री ने मंगलवार को राज्य सचिवालय नवान्न में सार्वजनिक स्वास्थ्य और तकनीकी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और मुख्य सचिव को पूरे मामले को देखने का आदेश दिया।

शिंदे ने दिया इस्तीफा; महाराष्ट्र में अगले मुख्यमंत्री को लेकर स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के तीन दिन बाद मंगलवार को संवैधानिक बाध्यता के तहत इस्तीफा दे दिया, जिससे राज्य में नयी सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, यह शीर्ष पद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को मिलेगा या शिवसेना प्रमुख शिंदे को, इस बारे में स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पूर्ववर्ती सरकार के दो उप मुख्यमंत्री फडणवीस और अजित पवार के साथ शिंदे ने आज सुबह राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन से मुलाकात की, जिन्होंने शिवसेना नेता को अगले मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री रहने को कहा। निवर्तमान विधानसभा का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया। महायुति गठबंधन ने हालिया विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। इसने 288 में से 230 सीट पर जीत दर्ज की। महायुति के घटक दल भाजपा ने 132, शिंदे नीत शिवसेना ने 57 और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 41 सीट हासिल की। शिवसेना प्रवक्ता संजय शिरसाट ने संकेत दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं से शिंदे, फडणवीस और अजित पवार की चर्चा होने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर मंगलवार रात या बुधवार सुबह तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। शिरसाट ने कहा, ''तीनों नेता (शिंदे, फडणवीस और अजित पवार) शाम में मिलेंगे तथा कोई उपयुक्त निर्णय लेंगे जिसकी जानकारी बाद में मीडिया को दे दी जाएगी।''

राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार हिंदू नेता को जमानत देने से बांग्लादेश की अदालत का इनकार

ढाका : बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को प्रमुख हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार कर दिया जिन्हें राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। ढाका और चटगांव समेत अनेक स्थानों पर हिंदू समुदाय के सदस्यों के विरोध प्रदर्शनों के बीच ब्रह्मचारी को जेल भेज दिया गया। बांग्लादेश पुलिस ने हिंदू संगठन 'सम्मिलित सनातनी जोत' के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका में हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से सोमवार को गिरफ्तार किया था, जब वह चटगांव जा रहे थे। उन्हें चटगांव लाया गया। अधिकारियों ने कहा कि दास को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत ले जाया गया, जहां वकीलों सहित उनके कई समर्थक उनकी गिरफ्तारी के विरोध में नारे लगा रहे थे।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें: भारत

नयी दिल्ली : भारत ने बांग्लादेश में हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किए जाने और उन्हें जमानत नहीं दिए जाने पर मंगलवार को ''गहरी चिंता'' जतायी और बांग्लादेशी प्राधिकारियों से हिंदुओं एवं सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत नहीं मिलने का गहरी चिंता के साथ संज्ञान लिया है। दास 'बांग्लादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोत' के प्रवक्ता भी है।

उसने कहा, ''यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कई हमले किए जाने के बाद हुई है।'' विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल्पसंख्यकों के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी, तोड़फोड़ और देवी-देवताओं और मंदिरों को अपवित्र करने के ''कई मामले'' हुए हैं जो ''दस्तावेजों में दर्ज'' हैं।

ऐसा कानून लाया जाना चाहिए जहां मुसलमानों को वोट देने का अधिकार न हो : महंत ने वक्फ मुद्दे पर कहा

बेंगलुरु : किसानों और उनकी जमीन की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होने का आग्रह करते हुए विश्व वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी ने मंगलवार को वक्फ संपत्ति विवाद के मद्देनजर कहा कि ऐसा कानून लाया जाना चाहिए जिसमें मुस्लिम समुदाय के पास वोट देने का अधिकार न हो। स्वामीजी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई वक्फ बोर्ड न हो। उन्होंने कहा कि किसी और की जमीन छीनना 'धर्म' नहीं है। स्वामीजी ने कहा, ''किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ सभी को लड़ना चाहिए...ऐसा कहा जाता है कि वक्फ बोर्ड किसी की भी जमीन पर दावा कर सकता है। यह बहुत बड़ा अन्याय है...किसी और की जमीन छीनना धर्म नहीं है...इसलिए सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ना चाहिए कि किसानों की जमीन उनके पास ही रहे।''

ईडी ने चिटफंड घोटाले में कोलकाता में प्रयाग समूह के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की

समूह ने अवैध योजनाएं चलाकर जनता से 1,900 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जुटाई थी

कोलकाता : ईडी ने मंगलवार को चिटफंड घोटाले की जांच के सिलसिले में कोलकाता में प्रयाग समूह से जुड़े कई परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर छापेमारी की गई उनमें प्रयाग समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी की न्यू अलीपुर स्थित एक आवासीय इमारत और उपनगरीय जोका स्थित एक गेस्ट हाउस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छापेमारी करने वाली ईडी की टीम के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी भी मौजूद थी। प्रयाग ग्रुप का चिटफंड कारोबार पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में फैला हुआ है, जिसमें बंगाल, ओडिशा, बिहार, असम और त्रिपुरा जैसे राज्य शामिल हैं। आरोप है कि कंपनी ने अवैध योजनाएं चलाकर जनता से 1,900 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जुटाई थी। सीबीआइ ने 2017 में ओडिशा में दर्ज एक मामले के आधार पर प्रयाग ग्रुप के सीएमडी बासुदेव बागची और उनके बेटे अविक बागची को गिरफ्तार किया था।

न्यायालय ने कहा, जब आप हारते हैं तभी ईवीएम से छेड़छाड़ होती है, जीतते हैं तो नहीं?

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने देश में फिर से मतपत्रों के जरिये मतदान कराने की पुरानी व्यवस्था शुरू करने संबंधी याचिका मंगलवार को यह कहते हुए खारिज कर दी कि जब लोग हारते हैं तभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में छेड़छाड़ के आरोप सामने आते हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने टिप्पणी की, ''होता यह है कि जब आप चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं होती। जब आप चुनाव हार जाते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ हो जाती है।'' याचिका में मतपत्र से मतदान कराए जाने के अलावा कई अन्य दिशानिर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया था। याचिका में निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि यदि कोई उम्मीदवार चुनाव के दौरान मतदाताओं को धन, शराब या अन्य भौतिक प्रलोभन वितरित करने का दोषी पाया जाता है, तो उसे कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाए। जब याचिकाकर्ता के. ए. पॉल ने कहा कि जनहित याचिका उन्होंने दायर की है, तो पीठ ने कहा, ''आपके पास दिलचस्प जनहित याचिकाएं हैं। आपको ये शानदार विचार कहां से मिलते हैं?'' याचिकाकर्ता ने कहा कि वह एक ऐसे संगठन के अध्यक्ष हैं जिसने तीन लाख से अधिक अनाथों और 40 लाख विधवाओं को बचाया है। पीठ ने इसके जवाब में कहा, ''आप इस राजनीतिक क्षेत्र में क्यों पड़ रहे हैं? आपका कार्य क्षेत्र बहुत अलग है।'' पॉल ने जब बताया कि वह 150 से अधिक देशों की यात्रा कर चुके हैं, तो पीठ ने उनसे पूछा कि क्या इन देशों में मतपत्रों के जरिये मतदान होता है या वहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग का इस्तेमाल होता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि अन्य देशों ने मतपत्रों के जरिये मतदान की प्रक्रिया को अपनाया है और भारत को भी ऐसा ही करना चाहिए। पीठ ने कहा, ''आप बाकी दुनिया से अलग क्यों नहीं होना चाहते?'' पॉल ने जवाब दिया कि भ्रष्टाचार हुआ है और इस साल (2024) जून में निर्वाचन आयोग ने घोषणा की थी कि उन्होंने 9,000 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। पीठ ने कहा, ''लेकिन इससे आपकी बात कैसे प्रासंगिक हो जाती है... यदि आप मतपत्र की ओर लौटते हैं, तो क्या भ्रष्टाचार नहीं होगा?''

Diamond Jewellery, Solitaires, Hallmarked Gold Jewellery, Polki, Kundan-Jadau and Certified Gemstones with buy-back facility.
INDIAN GEM & JEWELLERY CREATION www.indiangem.com
9B, Wood Street: Ground Floor, Kolkata 700 016 M +91 89810 89018 **South City Mall:** Ground Floor, 375, Prince Anwar Shah Road, Kolkata 700 068 M +91 89810 89029 **City Centre II, Rajarhat :** Block-B, 2nd Floor, Shop No. 201, New Town, Kolkata 700 157 M +91 89810 89066 **Howrah:** JP's AC Market (Shri Vindyachal Building), 35, Dr. Abani Dutta Road (Near Howrah AC Market) M +91 89810 89027 **Vardaan Market:** 106 Vardaan Market, 1st Floor, 25A, Camac Street, Kolkata 700 016 M +91 89810 89003 **Bagnan:** Glorious Shopping Complex, Near CTC Bus Stand, Shop No. 4, 1st Floor, Bagnan, Howrah 711 303 M +91 89810 89024 **Durgapur:** Shop No. 205, Dreamplex Mall, 1st Floor, City Centre, Durgapur 713 216 M +91 89810 89017 **Serampore:** Agnisha - II, Ground Floor, 30, K M Shah Street, Serampore, Hooghly 712 201 M +91 89810 89014
Authorised Retailer: Forevermark, Platinum & MMTC Gold & Silver Bars Toll Free No. **1800 889 1704**

जलवायु जोखिम से बचाएं बच्चों को

अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर जलवायु संकट का खतरा अलग से मंडराने लगा है। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यह एक हकीकत है कि वर्ष 2021 तक भारत बच्चों पर जलवायु जोखिम सूचकांक में 163वें स्थान पर रहा है। लेकिन इस सदी के मध्य तक स्थिति खासी चुनौतीपूर्ण होने की आशंका है। यूनिसेफ का आकलन है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते वर्ष 2050 तक बच्चों को वर्ष 2000 की तुलना में आठ गुना अधिक तपिश झेलनी पड़ सकती है। दरअसल, हाल ही में यूनिसेफ ने 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' शीर्षक अपनी सालाना रिपोर्ट में भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों का मंथन किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। दरअसल, यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे वर्तमान में उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है।

निस्संदेह, यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। खासकर लगातार गहरे होते जलवायु संकट के बीच बच्चों की सेहत, शिक्षा और पेजयल जैसे जीवन के जरूरी संसाधनों की सहज उपलब्धता की दृष्टि से। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी शहरों में रह रही होगी। जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसमें बच्चों की शिक्षा, उनकी सेहत और कौशल विकास की जरूरतों के अनुरूप शहरी तंत्र को विकसित करें। निश्चित रूप से इसके लिये बड़े निवेश की भी जरूरत होगी। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम मेधा का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम मेधा जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

भाजपा के हिंदुत्व पर भारी पड़ा झारखंड मुक्ति मोर्चा का आदिवासी कार्ड

कुमार कृष्णन

वनाच्छादित, खनिज संपदा से भरपूर और आदिवासी बहुल झारखंड के अब तक के राजनीतिक इतिहास में यह पहला मौका है, जब जनता ने लगातार दूसरी बार किसी दल को सत्तासीन होने का जनादेश दिया है। यहां इंडिया गठबंधन ने 81 सीटों में से 56 सीटें जीतीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 24 सीटों पर सिमट गया । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सबसे अधिक सीटें (34) हासिल कीं, जबकि कांग्रेस ने 16, राष्ट्रीय जनता दल ने 4 और सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें जीतीं। वहीं, दूसरी तरफ तीन सीट के नुकसान के साथ भाजपा ने 21, दो के नुकसान के साथ एजेएसयू ने एक सीट हासिल की। पहली बार एक सीट जेडीयू के खाते में गई। इनके अन्य सहयोगियों को भी दो सीटों का नुकसान हुआ, उन्हें केवल एक सीट मिली।वहीं, पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2019 में झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को 30, भाजपा को 25, कांग्रेस को 16, जेवीएम को तीन तथा एजेएसयू को दो और आरजेडी को एक सीट मिली थी।

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन सरकार बनाने का दावा पेश कर चुके हैं। 28 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

इस चुनाव में हाल के वर्षों में राजनीति व पूंजीपतियों के नये उभरे समीकरण के चलते इस क्षेत्र पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी। इस बार भाजपा पूरे जोश के साथ झारखंड का चुनाव जीतने के लिये वैसी ही आमादा दिखी,जैसी वह छत्तीसगढ़ और ओडिशा में थी जहां उसने जीत दर्ज करने के लिये सारे पैंतरे लगाये और सफलता पायी थी। झारखंड में आदिवासी वोट निर्णायक होते हैं। झारखंड में एक तिहाई से ज्यादा (28) अनुसूचित जनजाति सीटें हैं। आबादी का 26% हिस्सा आदिवासी है। 21सीटों में आदिवासियों की आबादी कम से कम एक लाख है। इन सीटों पर झामुमो की अच्छी पकड़ है। भाजपा इसे तोड़ने में सफल नहीं रही। इस बार झारखंड में चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छह, अमित शाह ने 16, योगी आदित्यनाथ ने 14 सभाएं कीं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने तो झारखंड में ही डेरा डाल रखा था।

भाजपा के कई धुरंधर नेताओं ने झारखंड में धुआंधार प्रचार किया। संथाल परगना क्षेत्र में घुसपैठ को लेकर भाजपा काफी आक्रामक रही। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तो यहां तक कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनाइए, घुसपैठियों को उल्टा लटका देंगे। उन्होंने घुसपैठियों को ही झारखंड मुक्ति मोर्चा , राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस का वोट बैंक बताया। जमशेदपुर में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वोट और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने चंपई सोरेन और सीता सोरेन के अपमान को आदिवासियों का अपमान बताया।

भाजपा ने बंटोगे तो कटोगे का नारा देकर घुसपैठ की चर्चा करते हुए हिंदुत्व कार्ड खेला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए नारे बंटोगे तो कटोगे को भाजपा के नेताओं ने इस चुनाव में खूब उछाला। यह नारा बीजेपी के लिए नुकसानदेह ही साबित हुआ।

वहीं, इंडिया गठबंधन की तरफ से राहुल गांधी की छह सभाओं के अलावा लगभग पूरा जोर हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने ही लगाया।

पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने स्टार प्रचारक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, उन्होंने पचीस दिनों तक यहां कैंप कर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में धुआँधार प्रचार किया,तो हेमंत सोरेन ने पूरी ईमानदारी से गठबंधन धर्म का पालन किया ।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपनी योजनाओं की चर्चा के साथ आदिवासी कार्ड खेला। झारखंड मुक्ति मोर्चा का आदिवासी कार्ड भाजपा के हिंदुत्व कार्ड पर भारी पड़ गया। आदिवासियों का भरोसा गुरुजी शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन पर ही रहा। झारखंड में हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति भी काफी प्रभावी रहा। हेमंत सोरेन अपने चुनाव प्रचार के दौरान लगातार यह संदेश देने की कोशिश करते रहे कि आदिवासी चेहरे को कुचलने के लिए किस तरह उन्हें गलत तरीके से जेल में डाला गया। इसमें वे कामयाब भी रहे। कई विधानसभा सीट पर 40 प्रतिशत से अधिक आदिवासी मतदाता हैं। वे एकजुट होकर उनके पक्ष में खड़े हो गए।

हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन सामने आईं और जहां-जहां गईं, वहां उन्होंने पति के साथ ज्यादती की बात समझाने की कोशिश की। चुनाव प्रचार के दौरान मंईयां सम्मान योजना की राशि दो हजार से बढ़ाकर प्रतिमाह 2,500 रुपये करने की चर्चा भी उन्होंने खूब की। कल्पना ने सरना धर्म कोड की भी बात की और यह भी कहा कि बीजेपी ने नेता बाहर के हैं, वे हमारी भाषा-संस्कृति तक नहीं जानते। ये भला हमारे लिए क्या नीतियां बनाएंगे। अपने सहज व सरल अंदाज से खासकर महिलाओं से संवाद करने में वे सफल रहीं। वे गांडेय सीट से चुनी गई हैं। महिलाओं की कल्याणकारी योजनाओं का भी असर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पक्ष में गया। बेरोजगार महिलाओं के लिए मासिक सहायता, स्कूली लड़कियों को मुफ्त साइकिल, अकेली महिलाओं को नकद सहायता जैसी योजनाओं ने आदिवासी और कमजोर वर्ग की महिलाओं को झारखंड मुक्ति मोर्चा के पाले में लाने का काम तो किया ही, इसके साथ मंईयां सम्मान योजना ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिलाओं को सालाना 12,000 रुपये देने वाली इस योजना तथा सर्वजन पेंशन योजना ने हेमंत के पक्ष में

संजीवनी का काम किया। फिलहाल झारखंड की करीब पचास लाख से अधिक महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत 2,000 रुपये प्रतिमाह की मदद दी जा रही है। चुनाव के पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस राशि को बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया था।जबकि, गोगो दीदी योजना के तहत भाजपा ने 2,100 रुपये प्रतिमाह देने का वायदा किया था। बिजली बिल माफ करना भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए फायदेमंद साबित हुआ। सरकार बनने पर आरक्षण का दायरा बढ़ाने का भी वादा किया गया।

आदिवासियों की भाजपा से नाराज़गी की कई वजहें रहीं। पहली यह कि वे जानते हैं कि भाजपा की नज़रें यहां की खनिज-सम्पन्न ज़मीनों और जंगलों पर हैं जिन्हें वह अपने कारोबारी मित्रों को देना चाहती है। फिर, जब यहां भाजपा शासन था और रघुबर दास मुख्यमंत्री थे, उस दौरान 2016 में छोटा नागपुर किरायेदारी अधिनियम और संथाल परगना अधिनियम में बदलाव की कोशिशें की गयीं जिनका सीधा नुकसान आदिवासियों को होने वाला था। सितंबर 2012 में बनी झारखंड सरकार की ऊर्जा नीति अक्टूबर 2016 में बदल दी गई।

इसके प्रावधानों में मामूली संशोधन किए गए और रघुवर दास की कैबिनेट ने उस पर मुहर लगा दी। इससे पहले झारखंड की भाजपा सरकार ने कोई सर्वे नहीं कराया और न किसी विशेषज्ञ कमेटी ने उसे ऐसा करने की सलाह दी। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड विकास मोर्चा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रघुवर दास की सरकार ने अपनी ऊर्जा नीति एक समूह को फ़ायदा पहुंचाने के लिए बदल दी।सरकार ने कई स्तरों पर गड़बड़ी की,न केवल ऊर्जा नीति बदली बल्कि जमीन की कीमत के निर्धारण, जनसुनवाई और पर्यावरण सुनवाई में भी फर्जीवाड़ा किया गया। एनटीपीसी, डीवीसी (दामोदर घाटी निगम) और नेशनल ग्रिड से तो सरकार बिजली खरीदती ही है। अदाणी समूह के झारखंड से बाहर स्थित प्लांट से 400 मेगावॉट बिजली खरीदने से भी सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ेगा। ये भाजपा के नकारात्मक पक्ष थे।

चुनाव में आदिवासियों के वोट लेने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह समेत सारी भाजपा उन्हें यह कहकर डराती रही कि कांग्रेस-झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार आई तो उनकी जमीनें 'घुसपैठिये' हड़प लेंगे। यह डर झारखंड के साथ पश्चिम बंगाल के आदिवासियों को भी दिखाया जाता रहा । भाजपा के अनुसार ये बांग्लादेशी घुसपैठिये होंगे। उसका दावा है कि भाजपा की सरकार बनी तो आदिवासियों की ज़मीनों को हड़पने से रोकने के लिये कानून लाया जायेगा; जबकि आदिवासी जानते हैं कि उपरोक्त उल्लिखित दोनों अधिनियम इस मामले में पर्याप्त सक्षम है इसलिये इन इलाकों में भाजपा की सभाएं भी फीकी रहीं।

घुसपैठ का डर दिखाकर भाजपा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का पुराना खेला कर रही थी ताकि हिन्दू-मुस्लिम कार्ड खेला जा सके, तो वहीं वह आदिवासियों को हिन्दू बतलाकर उसे वैमनस्य के खेल में एक पार्टी बना रही है। अमित शाह ने सरायकेला विधानसभा के आदित्यपुर की सभा में कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा -कांग्रेस की सरकार आदिवासियों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देने जा रही है।' उनके अनुसार भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। चंपई सोरेन के प्रति सम्मान दिखाकर आदिवासियों के वोट पाने का भी प्रयास भाजपा ने किया तभी तो शाह कह रहे थे कि 'झारखंड मुक्ति मोर्चा ने चंपई सोरेन का अपमान किया है।

यहां धुव्रीकरण की कोशिशों के साथ साथ अब केन्द्रीय जांच एजेंसियों की छापेमारी भी हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता गणेश चौधरी पर आयकर का जो छापा पड़ा बकौल कल्पना सोरेन 'चंपई सोरेन के इशारे पर हो रहा है।' रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह में ये छापे मारे गये जिसका मकसद झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े लोगों को डराना था। सोरेन सरकार में मंत्री मिथिलेश ठाकुर, उनके भाई विनय और सचिव हरेन्द्र सिंह के ठिकानों पर अक्टूबर के मध्य में ही ईडी द्वारा छापेमारी हुई थी। इसके बावजूद हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति लहर रही जिन्हें जेल में डालना यहां के लोगों के लिये 'झारखंडी अस्मिता पर हमला' था। स्पष्टतः भाजपा एक तरफ़ आदिवासियों को मुस्लिमों का डर दिखाकर वोट लेना चाहती थी, तो वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा नेताओं को छापों से डराकर चुनाव जीतने के हथकंडे अपनाए, जो नाकाम रहे।

जिस संथाल परगना क्षेत्र के लिए बंटोगे तो कटोगे का नारा गढ़ा गया, वहां की 18 सीट में से केवल एक जरमुंडी सीट बीजेपी जीत पाई। हिंदू वोटरों को एकजुट करने के लिए दिए गए इस नारे ने मुस्लिमों का ध्रुवीकरण कर दिया और उन्होंने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान कर दिया।

'माटी पुत्रों की पार्टी' वाली छवि के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का इस पर बोलबाला है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर बने इस प्रदेश का प्रारम्भिक इतिहास राजनैतिक अस्थिरता तथा व्यापक भ्रष्टाचार का रहा लेकिन पिछले 5 वर्षों के दौरान हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री के रूप में न केवल स्थिरता दी बल्कि जमीनी स्तर पर भी जमकर काम किया। आदिवासियों के उत्थान हेतु वे बतौर मुख्यमंत्री बेहद सक्रिय रहे। राज्य के सर्वांगीण विकास के अलावा वे जल, जंगल व जमीन पर स्थानीयों के हकों की लड़ाई लड़ते रहे। इसलिये वे भाजपा की आंखों में खटकते रहे। उन्होंने इस राज्य में भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' नाकाम कर दिया। कथित जमीन घोटाले में जब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से छापे डलवाकर कई माह तक जेलों की सलाखों के पीछे डाल दिया गया था, तब उनकी जगह पर बिठाये गये चंपई सोरेन के जरिये भाजपा ने सरकार गिराने की कोशिश की। जेल से बाहर आने पर जब उन्होंने अपना पद वापस सम्हाला तो चंपई सोरेन ने अपने कथित अपमान से नाराज़ होकर दल छोड़ दिया। फिर वे भाजपा में चले गये जहां हेमंत की भाभी सीता सोरेन पहले से आ चुकी थीं। इनके जरिये सरकार गिराने की भाजपायी कोशिशें भी नाकाम रहीं।

हेमंत सोरेन की यह जीत आदिवासीयत की एक बहुत बड़ी जीत है। उनके खिलाफ इडी, सीबीआई, मोदी, शाह, शिवराज, हेमंता, योगी सहित न जाने कितने दिग्गज नेता लगे थे। अब इस बड़ी जीत को हेमंत सोरेन को भरपूर सम्मान देना होगा, जनता की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना होगा और भाजपा को इस हार को विनम्रता से स्वीकार करना होगा। (विनायक फीचर्स)

विदेश की खबरें

लोग किसी न किसी स्तर पर बातचीत की मेज पर आएंगे : जयशंकर ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर कहा

रोम : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि किसी को युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं मिलने वाला है और रूस-यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष की बात करें, तो लोग किसी न किसी स्तर पर 'बातचीत की मेज पर आएंगे।' उन्होंने कहा, 'जितनी जल्दी वे ऐसा करेंगे, उतना ही बेहतर होगा, क्योंकि बाकी दुनिया प्रभावित हो रही है।' जयशंकर (69) जी-7 समूह में शामिल देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के जनसंपर्क सत्र में हिस्सा लेने के लिए 24 से 26 नवंबर तक तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर इटली में हैं। विदेश मंत्री ने इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' को दिए एक साक्षात्कार के दौरान कहा, 'आज हमारे सामने दो बड़े संघर्ष एक साथ हो रहे हैं। यह पूरे अंतरराष्ट्रीय

तंत्र को भारी तनाव में डाल रहा है।' मंगलवार को प्रकाशित साक्षात्कार में उनके हवाले से कहा गया, 'और हम केवल दर्शक बनकर यह नहीं कह सकते कि ठीक है, यही तरीका है। यह काम कर भी सकता है और नहीं भी। जब तक हम कोशिश नहीं करेंगे, तब तक हमें पता नहीं चलेगा। लेकिन हम मानते हैं कि इन दोनों संघर्षों (यूक्रेन और पश्चिम एशिया में) पर देशों को पहल करने की जरूरत है, प्रयास करने की जरूरत है, भले ही यह कितना भी कठिन क्यों न लगे, कुछ सामान्य आधार खोजने की कोशिश करें, जो आज हमारे पास है, उससे कुछ बेहतर।' रूस-यूक्रेन संघर्ष पर जयशंकर ने दोहराया कि भारत सोचता है कि 'संघर्ष को समाप्त करने का रास्ता खोजने के लिए कूटनीति'' होनी चाहिए और हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं। फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन संघर्ष 19 नवंबर को अपने 1,000वें दिन में प्रवेश कर गया। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने कौन से रास्ते देखे, मंत्री ने कहा, 'प्रतिभागियों से बातचीत करना।' जयशंकर ने कहा, 'तो आपको मॉस्को से बात करनी होगी और आपको कीव से बात करनी होगी।

इमरान खान के समर्थक इस्लामाबाद पहुंचे, हिंसा में छह सुरक्षाकर्मी मारे गये

इस्लामाबाद : जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों की मंगलवार को पुलिस से हुई झड़पों में छह सुरक्षाकर्मी मारे गये और कई अन्य घायल हो गये। खान को जेल से रिहा किये जाने की मांग को लेकर उनके समर्थक राजधानी इस्लामाबाद पहुंच गये। टीवी चैनलों की फुटेज में खान के समर्थक डी-चौक की ओर जाने वाली सड़कों पर रखे शिपिंग कंटेनरों पर चढ़ते हुए दिखाई दिए। डी-चौक कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उच्चतम न्यायालय के करीब स्थित है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के शीर्ष नेताओं ने हालांकि खान की रिहाई तक इस्लामाबाद में रहने की प्रतिबद्धता जताई है। खान की पत्नी बुशरा बीबी ने पार्टी समर्थकों से कहा, 'वादा करो कि जब तक खान हमारे साथ नहीं आ जाते, तब तक आप लोग डी-चौक नहीं छोड़ोगे।'

इजराइली लड़ाकू विमानों ने मध्य बेरूत पर बमबारी की

बेरूत : इजराइली लड़ाकू विमानों ने मंगलवार को मध्य बेरूत और शहर के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया, जिससे लेबनान की राजधानी पर धुएं का गुबार छा गया। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इजराइल नेतृत्व हिजबुल्ला के साथ जारी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम को स्वीकार करने या न करने पर निर्णय करने वाला है। इजराइली सेना ने बेरूत के उपनगरों में 20 और इमारतों को भी खाली करने की चेतावनी जारी की, इससे पहले कि उन पर भी हमला हो। यह इसका संकेत है कि इजराइल किसी भी युद्धविराम के प्रभावी होने से पहले हिजबुल्ला को अंतिम समय तक निशाना बनाना चाहता है। इजराइल के जमीनी सैनिक संघर्ष में पहली बार लेबनान की लिटानी नदी के कुछ हिस्सों में भी पहुंचे, जो उभरते युद्धविराम का केंद्र बिंदु है। युद्धविराम अब भी पक्का नहीं है, लेकिन मंगलवार दोपहर को होने वाली इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट की बैठक में अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद थी। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि हिजबुल्ला भी इस समझौते का समर्थन करता है और अगर सभी पक्षों द्वारा इसे मंजूरी दे दी जाती है, तो यह समझौता इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा, जिसने पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। इस युद्ध ने इसके साथ ही इजराइल और हिजबुल्ला के संरक्षक ईरान के बीच और व्यापक संघर्ष की आशंकाओं को भी बढ़ा दिया है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 27 नवम्बर, बुधवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष द्वादशी, 30:23 तक, नक्षत्र : चित्रा, 31:29 तक, योग : आयुष्मान, 15:10 तक, सूर्योदय: 5:57, सूर्यास्त: 16:51 चन्द्रोदय : 02:23, चन्द्रास्त: 14:12, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : वृश्चिक, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 11:24 से 12:44

राशिफल

मेष : मेष राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपको जीवनसाथी का हर मामले में भरपूर साथ मिलेगा। ऑफिस के मामले में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

वृष : वृष राशि के लोगों का दिन शुभ है और आप पूरे उत्साह के साथ काम करेंगे और आपको सफलता मिलेगी। आप पूरे उत्साह से जो भी काम करेंगे उसमें निश्चित रूप से कामयाबी मिलेगी।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों का दिन शुभ है और आप फाइनेंस से जुड़े फैसले ले सकते हैं। आगे चलकर आपको अच्छा रिटर्न मिलेगा और आपकी तरक्की होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

कर्क : कर्क राशि के लोगों के लिए करियर के मामले में लाभ और सफलता का दिन है। आपको कहीं परिवार के लोगों के साथ घूमने का मौका मिलेगा और आपको खुशी होगी।

सिंह : सिंह राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। आपको खुशी का अहसास होगा और आपकी तरक्की होगी। ऑफिस में कलीग्स आपके टीमवर्क के जज्बे को अच्छी तरह समझेंगे

कन्या : कन्या राशि के लोगों के लिए करियर में सफलता का दिन है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपकी तरक्की होगी और काम धंधे को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा।

तुला : तुला राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। आपका दिन सेहत के मामले में सबसे लाभपूर्ण होगा। घर में सभी लोगों की सेहत अच्छी रहेगी।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। पॉलिटिक्स में रूचि बढेगी। किसी खास शख्स के कारण शाम के समय थोड़ी जेब ढीली हो सकती है।

धनु : धनु राशि के लोगों पर आज काम का काफी बोझ रहेगा और आपको दिन भर काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी। भागदौड़ करने के बाद उसका फायदा जरूर मिलेगा।

मकर : मकर राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। कानूनी कागजातों पर दस्तखत करने से पहले सावधानी से देख लें। कहीं आपके साथ कोई धोखा तो नहीं कर रहा है।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों के लिए करियर में सफलता का दिन है। सुबह से ही आपको किसी शुभ समाचार का इंतजार रहेगा। आसपास की यात्रा करनी पड़ सकती है।

मीन : आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा। कार्य क्षेत्र में आने वाली बाधाएं कम होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य के सिद्ध होने से मन में प्रसन्नता बढ़ेगी।

वर्ग पहेली नं. 2929

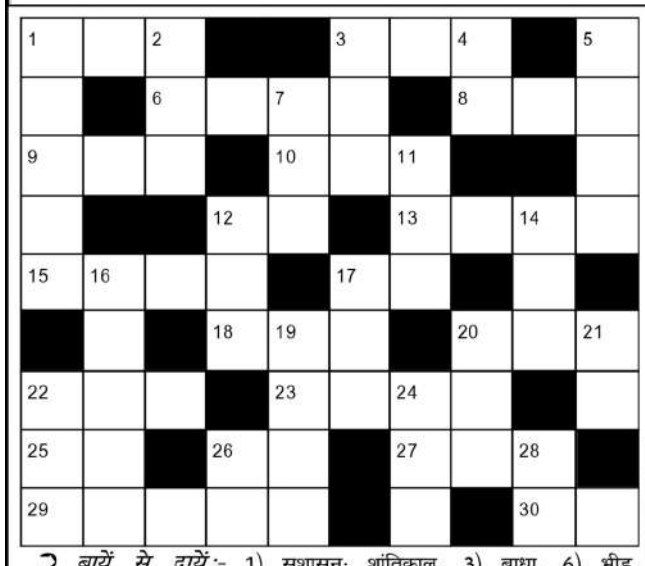

ऊपर से नीचे:- 1) अवांछनीय, 2) उपहार, 3) स्थिर, 4) बदज़बानी, 5) आपस का, 7) गोलमाल, 11) निवाला, 12) मात्रा, 14) समाविष्ट, 16) समय अपालक; बेफ़िक्र, 17) पैर, 19) पूर्णतया, 20) बरतन, 21) बीच में, 22) शपथ, 24) कन्याभर्ता, 26) दादू; बड़ा भाई, 28) उपलक्ष्य में. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) सुशासन; शांतिकाल, 3) बाधा, 6) भीड़, 8) एक आयतन माप एकक, 9) शतरंज की एक गोट, 10) नयनपट, 12) हुनर, 13) निष्ठावान, 15) एक मिठाई, 17) पिछला दिन, 18) सेना का खाद्य पदार्थ जो उसके साथ रहता है, 20) प्रेमी, 22) हाथी शिशु, 23) सिखों के चौथे गुरु, 25) पूरा एक और उसका चौथाई, 26) नौकर, 27) सहमत होना, 29) सुगंधित, 30) व्यापारिक महगाई.

पिछली पहेली का उत्तर

स	ह	म	त	■	अ	जू	बा	■	सु
रा	■	ह	र	ज	ाना	■	जा	पा	न
स	ब	क	■	व	ज	ह	■	■	सा
र	द	■	ह	क	■	ता	न	से	न
■	कि	धा	र	■	छ	ह	■	ह	■
कि	स्म	■	द	र्प	■	त	ना	त	नी
■	त	मा	म	■	भू	■	मी	■	ति
श	■	हो	■	बै	साखी	■	■	ही	■
क	म	ल	ना	ल	■	सा	व	धा	न

सुडोकू-पहेली-2889

			7		6	5		
	4							1
			3					
				5			2	4
3							8	
7								
6						3		
	2		4					
				1				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2888 का उत्तर

9	4	6	1	2	3	8	5	7
1	2	8	7	6	5	4	9	3
5	3	7	9	4	8	6	1	2
7	5	1	6	8	9	2	3	4
4	6	3	5	1	2	9	7	8
2	8	9	4	3	7	1	6	5
6	1	2	3	7	4	5	8	9
8	7	5	2	9	6	3	4	1
3	9	4	8	5	1	7	2	6

तृणमूल विधायक ने अपनी पार्टी के नेताओं से ही खुद की जान का खतरा बताया

मेरी हो सकती है हत्या : हुमायूं कबीर

❑ कहा, मेरे जिले के ही पार्टी के नेता व विधायक मेरे पीछे पड़ गए हैं

कोलकाता : अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाले बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने अब अपनी पार्टी के नेताओं से ही खुद की जान का खतरा बताया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विस परिसर में पत्रकारों से बातचीत में मुर्शिदाबाद के भरतपुर से विधायक कबीर ने किसी का नाम लिए बिना खुद की हत्या की आशंका जताई। उन्होंने कहा है कि मेरे बेबाक बोल की वजह से मेरे जिले के ही तृणमूल के

कुछ नेता और विधायक मेरे पीछे पड़ गए हैं। उन्होंने राज्य प्रशासन पर मेरी सुरक्षा को हटाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया है। इसके पीछे कोई शक्ति है। मेरी हत्या भी हो सकती है। मैं मुख्यमंत्री ममता से मांग करूंगा कि मुझे सुरक्षा प्रदान की जाए। कबीर ने साथ ही कहा कि हम डरते नहीं हैं। डरते सिर्फ उपर वाले से हैं। आम आदमी मेरे साथ है। जो होगा देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि वह तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी को भी इससे अवगत कराएंगे। ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी को राज्य का उप-मुख्यमंत्री व गृह मंत्री बनाए जाने की हाल में मांग कर चुके कबीर ने एक बार फिर उनकी तारीफ की। कहा कि अभिषेक बनर्जी अच्छे नेता है। ममता बनर्जी ने ही अभिषेक को पार्टी में नंबर दो नेता बनाया। मैं अभिषेक बनर्जी को एक नेता के रूप में स्वीकार करता हूं। ममता बनर्जी सबकी नेता हैं।

राज्य सरकार में मंत्री व पार्टी के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम का नाम लिए बिना उनपर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए कबीर ने कहा कि मुझे कुछ लोगों पर बहुत संदेह है जो ममता बनर्जी को घेरे हुए हैं। ममता बनर्जी के साथ अपनी जगह पक्की करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों को जवाब मिलेगा।

बता दें कि तृणमूल विधायक की यह टिप्पणी पार्टी सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चेतावनी के एक दिन बाद ही आई है। सोमवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में ममता ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि पार्टी के नेता जहां चाहें जा सकते हैं, लेकिन दल के विरुद्ध बयानबाजी नहीं कर सकते। पार्टी के अनुशासन का पालन नहीं करने पर सजा मिलेगी। एक ही घटना लगातार तीन बार होती है तो उस नेता से जवाब तलब कर तृणमूल से निष्कासित कर दिया जाएगा। तृणमूल सुप्रीमो के इस निर्देश के 24 घंटे के अंदर ही तृणमूल विधायक ने विवादित टिप्पणी कर नेतृत्व को असहज कर दिया। इधर, तृणमूल की अनुशासन समिति के एक सदस्य ने कहा, हमें हुमायूं कबीर की टिप्पणियों के बारे में पता चला है। उनपर टीम की नजर है। उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि कबीर की लगातार विवादित टिप्पणियों से तृणमूल का शीर्ष नेतृत्व नाराज है।

आग लगने की घटनाओं से निपटने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है राज्य सरकार : मंत्री सुजीत बोस

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपात सेवा मंत्री सुजीत बोस ने मंगलवार को कहा कि सरकार राज्य में आग लगने की घटनाओं से निपटने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। बोस ने विधानसभा में कहा कि जनवरी में दमकल की 75 नयी गाड़ियां और छह हाइड्रोलिक सीढ़ियां सेवा में शामिल की जाएंगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, कोलकाता में आग लगने की घटनाओं की संख्या कम हुई है। 2022-2023 में आग लगने की 1590 घटनाएं हुई थीं जिनकी संख्या 2023-24 में घट कर 920 रह गई। बोस ने कहा कि कोलकाता में पुनर्निर्मित कालीघाट और टॉलीगंज अग्निशमन केन्द्रों तथा कलिम्पोंग जिले और बीरभूम जिले के लाभपुर में नये अग्निशमन केन्द्र शीघ्र ही चालू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीरभूम में तारापीठ, जलपाईगुड़ी में बानरहाट, उत्तर दिनाजपुर में इटाहार और दार्जिलिंग में नए अग्निशमन केंद्रों की स्थापना की योजना बनाई जा रही

है। बाद में बोस ने संवाददाताओं को बताया कि राज्य सरकार अग्निशमन कार्यों के लिए धीरे-धीरे 10 ड्रोन लाने की योजना बना रही है।मंत्री ने कहा कि कोलकाता में आग की कुछ घटनाओं की जांच से पता चला है कि कुछ बेईमान व्यापारियों ने बीमा राशि के लिए 'जानबूझकर' अपनी संपत्तियों में आग लगा दी।

Loss of ID card
Public Notice

This is to bring to the notice of the general public that one ID Card of Mr Sunil Das issued by ICICI Bank ltd. having ID card no. 2401336 has been found missing and/or lost on 22/11/2024. Anyone, who finds the said ID card, is requested to return the said ID card to the Manager Debt Services & Management Group, ICICI Bank Limited, Technopolis Building, 13th Floor, Sector- V, Salt Lake700091.

Therefore, all the customers of ICICI Bank Limited are hereby notified not to make any payment to any unauthorised person holding the said ID card no 2401336.

Please take further notice that anybody making payment to any person holding the said ID card shall do so at his/her own costs, risk and peril and ICICI Bank shall not be bound and/or responsible for any payment.

Date: 25/11/2024.
Place: KOLKATA.
-Sd
For ICICI Bank Limited

सीबीआइ का दावा-आरजी कर में काफी समय से हाउस स्टाफ को लेकर चल रहा था भ्रष्टाचार

❑ स्वीकृत सीटों से अधिक संख्या में जूनियर डाक्टरों को एमबीबीएस के बाद हाउस स्टाफशिप करने का मौका दिया गया

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में वित्तीय भ्रष्टाचार की जांच कर रही सीबीआइ ने दावा किया है कि संदीप घोष के प्रिंसिपल बनने से पहले से अस्पताल में काफी समय से हाउस स्टाफ को लेकर भ्रष्टाचार चल रहा था। सीबीआइ मुताबिक आरजी द्वारा स्वीकृत सीटों से अधिक संख्या में जूनियर डाक्टरों को एमबीबीएस के बाद हाउस स्टाफशिप करने का मौका दिया गया है। जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या विशेषाधिकार पैसे के बदले दिया गया था या प्रभावशाली लोगों के परिचितों को दिया गया था।

जांच में पता चला है कि आरजी कर हास्पिटल में हाउस स्टाफिंग के लिए सीटों की संख्या कई सालों से बढ़ाई गई है। अस्पताल में हाउस स्टाफ के लिए सीटों की स्वीकृत संख्या 105 है। 117 लोगों को कई सालों के लिए हाउस स्टाफ बनने का मौका दिया गया है। अस्प-ताल अधिकारियों ने अभी तक इन अतिरिक्त 12 सीटों के लिए आवश्यक अनुमति नहीं दिखाई है। जांचकर्ताओं को पता चला कि कार्डियोलाजी विभाग में हाउस स्टाफ की संख्या में अचानक वृद्धि हुई थी। इन सभी मुद्दों को लेकर जांच एजेंसी ने अस्पताल अधिकारियों को कई दस्तावेज भेजे हैं। अस्पताल के कई लोगों से पूछताछ की गई है।

टाला थाने के पूर्व ओसी ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, लगाई जमानत की अर्जी

कोलकाता : करीब ढाई महीने पहले उन्हें सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। टाला पुलिस स्टेशन के पूर्व ओसी अभिजीत मंडल ने जमानत की अर्जी लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। यह मामला न्यायाधीश अरिजीत बनर्जी की खंडपीठ में दायर किया गया था।टाला थाने के पूर्व ओसी की जमानत याचिका पर इसी सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। नौ अगस्त को आरजी कर के सेमिनार हॉल से एक जूनियर डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। जूनियर डॉक्टरों ने 'तिलोत्तमा' के क्रूर परिणामों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आम लोग शामिल हुए। घटना के 24 घंटे के अंदर पुलिस ने एक सिविक वालंटियर को गिरफ्तार कर लिया लेकिन, पुलिस

की जांच पर सवाल उठते हैं। यह मामला कलकत्ता उच्च न्यायालय में दायर किया गया था। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ली।

कई पूछताछ के बाद, सीबीआई ने 14 सितंबर को तिलोत्तमा मामले में पूर्व आरजी कर निदेशक संदीप घोष और ताला पुलिस स्टेशन के पूर्व ओसी अभिजीत मंडल को गिरफ्तार किया। तिलोत्तमा कांड के समय एक आरजी कर अधीक्षक थे। दूसरा टाला थाने का पुलिसकर्मी था। सीबीआई के मुताबिक, दोनों को सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उस गिरफ्त-ारी को लगभग ढाई महीने बीत चुके हैं। अब ताला थाने के पूर्व ओसी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने जमानत के लिए आवेदन किया।यह देखना बाकी है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय उनकी जमानत याचिका मंजूर करता है या नहीं। जानकारों का कहना है कि अगर टाला थाने के पूर्व ओसी को जमानत मिल गई तो सीबीआई पर दबाव बढ़ जाएगा। क्योंकि, सीबीआई जांच की प्रगति पर पहले ही सवाल उठ चुके हैं। जूनियर डॉक्टरों ने भी सीबीआई की चार्जशीट पर असंतोष जताया।

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

ई-निविदा सूचना संख्या ईएल-एचडब्ल्यूएच-सीओएन-टीआरडी-160-2024-एनआईटी दिनांक 25.11.2024, जिसे उप मुख्य विद्युत अभियंता/सीओएन, हावड़ा 371-तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 द्वारा पहले प्रकाशित किया गया था, इसमें संशोधन किया जाता है। **क्रम संख्या (1) निविदा सूचना के स्तंभ संख्या: 3; विज्ञापित मूल्य:** रु. 93,52,219.90 के स्थान पर रु. 83,14,046.50 पढ़ा जाना चाहिए। **क्रम संख्या (2) निविदा सूचना के स्तंभ संख्या: 5; बयाना राशि:** रु 1,87,100.00 के स्थान पर रु. 1,66,300.00 पढ़ा जाना चाहिए। अन्य नियम और शर्तें यथावत रहेंगी। (CON-75/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

ई-निविदा सूचना संख्या डीसीपीएम-जीएस-ईएनजी-एसडीएएच-08-24-25, दिनांक: 21.11.2024, जिसे पहले उप सीपीएम/जीएसयू/ईएनजीजी/सियालदह द्वारा सियालदह मंडल - गति शक्ति इकाई - नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स (एनसीसी) सियालदह में एलएचबी स्टोर बिल्डिंग (जी+1) के निर्माण कार्य के लिए प्रकाशित किया गया था, इसमें संशोधन किया जाता है। अनुसूची-A में समग्र जीएसटी राशि को रु. 23,90,965.91/- पढ़ा जाना चाहिए। अन्य नियम और शर्तें यथावत रहेंगी। (SDAH-251/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 25.11.2024, वरिष्ठ मंडल अभियंता/II/ पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदाएँ ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं.1, निविदा सं.: टीएन-179-24-25, कार्य का नाम:** बाघा जतीन-न्यू गड़िया के बीच लोकेशन 10/1-11/7=1440 मी, न्यू गड़िया-गड़िया के बीच लोकेशन 11/17-12/1=440 मी तथा मल्लिकपुर-बरियारपुर के बीच 23/2-24/2=1000 मी के बीच, कुल 1440 मी. पर रेल बैरियर एवं बाउंडरी वॉल का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु.3,90,18,175/-, **बयाना राशि :** रु.3,45,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **क्रम सं.2, निविदा सं.: टीएन-185-24-25, कार्य का नाम:** सी.ई. के ड्रॉ. नं. सी-471-2014 के अनुसार वाटर वे को बढ़ाने के लिए सियालदह-लक्ष्मीकांतपुर शाखा में किमी. 27.097 में वर्तमान ब्रिज नं. 3 के पास एक नए आर.सी.सी. बॉक्स (1X6.000X4.889 मी.) का निर्माण, सी.ई. के ड्रॉ. नं. सी-472-2014 के अनुसार वाटर वे को बढ़ाने के लिए सियालदह-लक्ष्मीकांतपुर शाखा में किमी. 28.783 में वर्तमान ब्रिज नं. 4 के पास एक नए आर.सी.सी. बॉक्स (1X6.000X4.500 मी.) का निर्माण और सी.ई. के ड्रॉ. नं. सी-45-2015 के अनुसार वाटर वे को बढ़ाने के लिए सियालदह-डायमंड हार्बर शाखा में किमी. 26.009 में वर्तमान ब्रिज नं. एस-34 के पास एक नए आर.सी.सी. बॉक्स (1X5.500X3.136 मी.) का निर्माण। **निविदा मूल्य :** रु.5,24,91,703/-, **बयाना राशि :** रु.4,12,500/-, **कार्य की समापन अवधि:** 18 (अठारह) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 20.12.2024 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 20.12.2024 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। भारतीय रेल के अनुबंध 2022 की मानक सामान्य शर्तों के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है।

SDAH-250/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना संख्या: एनईआर-एसएण्डटी-प्रोजेक्ट-BSB-02-2024,

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/प्रोजेक्ट/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-टेंडर के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिये टेन्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से निविदायें आमंत्रित करते हैं:-

• निविदा सूचना संख्या: एनईआर-एसएण्डटी-प्रोजेक्ट-BSB-02-2024, कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के निकटवर्ती स्टेशनों भटनी जं०-पचरुखी (सहित) खंड पर संबंधित कार्यों के साथ-साथ निरंतर ट्रैक सर्किटिंग के लिये मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर का उपयोग करके स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग कार्य के सर्वेक्षण, डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिये समग्र कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 41,96,13,090.53, बयाना राशि: ₹ 22,48,100/-, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 23-12-2024, 15:00 बजे।

नोट: (1) बयाना राशि एवं ऑफर की वैधता निविदा खुलने की तिथि से 90 दिन होना चाहिये। **(2)** वेबसाइट *https://www.ireps.gov.in* पर विस्तृत निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें देखी जा सकती है। **(3)** बोली सुरक्षा राशि या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जायेगी या भारत के एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जायेगी या निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित अनुसार होगी। बैंक गारंटी बांड अनुबंध-1.1 (निविदा दस्तावेज) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के समाप्त होने के 90 दिनों से परे की अवधि के लिये मान्य होगा।

उपमुसिदूइं/प्रोजेक्ट
मुजाधि/सिगनल-71 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पश्चिम मध्य रेल

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप. मुख्य इंजीनियर (निर्माण), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या:** उप. मु. इंजी. (नि) कोटा-09-2024, **कार्य का विवरण:** राजस्थान राज्य में पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में रामगंजमंडी-भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना के संबंध में पहले से ही कमीशन की जा चुकी लाइन के घाटोली - नयागांव खंड में विभिन्न स्थानों पर स्टेबलाइजेशन का कार्य करना, **निविदा खुलने की तारीख:** 16.12.2024, **अनुमानित लागत** (₹): ₹ 8,59,33,205.93 (सिंगल पैकेट सिस्टम)। **नोट:** पूर्ण विवरण वेबसाईट www.ireps.gov.in. पर अपलोड की गई ई-निविदा में तथा मुख्य परियोजना प्रबन्धक, पश्चिम मध्य रेल, कोटा के कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा खोलने की तारीख से पहले नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें और निविदा में किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दें। ऑफर सिर्फ ई-निविदा के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। ई-निविदा के अतिरिक्त किसी भी अन्य माध्यम से निविदा ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। **उप.मुख्य इंजीनियर (निर्माण)/ पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा**

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

बंगाल में उड़ाई जा रही संविधान की धज्जियां : शुभेंदु

❑ भाजपा नेता ने विधानसभा में संविधान दिवस पर प्रस्ताव का किया विरोध

❑ कहा, प्रस्ताव में केंद्र सरकार को निशाना बनाकर राजनीतिक बातें लिखी है

कोलकाता : संविधान दिवस पर मंगलवार को बंगाल विधानसभा में पेश किए गए प्रस्ताव का विपक्षी भाजपा ने विरोध किया और दावा किया कि इसमें केंद्र सरकार को निशाना बनाकर राजनीतिक बातें लिखी गई है। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने भारत के संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संविधान की रक्षा के संकल्प वाला प्रस्ताव पेश किया।

विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सदन में प्रस्ताव पर चर्चा में बोलते हुए कहा कि इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया जा

सकता। उन्होंने दावा किया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार को निशाना बनाया गया है और प्रस्ताव में राजनीतिक बातें कही गई हैं, जो सर्वसम्मति से पारित होने के लिए गैर-राजनीतिक होनी चाहिए थीं। शुभेंदु ने कहा कि प्रस्ताव में केंद्र के खिलाफ जिस भाषा का इस्तेमाल किया गया है वह स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान की रक्षा की बात कहने वाली ममता सरकार राज्य में लगातार संविधान की धज्जियां उड़ा रही हैं। राज्य सरकार कोई नियम-कानून नहीं मान रही है। बंगाल में न्यायपालिका तक को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। यहां पत्रकारों की स्वतंत्रता भी खतरे में है। राज्य सरकार के खिलाफ रिपोर्ट लिखने पर बहुत सारे पत्रकारों को गिरफ्तार किया जा चुका है। विपक्षी दल के नेताओं को झूठे मामलों में फंसाकर जेल भेजा जाता है। बंगाल में हालत यह है कि मुझे (विपक्ष के नेता) को कार्यक्रमों की अनुमति के लिए 77 बार हाई कोर्ट जाना पड़ा।

वहीं, प्रस्ताव के पक्ष में बोलते हुए तृणमूल के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार में मंत्री डा मानस भुइयां ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि बंगाल एक ऐसा राज्य है जहां सभी धर्म शांतिपूर्ण तरीके से सह-अस्तित्व में हैं।

वहीं, मंत्री फिरहाद हकीम ने संविधान में निहित लोगों के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को देश के कुछ स्थानों (भाजपा शासित राज्यों) में बाधित किए जाने का दावा करते हुए कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी के शासन में यह अधिकार उचित रूप से प्रभावी है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आज लोग क्या खाएंगे और क्या पहनेंगे यह थोपने की कोशिश की जा रही है। बीफ या मटन खाने के नाम पर पीट-पीट कर हत्या कर दी जा रही है।

फिरहाद ने यह भी दावा किया कि केंद्र का प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का अपमान है और यह बोर्ड की वर्षों पुरानी शक्तियों को छीनने का एक प्रयास है। उन्होंने सभी लोगों से इसका विरोध करने का आह्वान किया। कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक विभाजनकारी है और इससे अल्पसंख्यकों को हाशिए पर धकेला जा सकता है तथा उनके अधिकारों का हनन हो सकता है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर भी सवाल उठाए। सवाल किया कि इसका क्या प्रभाव पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद भी वहां उग्रवाद और सीमा पार आतंकवाद अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि आज संविधान बचाने के लिए हम सबको मिलकर शपथ लेना होगा। उपसभापति आशीष बनर्जी ने कहा कि प्रस्ताव पर चर्चा बुधवार को भी होगी।

आलिया विश्वविद्यालय का छात्र अपने छात्रावास में मृत पाया गया

कोलकाता : कोलकाता के समीप न्यू टाउन स्थित राजकीय आलिया विश्वविद्यालय का एक छात्र अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मालदा निवासी अब्दुल रहमान (24) का शव सोमवार शाम करीब सात बजे उसके छात्रावास के कमरे में छत से लटका मिला। रहमान के सहपाठियों ने जब उसके कमरे का दरवाजा बार बार खटखटाने के बाद भी न खुलने पर किसी तरह अंदर जाकर देखा तो उन्हें उसका शव मिला और उन्होंने इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि टेक्नो सिटी पुलिस थाने के अधिकारी घटनास्थल पर गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आ जाने के बाद ही मौत के सही कारण ज्ञात होंगे।

न्याय की मांग पर आरजी कर पीड़िता के माता-पिता ने बंगाल विधानसभा में विपक्षी नेताओं से मुलाकात की

❑ नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने दी सांत्वना, पीड़िता की मां के आंसू भी पोंछे

❑ मां बोलीं- मेरी बेटी का क्या कसूर था कि उसे इस तरह जघन्य मौत का सामना करना पड़ा?

कोलकाता : कोलकाता के सरकारी आरजी मेडिकल कालेज व अस्पताल में अगस्त महीने में दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुईं प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के माता-पिता ने मंगलवार को संविधान दिवस के दिन राज्य विधानसभा परिसर में पहुंचकर विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात की और बेटी के लिए न्याय की मांग की।दोपहर करीब 12.45 बजे पीड़िता के माता-पिता कोलकाता नगर निगम में भाजपा पार्षद सजल घोष के साथ विधानसभा परिसर पहुंचे और सबसे पहले विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के कमरे में गए।वहां माता-पिता ने शुभेंदु अधिकारी और अन्य भाजपा विधायकों से बातचीत की और उनसे कुछ ऐसा करने की गुहार लगाई, जिससे दुष्कर्म व हत्या की शिकार उनकी बेटी को त्वरित न्याय मिले।इस दौरान पीड़िता की मां ने रोते हुए शुभेंदु से कहा- जिस तरह आम लोग हमारे साथ खड़े हैं, हम आपसे भी आने वाले दिनों में ऐसा करने का अनुरोध करते हैं। मेरी बेटी का क्या कसूर था कि उसे इस तरह की जघन्य मौत का सामना करना पड़ा? हमें अभी तक यह पता नहीं है कि उस रात उसके साथ वास्तव में क्या हुआ था।

नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु ने उन्हें सांत्वना दी और आंसू भी पोंछे। मां को देखकर भाजपा विधायक चंदना बाउरी भी भावुक होकर रो पड़ीं। इस दौरान शुभेंदु ने घोषणा की कि 10 दिसंबर को शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन सभी भाजपा विधायक पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों के लिए शीघ्र न्याय की मांग को लेकर विधानसभा के अंदर और बाहर प्रदर्शन करेंगे। भाजपा विधायकों से मिलने के बाद पीड़िता के माता-पिता ने आल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (एआइएसएफ) के एकमात्र विधायक नौशाद सिद्दीकी से भी मुलाकात की और उनसे भी इसी तरह की गुहार लगाई।

पीड़िता महिला डाक्टर का शव नौ अगस्त को आरजी कर अस्पताल के सेमिनार कक्ष से बरामद किया गया था। शुरुआती जांच कोलकाता पुलिस ने की थी और बाद में कलकत्ता हाई कोर्ट ने घटना की जांच का जिम्मा सीबीआइ को सौंप दिया था।फिलहाल, मामले की सुनवाई कोलकाता की एक विशेष अदालत में चल रही है।

चिन्मय दास की गिरफ्तारी पर शुभेंदु ने बांग्लादेश सरकार को सीमा के जरिए व्यापार ठप करने की धमकी दी

कोलकाता : बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के खिलाफ बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी भाजपा विधायकों ने चिन्मय दास की तस्वीर वाली तख्तियां लेकर विधानसभा परिसर से विरोध मार्च निकाला और उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हुए मुख्य गेट के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी की। इस दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी की निंदा की और उन्हें बिना शर्त शीघ्र रिहा करने की मांग करते हुए बांग्लादेश सरकार को पेट्रापोल सीमा के जरिए सभी तरह के व्यापार और आवाजाही को ठप करने की कड़ी चेतावनी दी। पत्रकारों से बातचीत में शुभेंदु ने कहा कि बांग्लादेश सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भारत पर कितना निर्भर हैं। इसलिए बांग्लादेश को वस्तुओं की आपूर्ति तब तक रोक दी जाएगी जब तक कि चिन्मय प्रभु को रिहा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह केंद्र सरकार के साथ भी बातचीत करेंगे। शुभेंदु ने रिहाई की मांग पर बुधवार को कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग का घेराव करने की भी चेतावनी दी। कहा कि सभी भाजपा विधायक दोपहर तीन बजे बांग्लादेश उप उच्चायोग का घेराव करेंगे।दरअसल, बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित आइसीपी पेट्रापोल के जरिए ही भारत और बांग्लादेश के बीच आवश्यक सामानों की सबसे ज्यादा आपूर्ति और लोगों की आवाजाही होती है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के खिलाफ गुस्सा जाहिर करते हुए शुभेंदु ने उन्हें कट्टरपंथी करार दिया। भाजपा नेता ने कहा- चिन्मय प्रभु वहां सनातन हिंदू समाज के सम्माननीय प्रतिनिधि हैं। वह बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश पुलिस ने उन्हें बेबुनियाद आधार पर गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी बांग्लादेश की कट्टरपंथी सरकार द्वारा इस्कान को बदनाम करने का प्रयास जो प्राकृतिक आपदाओं और अन्य आपदाओं के दौरान लोगों की मदद करता रहा है।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

उप मुख्य विद्युत अभियंता/एम/ब्लू लाइन, मेट्रो रेलवे, कोलकाता भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **कार्य का नाम:** मेट्रो रेलवे, कोलकाता के विभिन्न भवनों में ऑन ग्रिड रूफटॉप सोलर पावर प्लांट की डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना एवं शुरुआत। **विज्ञापित मूल्य:** ₹ 1,82,39,200। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 17.12.2024 को अपराह्न 3.00 बजे (भा.मा.स.)। **सूचना पट्ट का पता:** प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, मेट्रो रेलवे, 33/1, जे.एल. नेहरू रोड, कोलकाता-700071 का कार्यालय। **वेबसाइट का विवरण:** **https://www.ireps.gov.in**।

निविदा संख्या: ईएलएम_133_एसपीवी400_दिनांक25-10-24

हमें यहाँ देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सं. सीओएम/डीईवी/ई-ऑक्शन/पीयू/एचडब्ल्यूएच 2022, **दिनांक: 22.11.2024**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा, चौथी मंजिल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के **तारापीठ रोड स्टेशन पर सामान्य पे एंड यूज शौचालय के संचालन और रखरखाव के लिए 03 वर्षों के लिए** नया अनुबंध देने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। विषय ई-नीलामी रेलवे बोर्ड के फ्रेट मार्केटिंग सर्कुलर संख्या 11, 2022 और वाणिज्यिक सर्कुलर संख्या 14, 2022 के अनुसार शासित है। अधिक जानकारी और ई-नीलामी में भागीदारी के लिए कृपया **ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल** के माध्यम से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। **नीलामी सूची संख्या:** पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-11-24-आर. **लॉट संख्या/श्रेणी: पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-टीपीएफ-टीओआई-47-24-1. स्टेशन:** तारापीठ रोड (टीपीएफ)। **नीलामी प्रारंभ दिनांक/समय:** 09.12.2024, 12:00 बजे। (HWH-443/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा मंडल के तहत पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

हावड़ा-तारकेश्वर ब्रांच लाइन में बाहिरखंड और तारकेश्वर स्टेशनों के बीच ब्रिज सं. 62 (32/12-32/14) पर शैलो गर्डर कन्वर्शन कार्य के लिए डाउन लाइन पर 11 घंटे और अप लाइन पर 6 घंटे के लिए पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक की आवश्यकता होगी। इसके फलस्वरूप निम्नलिखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी: ● **रद्द [दिनांक 30.11.2024 (शनिवार)]: हावड़ा-तारकेश्वर: अप: 37349 (22.05 बजे) और 37351 (23.05 बजे), तारकेश्वर-हावड़ा: डाउन: 37354 (23.00 बजे)। रद्द [दिनांक 01.12.2024 (रविवार)]: हावड़ा-तारकेश्वर: अप: 37309 (04.55 बजे), 37311 (05.55 बजे), 37313 (06.32 बजे), 37315 (08.25 बजे) और 37317 (09.05 बजे), सेवड़ाफुली-तारकेश्वर: अप: 37411 (05.15 बजे), 37415 (08.25 बजे), हावड़ा-आरामबाग: अप: 37359 (05.19 बजे), हावड़ा-गोघाट: अप: 37371 (04.22 बजे), तारकेश्वर-हावड़ा: डाउन: 37312 (03.50 बजे), 37314 (04.50 बजे), 37316 (05.35 बजे), 37318 (06.20 बजे), 37320 (07.05 बजे) और 37322 (07.55 बजे), तारकेश्वर-सेवड़ाफुली : डाउन : 37412 (04.05 बजे) और 37416 (07.25 बजे), आरामबाग-हावड़ा : डाउन : 37360 (08.35 बजे) और गोघाट-हावड़ा : डाउन : 37372 (07.30 बजे) ● पुनर्निधारण [दिनांक 01.12.2024 (रविवार)]: 37324 तारकेश्वर-हावड़ा लोकल** 09.32 बजे के बदले 09.45 बजे पुनर्निर्धारित की जाएगी। **विशेष टिप्पणी:** ब्लॉक अवधि के दौरान स्पेशल या विलंब से चलने वाली ट्रेनें और कोई भी नई शुरू की गई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, को ब्लॉक के दौरान मार्ग में सुविधानुसार नियंत्रित/मार्ग परिवर्तित किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

OFFICE OF THE BLOCK DEVELOPMENT OFFICER
PURULIA-II DEVELOPMENT BLOCK
Vill. Bongabari, P.O. : V-Nagar, Dist. : Purulia (W.B.) ;
Mobile No. 8373068635, E-mail ID : bdoeopurulia2@gmail.com

e-Tender is being invited by the Block Development Officer, Purulia-II of Village : Bongabari, Post : V-Nagar, Dist : Purulia, for the developmental work under various source of fund under Purulia-II PS vide **Tender Notice (eNIT) No.: WBPUR/BDO/P-II/NIT(e)-01/2024-25 4th Call, WBPUR/BDO/P-II/NIT(e)-02/2024-25 2nd Call, WBPUR/BDO/P-II/NIT(e)-03/2024-25.** For more details requisting to the follow the Office Notice Board, www.wbtenders.gov.in or may contact General Section of the undersigned on office day & time. **Sd/-**

Block Development Officer
Purulia-II Development Block

पूर्व रेलवे

सं. ओएच/3/निविदा, दिनांक: 25.11.2024, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के अधीन। क्रम सं. 1, ई-निविदा सं. : 266_ 2024-25, कार्य का विवरण :** एईएन/केडब्ल्यूएई के अधीन केडब्ल्यूएई (04 अदद) और एसएएलई (01 अदद) तथा एईएन/एजेड के अधीन एजेड (01 अदद) और एईएन/एनडीएई के अधीन एनडीएई (01 अदद) एवं टीबीएई (01 अदद) में पाइप लाइन एवं अन्य सहायक कार्यों के साथ 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील ओ.एच. टैंक की बदली। **अनुमानित मूल्य :** रु. 13,15,53,499.14, **बयाना राशि :** रु.8,07,800/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 18 (अठारह) माह। **क्रम सं. 2, ई-निविदा सं. : 278_ 2024-25, कार्य का विवरण :** एबीएसएस के अधीन केडब्ल्यूई में मेन बिल्डिंग, फसाड, पॉर्च का विकास, इंटीरियर कार्य, बुकिंग ऑफिस, टॉयलेट, प्रतीक्षालय का विकास। **अनुमानित मूल्य :** रु. 4,13,34,596.18, **बयाना राशि :** रु.3,56,700/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 3, ई-निविदा सं. : 279_ 2024-25, कार्य का विवरण :** एबीएसएस के अधीन एनडीएई स्टेशन में फसाड और पॉर्च का विकास, बुकिंग ऑफिस के इंटीरियर, टॉयलेट, प्रतीक्षालय का विकास एवं अन्य सहायक कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,99,24,541.29, **बयाना राशि :** रु.2,99,600/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 4, ई-निविदा सं. : 280_ 2024-25, कार्य का विवरण :** एबीएसएस के अधीन केजीएलई में वर्तमान बिल्डिंग, पॉर्च, टॉयलेट, बुकिंग ऑफिस के इंटीरियर, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग, पार्किंग एरिया का विकास। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,85,37,255.49, **बयाना राशि :** रु.2,92,700/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 5, ई-निविदा सं. : 281_ 2024-25, कार्य का विवरण :** एबीएसएस के अधीन एजेड में द्वितीय एंट्री एसबी, फसाड, पॉर्च, बुकिंग ऑफिस, टॉयलेट, प्रतीक्षालय का विकास। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,85,28,635.63, **बयाना राशि :** रु.2,92,700/- **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 6, ई-निविदा सं. : 282_ 2024-25, कार्य का विवरण :** एबीएसएस के अधीन एबीकेए में मेन बिल्डिंग एवं द्वितीय एंट्री बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर, फसाड, पॉर्च, अंदरूनी कार्य, सर्कुलेटिंग एवं पार्किंग एरिया का विकास। **अनुमानित मूल्य :** रु. 4,73,40,306.72, **बयाना राशि :** रु.3,86,700/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 7, ई-निविदा सं. : 283_ 2024-25, कार्य का विवरण :** वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में बीडीसी-एजेड शाखा में एलसी नं. 2/ए, 9/स्पे, 15/ई, 17/टी, 26/टी, 27/ई, 26/ए, 26/बी, 24/ए, 24/टी एवं 20/स्पे में सड़क की वाइंडिंग। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,80,99,762.40, **बयाना राशि :** रु.2,40,500/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 8, ई-निविदा सं. : 284_ 2024-25, कार्य का विवरण :** एडीईएन/एजेड के कार्यक्षेत्र में केएनएसएन से किमी. 181/0 तक दोनों सिरे पर वाटर स्टोरेज रिजर्वायर ड्रेनेज व्यवस्था के साथ दोनों एप्रोचों के सम्प की रूफ कवरिंग की व्यवस्था द्वारा वर्तमान एलएचएस के उन्नयन के साथ सुधार कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,23,79,520.53, **बयाना राशि :** रु.2,61,900/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 16.12.2024 को 14.00 बजे।। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-** बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान ई-निविदा प्रणाली के मामले में, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के जरिए स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-445/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

पार्थ की जमानत रोकने की कोशिश में सीबीआई

❑ पार्थ के करीबी सुजॉय कृष्ण गए प्रोडक्शन वारंट पर

कोलकाता : माणिक भट्टाचार्य, जीवन कृष्ण साहा को एक भर्ती मामले में जमानत मिल गई है। पार्थ चटर्जी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व शिक्षा मंत्री को बार-बार इस भ्रष्टाचार के 'किंग पिन' के रूप में पहचाना गया है। उनकी जमानत का मामला फिलहाल हाई कोर्ट में लंबित है। इस बीच सीबीआई द्वारा नई गिरफ्तारियों की खबर सामने आ रही है।सवाल उठता है कि क्या लगातार गिरफ्तार पार्थ की जमानत रोकी जाए। पार्थ की करीबी अर्पिता मुखर्जी को सोमवार को जमानत मिल गई।इसके बाद कई लोगों को लगता है कि पार्थ की जमानत की संभावना मजबूत हो रही है।इस बीच कुछ महीने पहले ही एक नए मामले में पार्थ चटर्जी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। पार्थ के करीबी व्यवसायी संतू गंगोपाध्याय को सोमवार को गिरफ्तार किया गया, जिस दिन अर्पिता को जमानत दी गई थी। और अब सुजयकृष्ण की बारी है।

सूत्रों के मुताबिक, पार्थ के बाद सीबीआई प्राथमिक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में सुजॉय भद्र को अपनी हिरासत में लेना चाहती है। सीबीआई ने सुजयकृष्णा के प्रोडक्शन वारंट के लिए आवेदन किया है।वह आवेदन मंजूर कर लिया गया।मंगलवार को उन्हें सशरीर कोर्ट में ले जाया जाएगा। पार्थ चटर्जी के कार्यकाल के दौरान शिक्षकों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद सीबीआई पार्थ की भूमिका को साबित करने के लिए बेताब है। पार्थ चटर्जी इस मामले में केंद्रीय एजेंसी के जाल में फंसी पहली 'बड़ी मछली' थे। इसलिए स्वाभाविक है कि सीबीआई उनकी जमानत रोकने के लिए हर संभव कोशिश करेगी इसलिए पार्थ ने अपने करीबियों को हिरासत में लेने की कोशिश की? गौरतलब है कि मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने भर्ती भ्रष्टाचार मामले के एक आरोपी शांतनु बनर्जी को जमानत दे दी थी। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने भी उन्हें फंसाने की कोशिश की थी। देखते हैं कि क्या सुजॉय को हिरासत में लिया जा सकता है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में तृणमूल नेता को हाई कोर्ट से मिली जमानत

शांतनु बंद्योपाध्याय ने घोटाले में बिचौलियों के रूप में काम किया था

कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल जज बेंच ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता शांतनु बंद्योपाध्याय को सशर्त जमानत दे दी। बंद्योपाध्याय पर आरोप है कि उसने शिक्षक भर्ती घोटाले में मुख्य बिचौलियों में से एक के रूप में काम किया था। बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को सोमवार को कोलकाता में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत ने जमानत दी थी।

ईडी के अधिकारियों ने मार्च 2023 में बंद्योपाध्याय को गिरफ्तार किया था। उस समय बंद्योपाध्याय कोलकाता से सटे हुगली जिले में तृणमूल कांग्रेस का काफी प्रभावशाली नेता था। बंद्योपाध्याय की गिरफ्तारी के समय जांच अधिकारियों ने उसके आवास से महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए थे, जिसमें 17 जिलों के 346 उम्मीदवारों की सूची भी शामिल थी, जिन्होंने कथित तौर पर मोटी रकम चुकाकर स्कूल में नौकरी हासिल की थी। बंद्योपाध्याय का नाम ईडी की चार्जशीट में भी था, जिसमें कहा गया था कि उसे अवैध तरीके से नौकरी दिलाने के लिए 1.39 करोड़ रुपये कमीशन के तौर पर मिले थे। उस पर कई खातों में रकम डायवर्ट करने का भी आरोप था, जो मनी लांड्रिंग का एक सामान्य मामला था।

पांच दिवसीय आवासीय कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर मंगलवार से पांच दिवसीय आवासीय कला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। यह शिविर सूचना और संस्कृति विभाग के तहत चारुकला परिषद द्वारा और दक्षिण 24 परगना जिला सूचना और संस्कृति विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। दक्षिण 24 परगना में कुलपी पथेर साथी में आयोजित यह शिविर 26 नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगा। इस मौके पर चारुकला परिषद के कार्यकारी अधिकारी और सदस्य सचिव सौमेन खमरूई, कला परिषद सलाहकार परिषद के सदस्य चयन रॉय, दीपांकर दत्ता, प्रशिक्षक रीना मुस्तफी, सुब्रत पाल, उमेश जाना उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यशाला शिविर में कुल 40 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

श्रीरामपुर श्री शीतला हिंदी विद्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

हुगली : हुगली के श्रीरामपुर श्री शीतला हिंदी विद्यालय में संविधान दिवस आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कई अतिथियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद श्रीवास्तव द्वारा संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालने से हुई। उन्होंने कहा, संविधान दिवस हमारे देश के संविधान को अपनाने की याद दिलाता है, जो हमारे देश के नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करता है। शिक्षक संतोष पांडेय 'निर्धन' ने डॉ राजेंद्र प्रसाद और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के योगदान को याद किया। इस अवसर पर रिक्ता कर जाना, निरंजन मोनी बास्की और रंजू मिश्रा ने संविधान के संबंध में विद्यार्थियों के बीच विस्तृत चर्चा किया। इसके बाद, विद्यार्थियों ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर शपथ लिया और संविधान के मूलभूत अधिकारों और कर्तव्यों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के दौरान, विद्यार्थियों ने संविधान के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले चित्र भी प्रदर्शित किए। इस कार्यक्रम के माध्यम से, विद्यालय ने संविधान दिवस के महत्व को प्रसारित करने और विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता और सम्मान को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर

कोलकाता : पीठ परिषद, आदित्य वाहिनी, आनन्द वाहिनी की ओर से गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर 2025 की तैयारी के उद्देश्य से श्री गोवर्धन गौशाला (पुरी) के अध्यक्ष मूलचंद राठी की अध्यक्षता में सत्संग भवन में सभा सम्पन्न हुई। प्रेम चन्द्र झा ने बताया शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज 11 जनवरी को कोलकाता पधारेंगे। उन्होंने शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती महाराज की भारत यात्रा एवम् राष्ट्रोत्कर्ष अभियान की जानकारी देते हुए कहा शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का भारत भ्रमण में सनातन हिन्दू धर्म के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से राष्ट्रोत्कर्ष अभियान प्रेरणादायक है। उनके विचारों को सुनने और समझने से भारतीय नागरिकों को अपने जीवन में धार्मिक निष्ठा, संस्कृति, सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मिथिला विकास परिषद के अध्यक्ष अशोक झा ने कहा शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती महाराज मिथिला से हैं एवं भारत का गौरव है। उन्होंने शंकराचार्य के दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए शंकराचार्य की गंगासागर यात्रा के लिये समुचित व्यवस्था करने के लिये सुझाव व्यक्त किये। आदित्य वाहिनी (पश्चिम बंगाल) के अध्यक्ष देवाशीष गोस्वामी, आनन्द वाहिनी की राष्ट्रीय महासचिव पिंकी गोस्वामी ने सभी सदस्यों से सक्रिय रह कर सेवा शिविर को सफल बनाने का निवेदन किया। महेश आचार्य ने गंगासागर तीर्थ क्षेत्र में सेवा शिविर की तैयारी की जानकारी दी। पार्थ सेठ, कमल मैत्र, सुरेश लाभ, विनय चंद्र लाल करन, मनोज झा, गोपाल मिश्रा, राजकुमार साहू, पूर्णिमा साहू, सोमनाथ चक्रवर्ती, प्रकाश पांडे, हर्ष जयसवाल, मोनालिसा सेठ, शिवशंकर चक्रवर्ती, परोमिता दास, रुना दे, चैताली मल्लिक, पम्पा बाग, बिपाशा भट्टाचार्य एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे। यह जानकारी राजेन्द्र कुमार सोनी ने दी।

हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा शरद साहित्य महोत्सव का भव्य आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : हिंदी साहित्य परिषद के संरक्षक सूर्या सिन्हा के मार्गदर्शन और संस्थापक अध्यक्ष संजय शुक्ला के निर्देशन में शरद साहित्य महोत्सव का भव्य आयोजन दो सत्र में संपन्न हुआ। जिनकी अध्यक्षता क्रमशः लोकप्रिय कवि द्वय चंद्रिका प्रसाद पांडेय अनुरागी और जय कुमार रुसवा ने किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि छपते छपते समाचार पत्र के संस्थापक विश्वम्भर नेवर, प्रधान अतिथि पूर्व प्रधानाध्यापक राम पुकार सिंह पुकार गाजीपुरी और विशिष्ट अतिथि डॉ. रेणु शर्मा एवं प्रख्यात गजलकार नंद लाल सेठ ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को और भी गौरवान्वित कर दिया। इस मौके पर मंचासीन सभी अतिथियों के करकमलों से परिषद उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार दूबे जी के दूसरे ग़ज़ल संग्रह झरोखे यादों के को लोकार्पित किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रदेशों से उपस्थित 56 साहित्य साधकों ने अपने सरस काव्य छंदों एवं गजलों की त्रिवेणी बहाकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम के अंत में परिषद के राष्ट्रीय सलाहकार रामनारायण झा देहाती ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

67वीं अखिल भारतीय रेलवे बास्केटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष) 2024-25 का शुभारंभ

कोलकाता, समाज्ञा : ईस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने 67वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2024-25 का आयोजन किया। बेहाला के इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक सुमित सरकार ने दीप प्रज्वलित कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ईस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सात्यकी नाथ, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, टीम कोचों और खिलाड़ी उपस्थित रहे। अपर महाप्रबंधक सुमित सरकार ने इस चैंपियनशिप के महत्व पर प्रकाश डाला और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का लक्ष्य रखते हुए उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रतिष्ठित आठ दिवसीय टूर्नामेंट 26 नवंबर को शुरू होगा और 3 दिसंबर को फाइनल के साथ समाप्त होगा। यह मैच इंडोर स्टेडियम, बेहाला, और आउटडोर कोर्ट, माझेरहाट में खेला जाएगा। जिसमें कुल 20 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें 40 लीग मैचों सहित 48 मैच निर्धारित हैं। शीर्ष आठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी, जो नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी, जहां चैंपियनशिप खिताब का फैसला किया जाएगा।

बाफ्टा ने भारत, यूके और यूएसए में अपने ब्रेकथ्रू 2024 प्रतिभागियों की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : नेटफ्लिक्स द्वारा समर्थित ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) ने फिल्म, टेलीविजन और गेम उद्योगों से नौ उभरती प्रतिभाओं का अनावरण किया है, जिन्हें अपने बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया 2024 समूह के लिए चुना गया है। बाफ्टा अपने यूके, यूएसए और भारत के प्रतिभागियों को एक साथ पेश कर रहा है, जिसमें वैश्विक स्तर पर 43 प्रतिभाशाली व्यक्तियों का चयन किया गया है। बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया के लिए नौ नामों का चयन रचनात्मक उद्योग के प्रमुख विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया गया, जिसमें जूरी अध्यक्ष और बाफ्टा ब्रेकथ्रू एंबेसडर गुनीत मोंगा कपूर (निर्माता, संस्थापक और सीईओ, सिख्या एंटरटेनमेंट), मानवेंद्र शुकुल (सीईओ, लक्ष्य डिजिटल), मोनिका शेरगिल (उपाध्यक्ष, कंटेंट-नेटफ्लिक्स इंडिया), पालोमी घोष (अभिनेता और पूर्व ब्रेकथ्रू इंडिया), राजीव मेनन (फिल्म निर्माता), रत्ना पाठक शाह (अभिनेता, थिएटर निर्देशक), संगीता दत्ता (फिल्म निर्माता), शोनाली बोस (फिल्म निर्माता) और सुष्मित घोष (फिल्मनिर्माता) शामिल है।

हेरिटेज लॉ कॉलेज में मना संविधान दिवस

कोलकाता : 26 नवंबर को हेरिटेज लॉ कॉलेज कोलकाता में संविधान दिवस मनाया गया। इससे पहले पिछले सप्ताह संस्थान के 39 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ भारत के सर्वोच्च न्यायालय का दौरा किया था जिसमें न्यायाधीश की लाइब्रेरी का दौरा भी शामिल था। मंगलवार को संस्थान ने भारत के संविधान के सार पर एक वार्ता का आयोजन किया जिसे सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता के राजनीति विज्ञान विभाग, प्रमुख प्रो. सौम्या साहा ने अपने विचार रखें। इस आयोजन में प्रोफेसर का भी योगदान रहा। हेरिटेज लॉ कॉलेज के निदेशक एस.एस. चटर्जी, हेरिटेज लॉ कॉलेज के प्रभारी शिक्षक प्रो. शांतनु मित्रा और संस्थान के अन्य संकाय और कर्मचारी ने हिस्सा लिया। इस मौके पर

हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ पी.के.अग्रवाल ने कहा कि भारत आज से शुरू होने वाले एक साल के उत्सव के साथ अपने संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे कर रहा है। यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है।

मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड ने मोतीलाल ओसवाल निफ्टी कैपिटल मार्केट इंडेक्स फंड' पेश किया

कोलकाता, समाज्ञा : मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड (एमओएमएफ) ने अपने नवीनतम फंड ऑफर 'मोतीलाल ओसवाल निफ्टी कैपिटल मार्केट इंडेक्स फंड' की शुरुआत की घोषणा की। यह फंड भारत में कैपिटल मार्केट थीम के तहत सूचीबद्ध शेयरों की विकास क्षमता पर निवेश करेगा। इस इंडेक्स में 15 कंपनियां शामिल हैं जो निफ्टी 500 का भी हिस्सा हैं। एनएफओ 26 नवंबर को खुलेगा और 10 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के बिजनेस पैसिव फंड्स के प्रमुख प्रतीक ओसवाल ने कहा कि भारत का पूंजी बाजार अपनी स्थापना के बाद से तेजी से बढ़ा है। निवेश के साथ तकनीकी और परिचालन में आसानी, टी+1 निपटान समय, वास्तविक समय के आधार पर यूपीआई और आईएमपीएस आधारित हस्तांतरण ने निवेशकों की भागीदारी को और बढ़ा दिया है।

मेट्रो रेलवे ने मनाया संविधान दिवस

कोलकाता : भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 26 नवंबर 1949 मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया, जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। इस मौक़े पर मंगलवार को मेट्रो रेलवे ने संविधान दिवस मनाया। प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता असीम कुमार मजूमदार ने मेट्रो रेल भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों को भारत के संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में मेट्रो रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

मेट्रो अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने और सभी नागरिकों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ व्यक्ति की गरिमा को सुरक्षित रखने की कसम खाई। इसके अलावा, नोआपाड़ा कारशेड, तपन सिन्हा मेमोरियल अस्पताल और मेट्रो रेलवे के अन्य कार्यालयों में भी संविधान दिवस मनाया गया।

सर्दियों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रैक रखरखाव का काम जोरों पर

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने सर्दियों का मौसम को देखते हुए ट्रैक रखरखाव गतिविधियों को तेज कर दिया है। क्योंकि तापमान में उतार-चढ़ाव से रेल संकुचन और संभावित दरारें हो सकती हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण ठंड के महीनों के दौरान यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने की रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। पूर्व रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग ने व्यापक नवीनीकरण और रखरखाव कार्य शुरू किया है। पिछले एक महीने के दौरान देखी गई महत्वपूर्ण प्रगति में ट्रैक स्थायित्व और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ट्रैक की 25.27 सीटीआर इकाइयों का नवीनीकरण किया गया है।

ट्रैक स्वास्थ्य का आकलन करने और छिपी हुई खामियों की पहचान करने के लिए उन्नत अल्ट्रासोनिक तकनीक का उपयोग करके कुल 1,426.24 किमी रेल का परीक्षण किया गया। जंग को रोकने और संरचनात्मक अखंडता सुनिश्चित करने के लिए 32.35 किमी रेल और 140 वेल्ड कॉलर को पेंट किया गया। रेल जोड़ों को मजबूत करने, संभावित व्यवधानों को कम करने के लिए 1,740 थर्माइट वेल्डिंग किए गए। बीसीएम मशीन का उपयोग करके 35.93 किमी पटरियों की गहरी स्क्रीनिंग पूरी की गई, और सुचारू ट्रेन संचालन के लिए गिट्टी कुशनिंग बनाए रखने के लिए एसबीसीएम मशीन के साथ 14.77 किमी की उथली स्क्रीनिंग पूरी की गई। इस महीने के दौरान कुल 84,871 क्यूबिक मीटर गिट्टी बिछाई गई, जिससे उचित ट्रैक संरेखण और स्थिरता सुनिश्चित हुई। पूर्व रेलवे सुरक्षित, विश्वसनीय और आरामदायक रेल सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस ने जारी किया अ-निश्चित सूचकांक 2024

कोलकाता, समाज्ञा : आदित्य बिड़ला कैपिटल की जीवन बीमा सहायक कंपनी आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एबीएसएलआई) ने 'अ-निश्चित सूचकांक 2024' जारी किया है। यह व्यापक सर्वेक्षण भारतीयों में अपने वित्तीय भविष्य के बारे में अनिश्चितता की व्यापक भावना को उजागर करता है। 7,978 प्रतिभागियों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर जारी इस रिपोर्ट से पता चलता है कि 88% उत्तरदाताओं को अगले पांच वर्षों में उच्च या बहुत उच्च स्तर की वित्तीय अनिश्चितता की आशंका है। दरअसल उत्तरदाताओं के बीच अनिश्चितता के प्राथमिक स्रोत के रूप में आर्थिक कारक सबसे आगे हैं। 35.11% प्रतिभागियों ने संभावित नौकरी छूटने जैसी आर्थिक अनिश्चितता को अपनी सबसे बड़ी चिंता बताया। जबकि 33.95% लोगों ने तकनीकी उन्नति, जिसमें एआई और चैट जीपीटी जैसे टूल शामिल हैं को लेकर चिंता व्यक्त की। इन लोगों ने काम की प्रकृति को बदलने में इन तकनीकों के संभावित प्रभाव के बारे में चिंता जताई।

नए शोध के अनुसार नियमित रूप से बादाम खाने से एक्सरसाइज के बाद रिकवरी हो सकती है बेहतर

कोलकाता, समाज्ञा : एक नए अध्ययन में पता चला है कि नियमित रूप से बादाम खाने से एक्सरसाइज के बाद दर्द और मांसपेशियों की क्षति को कम करते हुए रिकवरी में मदद मिल सकती है। वहीं मांसपेशी भी अच्छी तरह काम करती हैं। ऐसा खाना जो एक्सरसाइज की वजह से होने वाली मांसपेशियों की थकान और दर्द को कम करते हुए ठीक होने में मदद करते हैं, उससे लोगों को एक्सरसाइज की अपनी दिनचर्या पर कायम रहने में मदद मिल सकती है। रितिका समद्दर, रीजनल हेड, क्लीनिकल न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर-नई दिल्ली का कहना है, बादाम पोषण का भंडार होता है। हाल के प्रकाशित शोध में कभी-कभार सक्रिय रहने वाले स्वस्थ या थोड़े ओवरवेट वयस्कों में मांसपेशियों की रिकवरी में बादाम की भूमिका को लेकर रोशनी डाली गई।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के नेतृत्व में मनाया गया संविधान दिवस

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने मंगलवार को संविधान दिवस मनाया। इस अवसर पर पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में पूर्व रेलवे मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। पूर्वी रेलवे मुख्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की विचारधाराओं को बनाए रखने के लिए हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए संविधान की प्रस्तावना पढ़ी, जो दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इस मौके पर अपर महाप्रबंधक सुमित सरकार, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी जरीना फिरदौसी और पूर्व रेलवे के अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। पूर्व रेलवे के विभिन्न मंडलों और कार्यशालाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भी संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गई। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों पर बैनर लगाए गए थे।

आरपीएफ ने ऑपरेशन सेवा के तहत बुजुर्ग यात्री की बचायी जान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने 24 नवंबर को एक बुजुर्ग यात्री की समय रहते मदद करते हुए उनको नई जिंदगी दी। यह घटना बंडेल रेलवे स्टेशन पर सामने आई, जहां ऑपरेशन सेवा के बैनर तले रेलवे कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई ने एक संकटपूर्ण आपातकाल को आशा की कहानी में बदल दिया। इस दिन, बंडेल स्टेशन मास्टर के पास एक आपातकालीन कॉल आई, जिसमें बताया गया कि नलहटी में ट्रेन नंबर 13012 डाऊन पर चढ़ते समय मदनलाल गुप्ता (82) नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति फिसल गए और उनके पैरों में चोट लग गई, जिससे उन्हें अत्यधिक दर्द और परेशानी हुई। खबर मिलते ही, आरपीएफ के एक समर्पित अधिकारी एएसआई जियाउल इस्लाम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने निर्बाध रूप से काम किया, और घायल यात्री को सावधानी से उठाया और उसे तत्काल इलाज के लिए चुंचुड़ा के एसडी अस्पताल ले जाया जाए।

अस्पताल में डॉ. बिद्युत भट्टाचार्जी ने उनकों गंभीर प्राथमिक उपचार दिया। यात्री की चोटें, हालांकि दर्दनाक थीं लेकिन गंभीर नहीं पायी गयी। कुछ समय आराम करने और ठीक होने के बाद, मदनलाल गुप्ता को छुट्टी दे दी गई, वे जरूरत की घड़ी में उनके प्रति दिखाई गई करुणा के लिए बहुत आभारी थे। बता दें कि, यह उन 51 मामलों में से एक है जहां रेलवे कर्मचारियों ने बुजुर्ग, बीमार और घायल यात्रियों के जीवन की रक्षा के लिए कदम उठाया है। 1 नवंबर से 20 नवंबर, 2024 तक चलने वाले इस ऑपरेशन सेवा के दौरान विभिन्न स्टेशनों पर कुल 51 मामलों को संबोधित किया गया। हावड़ा डिवीजन में 28, सियालदह डिवीजन में 15, आसनसोल डिवीजन में 4, और मालदह डिवीजन में 4 हैं।

महाप्रबंधक ने किया ग्रीन लाइन के चल रहे कार्यों का निरीक्षण

कोलकाता : मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक व केएमआरसीएल के अध्यक्ष पी. उदय कुमार रेड्डी और केएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक अनुज मित्तल और केएमआरसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सियालदह के बीच सुरंगों में चल रहे कार्यों का पैदल निरीक्षण किया। मंगलवार को बऊबाजार में पूर्व-सीमा और पश्चिम-सीमा सुरंगों के प्रभावित क्षेत्रों के टनल रेट्रोफिटिंग कार्यों और चल रहे ट्रैक वर्क्स और अन्य सिस्टम कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए दोनों सुरंगों का व्यापक निरीक्षण किया गया था। अपने निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक रेड्डी ने इस खंड के काम की चल रही प्रगति को देखकर संतोष व्यक्त किया और विशेष रूप से सियालदह-एस्प्लेनेड खंड में शेष कार्यों को समय पर पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया ताकि खंड को शीघ्र चालू किया जा सके और हावड़ा मैदान से पूरे खंड को खोला जा सके। जल्द से जल्द यात्री सेवा के लिए ग्रीन लाइन के साल्ट लेक सेक्टर वी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को लगातार दूसरे साल मिला 'बेस्ट प्लेस टु वर्क' का दर्जा

कोलकाता, समाज्ञा : एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को एक बार फिर प्रतिष्ठित 'ग्रेट प्लेस टु वर्क' सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया है। यह लगातार दूसरा साल है जब एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। ग्रेट प्लेस टु वर्क वर्कप्लेस कल्चर से जुड़ी एक ग्लोबल अथॉरिटी है। इस संस्था का मिशन हर जगह को सभी के लिए काम करने की एक सबसे बेहतरीन जगह बनाने में मदद करना है। इसकी ओर से कंपनियों को दिया गया यह प्रतिष्ठित सम्मान नियोक्ता ब्रांडों को इसलिए प्रोत्साहित करता है कि वे सही लोगों को आकर्षित करने में रुचि दिखाएं। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को लगातार दूसरी बार प्रदान किया गया सर्टिफिकेशन यह बताता है कि किस प्रकार कंपनी काम काज का एक बेहतर माहौल तैयार करने के लिए प्रयास कर रही है।

बैंक में लगी आग से मची अफरा तफरी

हुगली, समाज्ञा : जिले में जगह-जगह आग लगने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को कोन्नगर बाटा घाट के पास स्थित एक निजी बैंक में दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा तफरी का माहौल बन गया। बैंक प्रबंधन की तरफ से आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। स्थानीय निवासी बैंक से धुआं निकलते देखा घबरा गए। आग बैंक के ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर फैल गई। घटना से बैंक के कर्मचारी घबराकर बाहर निकल आए और आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया।

दमकलकर्मियों ने सीढ़ी लगाकर पहली मंजिल की खिड़कियों के शीशे तोड़कर पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। पानी की कमी न हो, इसके लिए गंगा से पानी लेकर भी आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि आग सर्वर रूम से शुरू हुई और तेजी से फैल गई। बैंक के पास स्थित रिहायशी इलाकों के लोग भी इस घटना से डर गए। बाद में एक और दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और इस समय दो दमकल गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। हालांकि, बैंक के लॉकर में रखे पैसे और दस्तावेजों को नुकसान हुआ है। मामले में इस पर बैंक कर्मचारियों ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। बैंक में आए एक ग्राहक, तनमय कर ने बताया कि मैं इलाज के लिए पैसे निकालने आया था। बैंक से चारों तरफ धुआं निकलता देखा। अंदर बहुत ज्यादा धुआं था और बैंक के कर्मचारी अंदर जाने नहीं दे रहे थे। सुना है कि आग सर्वर रूम में लगी है।दमकल अधिकारी प्रसनजीत पोद्दार ने बताया कि उत्तर दिशा की खिड़की के शीशे तोड़कर सीढ़ी लगाई गई और आग पर नियंत्रण पाया गया। सर्वर रूम में इलेक्ट्रिकल फायर हुआ है, और संभावना है कि आग वहीं से शुरू हुई। हालांकि, अब आग पूरी तरह नियंत्रण में है।

उन्होंने आगे कहा कि चूंकि आग इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट से लगी थी, इसलिए वहां से काले धुएं का गुब्बार निकल रहा था। आग में किसी भी तरह के बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं। मामले की जांच जारी है।

गंभीर रूप से घायल युवक की मौत के बाद अस्पताल के सामने जमकर प्रदर्शन

❑ **अस्पताल पर लापरवाही बरतने का आरोप**

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के गोलाबाड़ी थानांतर्गत स्थित आईएलएस अस्पताल के सामने मंगलवार को मृत मरीज के परिजनों ने जमकर हंगामा किया। अस्पताल पर लापरवाही के कारण मरीज के मौत होने का आरोप लगाया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक का नाम सूरज शर्मा (32) है। वह मध्य हावड़ा के टिकियापाड़ा इलाके का रहने वाला था। शुक्रवार की रात को सूरज बाइक से घर लौट रहा था तभी एक ट्रक से उसका एक्सिडेंट हो गया। सूरज को इलाज के लिए गोलाबाड़ी थाने के पास आईएलएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टरों ने कहा कि मरीज को जल्द ही ऑपरेशन की आवश्यकता होगी और लागत तीन लाख रुपये से अधिक होगी। इसके बाद, युवक के परिजनों ने अस्पताल में पैसे जमा कर दिए।

परिजनों के मुताबिक, ऑपरेशन के बाद युवक ठीक था, लेकिन चिकित्सकों के मुताबिक सोमवार रात से उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। जिसकी जानकारी मंगलवार की सुबह फोन पर दी गई और साथ में बकाया डेढ़ लाख रुपये जमा करने के लिए कहा गया। पैसा जमा करने के करीब एक घंटे बाद अस्पताल प्रशासन ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

मरने की खबर सुनते ही गुस्साएं परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। सड़के भी जाम कर दी, जिस कारण ट्रैफिक जाम हो गया। खबर मिलते ही गोलाबाड़ी थाने के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले को शांत किया जबकि कुछ लोगों को हिरासत में लिया।

हावड़ा में पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी की श्रीमद्भागवत कथा का होगा आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : शस्यश्यामला बंगभूमि का सौभाग्य है कि आगामी 13 दिसंबर से 19 दिसंबर तक हावड़ा के फोरशोर रोड स्थित लक्ष्मी विलास गार्डन में दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक पद्मविभूषण तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य श्री रामभद्राचार्य के श्रीमुख से 108 श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण का लाभ प्राप्त होगा। उपरोक्त जानकारी गतकाल विक्रमविहार के कम्युनिटी हाल में आयोजित महापुराण आयोजन समिति (प.बंगाल) की एक सभा की अध्यक्षता करते हुए सोमनाथ अड़ूकिया ने कही। कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अड़ूकिया ने बताया कि महाराजश्री के श्रीमुख से बंगभूमि में प्रथम बार आयोजित इस सप्त दिवसीय भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ विशाल कलश यात्रा के द्वारा होगा। महाराजश्री की कथा के अतिरिक्त 108 विप्रो द्वारा मद्भागवत के मूल पाठ का वाचन होगा। कथा के द्वितीय दिवस पर सुंदरकांड भक्त मंडल के सदस्यों के सामूहिक सुंदरकांड का वाचन के साथ ही साथ महाराजश्री की आज्ञा से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति की जायेगी। महाराज जी का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए अड़ूकिया ने बताया कि दिव्य विभूति स्वरूप आपका जन्म उत्तरप्रदेश के जौनपुर में 1950 में मकर सक्रांति के पुण्यदिवस पर राजदेव सच्ची देवी मिश्रा के घर में हुआ था। मात्र दो माह की आयु में दृष्टिहीन होने के बावजूद ईश्वरीय दिव्य शक्तिप्राप्त आपने अल्पायु में वेद, पुराण, उपनिषद जैसे ग्रंथो को कंठस्थ कर लिया था। वर्तमान में लगभग 22 भाषाओं के ज्ञाता महाराज जी ने मात्र आठ बर्ष की आयु में गीता एवं रामायण जैसे ग्रंथो पर अपनी शानदार पकड़ बना ली थी। भौतिक दृष्टि न होने एवं बिना ब्रेन लिपि का सहारा लिए अपने 250 से अधिक पुस्तकों का लेखन किया है। रामानंद

सम्प्रदाय के चार जगदगुरुओं में एक महाराजश्री को मात्र एक घंटे के अल्प समय में 100 श्लोकों बनाने की विद्या हासिल है। अयोध्या के रामजन्मभूमि मंदिर की स्थापना में आपकी महती भूमिका रही है। सर्वोच्च न्यायालय में आप द्वारा प्रस्तुत 441 साक्ष्यों ने निर्णय में मुख्य भूमिका अदा की। आप द्वारा चित्रकूट में स्थापित तुलसीपीठ की स्थापना से लेकर तुलसी प्रज्ञाचक्षु बधिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, राघव गोशाला के अतिरिक्त राजकोट के श्री गीता ज्ञान मंदिर की स्थापना सामाजिक क्षेत्रों में आपकी महवपूर्ण सेवायें रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छता अभियान के भी आप मनोनीत नवरत्नों में प्रथम सदस्य रहे है। आपकी सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान हेतु धार्मिक, सामाजिक अग्रणी भूमिका ने आपको विश्व भर के विभिन्न पुरस्कारों से अलंकृत किया है। इसमें मुख्य विश्वधर्म संसद, शिकागो द्वारा धर्मचक्रवर्ती उपाधि से अलंकरण, मध्यप्रदेश संस्कृति एकेडमी द्वारा राज्यशेखर पुरस्कार, संपूर्णानंद संस्कृति विद्यालय, वाराणसी द्वारा कविकुलरत्न, लालबहादुर शास्त्री संस्कृति विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा महामहोपाध्याय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा अवधरत्न, महामहिम राष्ट्रपति द्वारा वादरमण एवं सुप्रसिद्ध ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रमुख है। भारत सरकार द्वारा 2015 में आपकी महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सामाजिक सेवाओं में अग्रणी योगदान की महत्ता को स्वीकार करते हुए देश के दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया।ऐसी देवस्वरूप सनातन संस्कृति के उज्जवल नक्षत्र के श्रीमुख से ज्ञानप्रदायक श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करना हम सभी का सौभाग्य होगा। महाराजजी के पुण्यप्रताप के कारण ही देशभर की अनेकों प्रतिष्ठित हस्तियां कथाश्रवण हेतु पधारेंगे। सभा को संबोधित करते हुए कैलाश बल्देवा ने 'बिनु हरिकृपा मिले नही संता चौपाई को उल्लेखित करते हुए कहा कि ईश्वरीय कृपा के कारण ही श्री रामभद्राचार्य जी जैसे महान संत के सानिध्य एवं कथा श्रवण का सौभाग्य हमे प्राप्त हो रहा है। ललित सिंघी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को इस आयोजन की विशाल महता से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन में सहभागिता जीवन में एकाध बार ही मनुष्य कर पाता है। अशोक शर्मा ने बताया कि रामभद्राचार्य जी के आगमन की सूचनामात्र से ही सभी सनातन प्रेमियों एवं संस्थाओं में खुशी की लहर है। श्यामसुंदर चांडक ने इस आयोजन को हावड़ा वासियों हेतु सौभाग्यसूचक बताया। देवकीनंदन शर्मा, रमाकांत देवड़ा, महावीर अग्रवाल, विजय दाधीच, रामावतार बिहानी, राम अवतार झुनझुनवाला, विनोद अग्रवाल, भंवरलाल शर्मा ने भी इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने हेतु सभी से तन, मन, धन से सहयोग की अपील की। समिति के अतिरिक्त सुंदरकांड भक्त मंडल, नमो नमो नारायणी, श्री श्याम मंदिर, आलम बाजार, कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी, संस्कृति प्रचार समिति, लायंस क्लब ऑफ कोलकाता, ब्रबॉर्न रोड एवं विप्र फाउंडेशन पश्चिम बंगाल के सभी सदस्यों ने सहयोगी के रूप में कार्य कर इस कार्यक्रम को दिव्यता प्रदान करने हेतु प्रतिबद्धता जताई। उपस्थित अंचल के अनेकों प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद राजकुमार व्यास ने दिया।

दाना के बाद फींगल का खतरा

गुरु व शुक्रवार को बारिश की संभावना

कोलकाता : 'दाना' के बाद एक और चक्रवात की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में चक्रवात 'फींगल' की चेतावनी जारी की है। पिछले अक्टूबर में चक्रवात दाना ने बंगाल को प्रभावित किया था। चक्रवात पुरी और सागरद्वीप के बीच आया था। हालांकि तूफान का असर ज्यादा नहीं था लेकिन बंगाल के तट पर भारी बारिश हुई। पिछले एक माह में मौसम में काफी बदलाव आया है। तापमान में गिरावट शुरू हो गई है। सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। इसी बीच एक नया चक्रवात सामने आ गया।

मौसम भवन के मुताबिक, अगले 24 घंटे में बंगाल की खाड़ी में डीप डिप्रेशन बनेगा। यह भी बताया गया है कि इससे भारी बारिश भी होगी।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि

बंगाल में आपदा का कोई खतरा नहीं है। 'फींगल' तमिलनाडु तट की ओर बढ़ेगा। चक्रवात के अप्रत्यक्ष प्रभाव से बादल बंगाल के तट पर प्रवेश करेंगे। शनिवार को बंगाल के 2 तटीय जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं इस तूफान के असर से सप्ताह के अंत में ठंड कुछ कम हो जाएगी। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकनाल में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। 28 और 29 नवंबर को भारी बारिश की संभावना है।

बंगाल में आवास योजना की तालिका की हो रही बारीकी से जांच: मंत्री

15 दिसंबर से आवास योजना की जारी होगी पहली किस्त

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही घोषणा की है कि 15 दिसंबर से राज्य के करीब 12 लाख गरीब परिवारों को राज्य सरकार पक्के आवास के लिए प्रथम किस्त की राशि जारी करेगी। इस बीच, आवास योजना के लाभार्थियों की तालिका में किसी प्रकार की त्रुटि ना हो, इसे लेकर राज्य का पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग पूरी तरह सतर्क है। मंगलवार को राज्य के पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री प्रदीप मजूमदार ने विधानसभा में कहा कि आवास योजना के लिए बनी तालिका की बहुत बारीकी से जांच शुरू हो गई है। यह फैसला पारदर्शिता बनाए रखने के लिए किया गया है। ब्लाक स्तर पर सूची की जांच की जा रही है और जहां भी कोई संदेह दिख रहा है कि वहां इसे होल्ड पर रख दिया गया है। इसके बाद जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी और उप जिलाधिकारी स्तर के अधिकारी इसकी दोबारा आडिट करेंगे। फिर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके बाद भी यदि किसी को कोई शिकायत हो, तो इसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों को दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग केंद्रीय योजना से वंचित हैं, राज्य सरकार उनके लिए काम कर रही है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के फंड में कथित भ्रष्टाचार को लेकर राज्यभर में हंगामा मचा हुआ है। भ्रष्टाचार के कथित आरोपों की वजह से केंद्र सरकार ने भी पीएम ग्रामीण आवास योजना के लिए बंगाल को फंड देना बंद कर दिया है। इसके बाद राज्य सरकार ने अपने दम पर राज्य के ग्रामीण परिवारों को आवास योजना के तहत फंड मुहैया कराने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने हाल में घोषणा की कि 15 दिसंबर से करीब 12 लाख परिवारों को आवास के लिए प्रथम किस्त की राशि जारी करेगी।

राज्यसभा उपचुनाव में जवाहर के स्थान पर तृणमूल का कौन होगा प्रत्याशी, चर्चा शुरू

आरजी कर कांड के विरोध में जवाहर सरकार ने राज्यसभा की सदस्यता से दे दिया था इस्तीफा

कोलकाता : महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव खत्म होते ही अब राज्यसभा चुनाव की घोषणा हो गई है, लेकिन इस बार राज्यसभा चुनाव देश के चार राज्यों की छह खाली सीटों के लिए दिसंबर में होंगे। मंगलवार को चुनाव आयोग ने कार्यक्रम की घोषणा कर दी। बंगाल में एक राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव होना है। पूर्व आइएएस अधिकारी जवाहर सरकार ने आरजी कर कांड को लेकर अपना विरोध जताते हुए तृणमूल के राज्यसभा के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे बंगाल की एक सीट रिक्त हो गई थी। अब जहर सरकार के स्थान पर मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी किसे राज्यसभा के लिए उम्मीदवार घोषित

करती हैं इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा है कि क्या ममता संगठन के बाहर से किसी को फिर राज्यसभा भेजेगी या पार्टी के किसी नेता को?

आयोग ने बताया कि 20 दिसंबर को छह राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। इसमें बंगाल की एक सीट भी शामिल है। निर्वाचित प्रतिनिधि सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कर सकते हैं। उस दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी। आयोग की अधिसूचना के मुताबिक, नामांकन 10 दिसंबर तक जमा किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 11 दिसंबर को होगी और 13 दिसंबर तक नामांकन वापस लेने का मौका मिलेगा। हालांकि, बंगाल में मतदान की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी, क्योंकि विधायकों की संख्या के मामले में तृणमूल को चुनौती देने की स्थिति में कोई नहीं है। जवाहर सरकार के इस्तीफे के बाद संसद के ऊपरी सदन में तृणमूल सांसदों की संख्या घटकर 12 हो गई है। बंगाल की 16 राज्यसभा सीटों में से एक खाली है। तृणमूल के अलावा भाजपा के दो और माकपा के एक राज्यसभा सांसद हैं। जवाहर की जगह बंगाल की सत्ताधारी पार्टी किसे राज्यसभा के लिए नामित करती है इस पर सबक निगाहें रहेगी।

बंगाल में भाजपा नेता के काफिले पर हमले के मामले में एनआईए ने 12 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

कोलकाता : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के भाटपारा इलाके में अगस्त में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रियांगु पांडेय के काफिले पर हमले के मामले में मंगलवार को 12 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। एनआईए ने एक बयान में बताया कि मामले के आरोपियों की पहचान मोहम्मद आबिद खान उर्फ बंटी, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद वसीमुद्दीन अंसारी उर्फ भूमा, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद फिरदुश इकबाल, मोहम्मद तनवीर, मोहम्मद संजय शॉ, मोहम्मद चांद, मोहम्मद आकाश सिंह, मोहम्मद शोएब अख्तर, मोहम्मद अकबर और सागर सिंह के रूप में की गई है। बयान के मुताबिक, कोलकाता में विशेष एनआईए अदालत में दाखिल आरोपपत्र में हमले के पीछे की आपराधिक साजिश का खुलासा किया गया है। इसमें कहा गया है कि एनआईए की जांच से पता चला है कि सभी 12 आरोपी पांडेय के काफिले पर हमले से जुड़ी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल थे। हमले में भाजपा नेता के चालक रवि वर्मा और एक करीबी सहयोगी रबी सिंह को गोली लगी थी। पांडेय और उनके काफिले पर 28 अगस्त को भाटपारा में एंग्लो इंडियन जूट मिल स्टाफ क्वार्टर के गेट नंबर-3 के पास विस्फोटकों और आग्नेयास्त्रों से हमला किया गया था। एनआईए ने कहा कि हमला तब हुआ था, जब काफिला पूर्व सांसद अर्जुन सिंह के आवास की ओर जा रहा था।

यूनिसेफ बंगाल के सभी जिलों में खोलेगा ईसीडी क्लीनिक

कोलकाता : यूनिसेफ ने आने वाले दिनों में बंगाल के सभी जिलों में अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट (ईसीडी) क्लीनिक स्थापित करने का फैसला किया है। एक अधिकारी के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र निकाय इस मामले में आवश्यक सहयोग के लिए राज्य सरकार से संपर्क करेगा। बंगाल में यूनिसेफ के प्रमुख डा. मोनजुर हुसैन ने कहा कि कोलकाता के एसएसकेएम मेडिकल कालेज और अस्पताल में उत्कृष्टता केंद्र और बंगाल के 28 स्वास्थ्य जिलों में से 17 में जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्रों (डीईआइसी) में उपलब्ध ये विशेष क्लीनिक तीन साल तक के बच्चों को महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते हैं। यह पहल ईसीडी क्लीनिक जैसे बाल-केंद्रित पहलों को संगठित, एकीकृत और आगे बढ़ाने में मदद करेगा। विशेष देखभाल को बड़ी आबादी के करीब लाने के लिए, यूनिसेफ ने नानरीतम (विकासात्मक बाल चिकित्सा में विशेषज्ञता प्राप्त एक संगठन) के साथ मिलकर राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा राज्य महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभागों को दक्षिण 24-परगना के दो ब्लाकों में ईसीडी क्लीनिक चलाने और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, सामुदायिक नर्सों और अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में सहायता की थी। अब वहां के अभिभावकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने के बाद, संयुक्त राष्ट्र निकाय बंगाल के सभी जिलों में ईसीडी नेटवर्क फैलाने की योजना बना रहा है।

दपूरे मुख्यालय में संविधान दिवस समारोह का आयोजन

कोलकाता : भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मंगलवार को दक्षिण पूर्व रेलवे (दपूरे) मुख्यालय, गार्डनरीच कोलकाता में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दपूरे के अपर महाप्रबंधक सौमित्र मजूमदार ने मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया और इसकी रक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने कर्मचारियों को संविधान के सिद्धांतों को अपने कार्य और जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। संविधान दिवस का उद्देश्य संविधान के मूल्यों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

सीकर नागरिक परिषद ने आयोजित किया नेत्र परीक्षण शिविर

कोलकाता : सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) द्वारा रविवार को हावड़ा जिला स्थित उलुबेरिया के कारतबेरिया हाई स्कूल में परिषद का 158 वां मेगा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में 1215 मरीजों की आंखों की जांच की गई। 947 मरीज चश्मे योग्य पाए गए, जिनमें से 642 मरीजों को तुरंत ही चश्मे दे दिया गया और बाकी लोगों को शीघ्र ही चश्मे प्रदान किए जाएंगे। 127 मरीज ऑपरेशन योग्य पाए गए, जिनके ऑपरेशन इस माह अंत तक करावा दिया जाएगा। नेत्र शिविर के दौरान आए मरीजों की सामान्य जांच (ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, पल्स आदि) भी चिकित्सकों द्वारा की गई। ऑपरेशन योग्य रोगियों की इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई सी जी) भी तुरंत ही कर दिया गया।

जरूरतमंद मरीजों को आंखों की दवाइयां भी प्रदान की गईं। ये जानकारियां संयोजक एवं सह सचिव नवनीत सोढ़ानी ने दी। अध्यक्ष एमिरेट्स घनश्याम प्रसाद सोभासरिया ने परिषद की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि परिषद की सभी सेवाएं निःशुल्क हैं। शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

सचिव रवि शंकर सीकरिया ने इसे एक अविस्मरणीय शिविर बताया उन्होंने कहा परिषद का यह प्रयास सामाजिक सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें एक दिन में 1215 लोगों का सामान्य जांच भी अपने आप में अद्भुत है। सात चिकित्सकों की देखरेख में यह शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। साथ ही उन्होंने बताया कि आज मंगसीर बदी नवमी के दिन श्री श्री रानी सती दादी जी की शोभायात्रा में दादी की आरती के साथ-साथ लगभग 800 भक्तों में टॉफियां और फ्रूटी द्वारा सेवा की गई।

दोनों आयोजनों को सफल बनाने में आदित्य विक्रम बियानी, अंकित चौधरी, आशीष चौधरी, रोहित जाजोदिया, गोपाल सीकरिया, राखाल राय एवं उनकी सहयोगी टीम, कमल प्रसाद चौधरी, रतन सीकरिया, राजकुमार अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, शुभम सिन्हा, राजेश साव, मनोज यादव, कुलदीप यादव एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग रहा।

प्राचीन और प्रसिद्ध 108 श्री राणीसती मंदिर में विराजित हुए बाबा श्याम

कोलकाता : बड़ाबाजार के सिंघी बागान के प्राचीन और प्रसिद्ध 108 श्री राणीसती मंदिर में अब कलियुग अवतारी बाबा श्याम भी विराजित हो गए हैं। खाटूवाले बाबा श्याम के तेजस्वी शीश की विधिवत स्थापना हेतु आयोजित तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह के प्रथम दिवस बाबा श्याम के शीश की स्थापना के पश्चात आयोजित उद्घाटन समारोह के अवसर पर उद्घाटनकर्त्ता सुप्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी प्रकाश पारख की गरिमामयी उपस्थिति में सुप्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी निर्मल सराफ ने दीप प्रज्वलन किया करते हुए कहा कि यहां पर बाबा श्याम के श्रीविग्रह की स्थापना से स्थानीय श्रद्धालुओं को अपने आराध्य की पूजा-आराधना में पहले से ज्यादा सहुलियत होगी। इस अवसर पर पार्षद राजेश सिन्हा, समाजसेवी राजीव सिन्हा, के.डी. अग्रवाल, राजकुमार बोथरा, सीमा भावसिंहका, प्रेम मिलन (कोलकाता) के चेयरमैन डा. चंद्रकांत सराफ, ज्योति सराफ, हरि सोनी, मंदिर के मुख्य पुजारी द्वय पं. प्रदीप शर्मा और पं. राजेश शर्मा उपस्थित थे जबकि इस तीन दिवसीय आयोजन में सर्वश्री अमर भरतिया, लक्ष्मीकांत तिवारी, पार्षदगण विजय उपाध्याय, मीना देवी पुरोहित, रीता चौधरी, महेश शर्मा, विजय ओझा, मनोज पाराशर सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी दरबार में हाजिरी लगाई। इस महोत्सव के दूसरे दिन मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट स्थित श्री सिद्धिविनायक मंदिर से निकली भव्य विराट निशान यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने रंग विरंगी ध्वजायें लेकर विभिन्न मार्गों का परिभ्रमण करते हुए मंदिर पहुंच कर बाबा श्याम को निशान अर्पित किये। इस तीन दिवसीय महोत्सव के समापन स्वरुप आज आयोजित भजन संध्या में श्री श्याम दासी मंडल (हावड़ा) ने श्याम महिमा की अमृत वर्षा कर श्रद्धालुओं को श्याम नाम की मस्ती में डूबो दिया। आयोजन की सफलता में निशांत शर्मा, संदीप सरावगी, सुरेश सोनालिया, आकाश अग्रवाल, राजेंद्र शर्मा, तारकेश्वर झा, मनोज जायसवाल, धर्मेंद्र राऊत, विकास सराफ, विशाल सराफ, संजय अग्रवाल, विनोद सिंह आदि विशेष रूप से सक्रिय रहे।

अवैध हथियार के साथ एक युवक गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के गोलाबाड़ी थाना क्षेत्र इलाके से अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी युवक का नाम रफाकत हुसैन (27) है। मिली जानकारी के अनुसार, हावड़ा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मंगलवार को हावड़ा फायर स्टेशन के पास बस स्टैंड पर छापेमारी की और रफाकत हुसैन (27) को गिरफ्तार कर लिया। वह सलकिया का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से 1 सिंगल शॉटर और एक 7 मिमी पिस्तौल के साथ 03 राउंड बम बरामद किया है। यह हथियार उसे कहां से मिला इसका पता लगाया जा रहा है। इस मामले की जांच जारी है।

कालीघाट के काकू फिर पड़े बीमार, ईडी मंगलवार को लेने वाली थी हिरासत में

कोलकाता : सुजयकृष्ण भद्र का नाम भर्ती भ्रष्टाचार के कई आरोपियों की जुबान पर चढ़ चुका है। इसके बाद उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्होंने लंबा समय एसएसकेएम अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में बिताया। बाद में उन्हें जेल ले जाया गया।अब सीबीआई उन्हें हिरासत में लेना चाहती है इसलिए उन्हें मंगलवार को कोर्ट में पेश होना था। लेकिन इस दिन सुजयकृष्ण के सीने में फिर से दर्द शुरू हो गया। प्रारंभिक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई ने सुजयकृष्ण के प्रोडक्शन वारंट के लिए आवेदन किया है।वह आवेदन मंजूर कर लिया गया। इसलिए उन्हें मंगलवार को ही कोर्ट रूम में उठाया जाना था लेकिन इसी दिन उनके सीने में फिर से दर्द शुरू हो गया, इसकी जानकारी जेलर ने दी। इसलिए वह इस दिन कोर्ट में पेश नहीं हो सकेंगे। चूंकि कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट मिल चुका था, इसलिए इस दिन उनकी उपस्थिति जरूरी थी। गौरतलब है कि जेल हिरासत में रहने के दौरान सुजयकृष्ण बार-बार बीमार पड़ते थे। जेल में रहने के दौरान उनकी बाइपास सर्जरी भी हुई थी। अब अगर सीबीआई उन्हें हिरासत में लेती है तो वह फिर मुसीबत में फंस सकते हैं। इस बीच, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भर्ती मामले के एक अन्य आरोपी शांतनु को जमानत दे दी।

वृद्ध का शव बरामद

हुगली : जिले के खामारगाछी कमालपुर पंचायत क्षेत्र में 75 वर्षीय निताई घोष का शव घर से बरामद हुआ। वे सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी थे, घर पर अकेले रहते थे। उनका बेटा कोलकाता पुलिस में कार्यरत है व पत्नी बेटे के साथ रहती हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। बालागढ़ पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बरामद किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बामनगाछी में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन

हावड़ा : शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि इसका उद्देश्य छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान और जीवन के अनुभव प्रदान करना भी है यह कहना है विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य समशेर कुमार सिंह का। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बामनगाछी में मंगलवार को भारतीय संग्राहलय में भ्रमण के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को नई जानकारियों और अनुभवों से जोड़ना तथा उनके समग्र विकास में योगदान देना था।

संग्रहालय शिक्षा, संस्कृति और इतिहास का अद्वितीय भंडार होते हैं। भारतीय संग्रहालयों का शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक होता है, बल्कि उन्हें भारत की सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक

घटनाओं और वैज्ञानिक उपलब्धियों से भी परिचित कराता है। इस प्रकार का भ्रमण छात्रों में इतिहास और संस्कृति के प्रति जिज्ञासा को बढ़ावा देता है और उन्हें वास्तविक वस्तुओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर और इतिहास को समझना, छात्रों में पुरातत्व, कला और विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना, कक्षा में पढ़ाए गए विषयों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, छात्रों में जिज्ञासा, विश्लेषणात्मक सोच और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना। प्राचीन मूर्तियों, सिक्कों, पांडुलिपियों और चित्रों का अध्ययन। भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, लोक कला और परंपराओं का ज्ञान पाना। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बामनगाछी में और भी शैक्षणिक भ्रमण की योजना है।

न्यूज इन ब्रीफ

हत्या के मामले में चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

कौशांबी : उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले की एक स्थानीय अदालत ने हत्या के 14 वर्ष पुराने एक मामले में चार आरोपियों को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) धर्मेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि 15 अगस्त 2010 को शांति देवी नाम की महिला ने जिले के करारी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पति हरी लाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। महिला करारी थाना क्षेत्र के लहना गांव की रहने वाली है। उन्होंने बताया कि इस मामले में संबंध में गांव के ही नक्कन, सैयद मोहम्मद शिस्ते असगर, जीशान असगर और तीरथ उर्फ तीरथ लाल के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। मौर्य ने बताया कि अपर जिला न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (एससी/ एसटी अधिनियम) शिरीन जैदी ने उपरोक्त मुकदमे के आरोपियों को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 50000 रुपये का जुर्माना लगाया।

झारखंड में 'दुर्घटनावश गोली चलने' से आईटीबीपी के जवान की मौत

धनबाद (झारखंड) : झारखंड के धनबाद जिले में मंगलवार को 'दुर्घटनावश' गोली चल जाने से उत्तराखंड के रहने वाले भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक जवान की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धनबाद जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर बलियापुर में स्थित बिनोद बिहारी महतो कॉलेज के एक शिविर में घटी। जवान की पहचान संदीप कुमार के रूप में हुई है, जो उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के रहने वाले थे और विधानसभा चुनाव में तैनाती के लिए झारखंड आये थे। पुलिस ने बताया कि कुमार अपनी बटालियन के साथ शिविर में रह रहे थे। शहर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अजीत कुमार ने बताया कि गोलीबारी की आवाज सुनकर संदीप के सहकर्मी उनके कमरे में पहुंचे और उन्हें बेहोश पाया। कुमार की छाती पर गोली लगी थी। उन्होंने बताया कि संदीप को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आंबेडकर ने जो संविधान दिया था उसमें 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे: योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि हमारा सर्वसमावेशी, सर्व हितग्राही संविधान उच्चतम आदर्शों, नागरिक कर्तव्यों एवं अधिकारों की अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहेब ने सबसे पहले संविधान के रूप में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' की आधारशिला रखी। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था, उसमें

'सेक्युलर' (पंथनिरपेक्ष) और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे। वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ दल पर तंज कसते हुए कहा कि संविधान का हर दिन तिरस्कार-अपमान हो रहा है, ऐसे में उत्सव मनाना हमारे सिद्धांतों के खिलाफ है। उत्सव ढोंग नहीं होना चाहिए! बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में रहने वाली खासकर कांग्रेस व भाजपा ने संविधान को इसकी असली जनकल्याणकारी मंशा के हिसाब से लागू नहीं किया, जो अति-दुखद है। संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित समारोह में संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया और संविधान निर्माताओं को नमन किया। योगी के साथ उप्र के दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने उद्देशिका का वाचन किया। मौर्य और पाठक ने भी सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने सबसे पहले संविधान के रूप में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की आधारशिला रखी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंटा है।

उप्र : वरिष्ठ नेता श्यामदेव राय चौधरी के निधन पर योगी, अखिलेश समेत कई नेताओं ने शोक जताया

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी की शहर दक्षिण विधानसभा सीट से लगातार सात बार विधायक रह चुके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता श्याम देव राय चौधरी (85) का मंगलवार की सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि दादा के नाम से मशहूर चौधरी कुछ दिनों से उम्र संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे। चौधरी के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने शोक जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने चौधरी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर कहा, जनसेवा में जीवनपर्यंत समर्पित रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता श्यामदेव राय चौधरी जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। स्नेह भाव से हम सभी उन्हें 'दादा' कहते थे। उन्होंने ना केवल संगठन को सींचने और संवारने में अहम योगदान दिया बल्कि काशी के विकास के लिए भी वे पूरे समर्पण भाव से जुटे रहे। मोदी ने कहा, उनका जाना काशी के साथ-साथ पूरे राजनीतिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों और समर्थकों को संबल प्रदान करे। ओम शांति! मोदी ने पिछले मंगलवार को चौधरी का हालचाल जाना था और मुख्यमंत्री योगी भी अपने वाराणसी दौरे के दौरान चौधरी को देखने अस्पताल गए थे।

केंद्र सरकार में नियुक्ति मात्र से व्यक्ति राज्य सेवा में नौकरी का दावेदार नहीं: उच्च न्यायालय

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक निर्णय में कहा है कि केंद्र सरकार की सेवाओं में नियुक्ति मात्र से व्यक्ति राज्य सरकार की सेवाओं में नौकरी का दावेदार नहीं हो जाता है। विशाल सारस्वत नाम के व्यक्ति द्वारा दायर रिट याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने कहा, दो अलग-अलग सरकारी नियोक्ता का नियुक्ति को लेकर एक उम्मीदवार की योग्यता के संबंध में अलग अलग विचार हो सकते हैं। अदालत ने कहा, एक नियोक्ता, दूसरे नियोक्ता के निर्णय और विवेक से बाध्य नहीं है। राज्य सरकार पर केंद्र सरकार या राज्यसभा सचिवालय द्वारा किए गए निर्णय का यंत्रवत और गुलाम की तरह अनुपालन करने की जिम्मेदारी का बोझ नहीं डाला जा सकता। याचिकाकर्ता को 21 दिसंबर 2020 को राज्यसभा सचिवालय में कार्यकारी अधिकारी के तौर पर अस्थायी नियुक्ति दी गई थी।

अधिकार के साथ ही कर्तव्यों की भी सीख देता है संविधान: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि देश का संविधान हमें अधिकार देने के साथ-साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। शर्मा, मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित 'संविधान दिवस कार्यक्रम' को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की मूल भावना को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं

और नीतियों के माध्यम से संविधान की मूल भावना को साकार किया है। शर्मा ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए कदमों से राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों जिससे समावेशी समाज का निर्माण हो सके। एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान हमें अधिकार देने के साथ ही कर्तव्यों की भी सीख देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश सैंकड़ों सालों की गुलामी सहने के बावजूद मजबूती से खड़ा रहा क्योंकि हमारे पूर्वजों ने अपने कर्तव्यों का निष्ठा के साथ पालन किया।

लक्ष्यराज सिंह ने नामंजूर किया विश्वराज सिंह का महाराणा बनना, महाराणा प्रताप के वंशजों की लड़ाई सड़क पर आई

जयपुर : राजतंत्र चला गया। राजशाही चली गई। राजमहल या तो लक्जरी होटल बन गए या खंडहर बन गए। तब भी राजा हैं। राजसी ठाठ-बाट है। राजतिलक की रस्में निभाई जा रही हैं। बदल चुके भारत में राजा बनना और राजतिलक कराना कितना मुश्किल है, ये बात उदयपुर में राजा विश्वराज सिंह को मेवाड़ राजपरिवार की गद्दी की विरासत संभालते समझ आ गई होगी। 450 साल से चल रही परम्परा के हिसाब से खून से राजतिलक हुआ। गद्दी पर बिठाने की पगड़ी दस्तूर की रस्म हुई। 21 तोपों की सलामी दी गई। मेवाड़ के उत्तराधिकारी घोषित हुए, लेकिन उदयपुर सिटी पैलेस में दाखिल नहीं हो सके। कोई है जिसके लिए विश्वराज सिंह महाराणा के रूप में स्वीकार नहीं हैं।

मेवाड़ रियासत की क्या है लड़ाई?

ये कहानी है राजस्थान के मेवाड़ रियासत की लड़ाई की। उसी मेवाड़ रियासत की जिसके 54वें राजा महाराणा प्रताप हुआ करते थे। हल्दी घाटी में मुगलों से लड़ते हुए महाराणा प्रताप ने जान दे दी थी। भारत के इतिहास में वीर योद्धा का दर्जा हासिल है महाराणा प्रताप को। उन्हीं के वंशज मेवाड़ की खत्म हो चुकी रियासत पर दावा करने के लिए सड़क पर पत्थरों से लड़ रहे हैं।

कैसे हुआ विवाद

जो आशंका थी वही हुआ। मेवाड़ के 77वें महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ के राज्याभिषेक को लेकर भयंकर विवाद शुरू है। राजस्थान में बीजेपी की सरकार है। विश्वराज सिंह राजसमंद के नाथद्वारा सीट से बीजेपी विधायक हैं। उनकी पत्नी महिमा कुमारी बीजेपी सांसद हैं। विश्वराज सिंह के पिता बीजेपी के चितौड़गढ से सांसद भी रहे। फिर भी राजगद्दी की लड़ाई में बार-हार हार रहा है विश्वराज सिंह का परिवार। विश्वराज के पिता महेंद्र सिंह मेवाड़ का निधन इसी महीने 10 तारीख को 83 साल की उम्र में हुआ। उनके बाद बड़े बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़ का राजतिलक हुआ, लेकिन उसी राजतिलक के साथ शुरू हो गया राजपरिवार में नया महायुद्ध।

न्यूज अपडेट

उपचुनाव में अपराधियों, माफियाओं और गुंडों की हार हुई: केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा की नौ सीट पर उपचुनाव में से सात पर समाजवादी पार्टी की हार को मंगलवार को गुंडों, माफियाओं और अपराधियों की हार करार दिया और कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) का सूपड़ा साफ हो रहा है। उपमुख्यमंत्री ने यहां सर्किट हाउस में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, इस चुनाव में सपा की हार नहीं बल्कि अपराधियों, माफियाओं, गुंडों, दंगाइयों, भ्रष्टाचारियों और हत्यारों की हार हुई है। उन्होंने कहा, यह चुनाव कई दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सपा लगातार गुंडागर्दी, माफियागिरी, अपराध को हथियार बनाकर राजनीति करती रही है। इसलिए मैं कहता हूं कि समाजवादी पार्टी का हृदय, दिमाग, लीवर, किडनी यही सारे गुंडे, माफिया, दंगाई, भ्रष्टाचारी हैं।

कोटा में नकली पुलिस बनकर आए तीन लोगों ने घर से लूटे 36 लाख रुपये, रसोइये का किया अपहरण

कोटा : राजस्थान के कोटा शहर में नकली पुलिस बनकर आए तीन लोगों ने एक घर से 36 लाख रुपये लूट लिए और वहां काम कर रहे रसोइये का अपहरण कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार दोपहर गुमानपुरा पुलिस थाने के अंतर्गत क्षेत्र में घटी। अपहरणकर्ताओं ने रसोइये विशाल को देर शाम शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर रावतभाटा रोड पर छोड़ दिया। गुमानपुरा पुलिस थाने के प्रभारी भूरी सिंह ने बताया कि लूट एक किराए के मकान में हुई, जहां एक निजी वित्त कंपनी के कुछ कर्मचारी पिछले पांच-छह महीने से रह रहे थे। नकली पुलिस बनकर आए लोगों ने रसोइये को फर्जी मामले में फंसाने की धमकी दी और कमरे से एक बैग के साथ रसोइये को बंधक के तौर पर कार में ले गए।

ठंड में सड़क के किनारे लावारिस मिली नवजात बच्ची, पुलिस ने बाल देखभाल केंद्र को सौंपा

गोरखपुर (उप्र) : गोरखपुर जिले में मंगलवार सुबह एक नवजात बच्ची सड़क के किनारे लावारिस हालत में मिली। पुलिस ने उसे बाल देखभाल केंद्र को सौंप दिया है। पुलिस अधिकारियों ने यहां बताया कि पिपीगंज-जसवाल मार्ग पर कनापार गांव के पास सड़क किनारे कपड़ों में लिपटी एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली। उनके मुताबिक, ठंड से कांपती बच्ची की रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों का ध्यान गया और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि तड़के करीब चार बजे सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक अजीत यादव और कांस्टेबल नीमा यादव मौके पर पहुंचे। उपनिरीक्षक ने बताया कि बच्ची को थाने ले जाया गया और बाद में बाल देखभाल केंद्र को सौंप दिया गया। केंद्र की केयरटेकर निधि त्रिपाठी ने बच्ची को जिला अस्पताल पहुंचाने में मदद की, जहां डॉक्टरों ने तत्काल इलाज किया। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि ठंड के कारण नवजात को हल्की परेशानी हुई, लेकिन उसकी हालत अब स्थिर है। अजीत यादव ने बताया कि बच्ची की मां की पहचान करने और नवजात को इस हालत में छोड़े जाने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गयी है।

महिला ने दो साल की बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

भदोही (उप्र) : जिले में पति के साथ गुजरात जाने की जिद पूरी नहीं होने पर एक महिला ने मंगलवार को अपनी दो साल की बेटी के साथ कथित रूप से ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऊंज थाना प्रभारी रमाकांत यादव ने बताया कि ऊंज थाने के पीछे रेल की पटरियों पर मंगलवार शाम मुजफ्फरपुर से प्रयागराज जा रही बापू धाम एक्सप्रेस के सामने यह महिला अपनी दो साल की बेटी को गोद में लेकर कूद गई जिससे दोनों की मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया की सुरयावा थाना के दानपुर पश्चिम पट्टी निवासी वीरेंद्र बिन्द सूरत शहर में रहकर काम करता है। वह दीपावली पर घर आया था और त्योहार बीतने के बाद वापस काम पर जाने की तैयारी में था। यादव ने बताया कि उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी (25) अपनी दो साल की बेटी रियांशी को लेकर पति के साथ सूरत में रहना चाहती थी, लेकिन उसके पति ने कहा कि जब वह किराए पर कमरा ले लेगा, तब उसे भी साथ ले चलेगा, मगर उसकी पत्नी साथ में जाने की ज़िद पर अड़ी थी।

छोटे शेर की बेवकूफी

एक जंगल में टसन नाम का एक छोटा शेर रहता था। उस शेर को उस जंगल में रहने वाले छोटे -बड़े जानवरों से काफी अच्छी दोस्ती थी , जिसमें बंदर , हिरण ,कबूतर , खरगोश , चूहा और छोटे-छोटे जानवर उसके दोस्त थे। सभी दोस्त आपस में खूब खेलते थे और मजे करते थे। टसन यू तो छोटा बच्चा था पर वह दिन भर जंगल में घूमते रहता था और नए-नए चीज़ सीखने की कोशिश किया करता था।

एक दिन टसन शेर और उसके दोस्त जंगल में एक छोटी नदी के पास घूम रहे थे। घूमते हुए टसन को नदी के पानी में चमकता हुआ एक चीज नजर आ गया। उसने अपने दोस्तों से पूछा कि यह चमकती हुई चीज क्या है ? तो उसका दोस्त बंदर ने बताया कि यह मछली है जो पानी में ही रहती है।

अब टसन यह जिद करने लगा के मुझे इस मछली के साथ खेलना है। उसके दोस्तों ने बोला कि लेकिन तुम तो शेर हो और यह मछली है जो यह पानी में ही रहती है , हम लोगों के लिए पानी में जाकर मछली के साथ खेलना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन टसन शेर अपनी अपनी जिद पर पड़ ही अड़ गया।

उसने सोचा अगर मेरा कोई भी दोस्त मेरे साथ पानी में उतर कर मछली के साथ नहीं खेलेगा तो मैं अकेला ही पानी में जाऊंगा। उस मछली के साथ खूब खेलूंगा यह कहते हुए टसन शेर ने पानी में छलांग लगा दिया।

जब टसन पानी में कुदा तब उसको एहसास हुआ कि पानी तो काफी ठंडा है और नदी भी काफी गहरी है।

टसन शेर को तैरना भी तो नहीं आता था। टसन पानी में डूबने लगा। उसने जोर-जोर से बचाव- बचाव चिल्लाकर अपने दोस्तों की ओर अपना हाथ हिलाने लगा। शेर पानी में डूब रहा था और चिल्ला रहा था मुझे ' बचाओ' 'मुझे बचाओ।

शेर के सभी दोस्त इधर-उधर घूम रहे थे। कोई भी नदी के पास नहीं था। शेर लगातार बचाओ बचाओ कर चिल्ला रहा था। किसी तरह बंदर ने शेर की आवाज सुन ली। वह बाकी सारे जानवरों को आवाज देकर नदी के किनारे चलने के लिए कहा। बंदर जब नदी किनारे पहुंचा तो देखा कि शेर डूब रहा है अगर जल्दी उसकी मदद ना की जाए तो उसकी जान भी जा सकती है।

बंदर ने हिरण ,कबूतर को कहीं से भी लंबा और पतला पेड़ की डाली तोड़कर लाने को कहा। दोस्तों ने मिलकर किसी तरह से पेड़ से लटकता हुआ रस्सी नुमा लकड़ी को तोड़कर नदी किनारे ले आया। बंदर ने पतले डाली को पानी में डाला और किसी तरह शेर तक ले गया शेर उस पेड़ के तने को पकड़ कर बड़ी मुश्किल से नदी किनारे आ पाया।

शेर को पानी से बाहर आकर आज यह अहसास हुआ की उसके दोस्तों के कारण आज उसकी जान बच गई है। उसने अपने सारे दोस्तों को शुक्रिया और धन्यवाद कहा। उसने कहा अब मैं कभी भी बिना सोचे समझे कोई भी उल्टा काम आगे बढ़कर नहीं करूंगा। तुम सब की बात हमेशा मानूंगा।

उस दिन के बाद शेर और उसके सभी दोस्त एक दूसरे के साथ मिलजुलकर रहने लगे और जंगल में नए-नए खेल खेलते रहे। वे लोग हमेशा एक दूसरे की बातें मानने लगे । शेर को अब यह बात पूरी तरह से समझ में आ गई थी कि हर किसी की अपनी एक खास जगह की जरूरत होती है और दोस्तों की मदद से ही कोई भी मुश्किल से बाहर निकला जा सकता है।

सीख :- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि बिना सोचे समझे कोई भी ऐसा ऐसा काम नहीं करना चाहिए। दोस्तों एवं अपने से बड़े लोगों की बात हमेशा माननी चाहिए।

नीतू और जादुई हार

एक गांव में नीतू नाम की लड़की अपने दादा-दादी के साथ रहा करती थी। नीतू की दादी के पास काफी सुंदर मोतियों का एक हार था। जिसे वह हर खास अवसर पर जरूर पहनती थी। एक दिन की बात है , नीतू ने अपनी दादी से पूछा कि आपको यह हार कहां से मिला है।

वह हार काफी पुराना और सुंदर था। नीतू की दादी ने कहा कि हार के पीछे की कहानी काफी रहस्यमय है। नीतू की दादी ने कहा कि यह एक रहस्य है, एक दिन स्वयं तुम जान जाओगी।

अब नीतू को उस हार की कहानी के पीछे के रहस्य को जानने की तीव्र इच्छा होने लगी थी। उसने दादी से कहा कि वह उस हार के पीछे की कहानी बताएं। एक रात जब घर के सभी सो रहे थे , नीतू चुपके से वह हार निकाल लिया और वह हार को अपने गले में पहन ली। नीतू जैसे ही हार को अपने गले में डाली तभी एक रोशनी से भरा चमकदार दरवाजा उसके सामने अचानक से प्रकट हो गया।

वह दरवाजा धीरे-धीरे खुलता गया। वह दरवाजे के अंदर गयी। दरवाजे से अंदर घुसने के बाद एक सुंदर सा बगीचा था ,जहां बहुत सुंदर- सुंदर फूल और छोटी बड़ी रंगीन तितलियां उड़ रहीं थी। तभी एक परी ने सामने आकर उसका रास्ता रोक लिया। परी ने कहा कि यह हार तुमको कैसे मिला। इस हार को जो भी पहनता है वह इस रहस्यमई दुनिया में चला आता है।

नीतू ने उस परी से कहा कि यह उसकी दादी का हार है। उसने फिर उस परी से पूछा की उसकी दादी को यह हार कैसे मिला। उस परी ने बताया कि एक समय उसकी दादी ने इस परियों की दुनिया को शैतानी ताकत से बचाने में काफी सहायता की थी और परियों की रानी ने खुश होकर तुम्हारी दादी को यह मोतियों का हार उपहार में दिया था।

हार पहनने वाला इंसान रहस्यमई दुनिया में चला आता है। इस हार के रहस्य को किसी को भी ना बताना क्योंकि परियों के इस हार को संभालना किसी के लिए भी आसान नहीं है और नीतू ने यह वादा किया कि वह इस रहस्यमई हार के बारे में किसी को नहीं बताएंगी। नीतू अपने घर वापस लौटकर सुबह होते ही उसने सबसे पहले वह हार अपनी दादी को वापस लौटा दिया।

अब उस हार का रहस्य पता चल चुका था लेकिन वह कभी किसी को भी इस जादू और रहस्य के बारे में और परियों की दुनिया के बारे में कभी कुछ किसी को भी नहीं पता चलने दिया।

रहस्मयी महल

बहुत पुराने ज़माने की एक बात है। बहुत दूर एक छोटा सा गांव हुआ करता था। उस छोटे से गांव में रमन नाम का एक किशोर उम्र का लड़का रहता था। रमन को डरावनी ,रोमांचकारी और रहस्यों से भरी हुई चीजों में काफी ज्यादा दिल-चस्पी रहती थी। एक दिन की बात है , रमन को अपने दादी से पता चला कि इस गांव से कुछ दूरी पर एक पहाड़ी है।

उस पहाड़ी से सटे हुए एक पुराना महलनुमा खंडहर है , खंडहर के बारे में गांव वालों का कहना है कि वहां रात में अजीब -अजीब सी डरावनी आवाज सुनाई देती है। डर से कोई गांव वाले उस खण्हर के आस - पास भी नहीं जातें हैं।

रमन अब खंडहर की उस रहस्यमयी कहानियों में उलझ चूका था। उसने मन ही मन अपना फैसला भी कर लिया था कि वह उस खंडहर के रहस्यों को जानकर ही दम लेगा। उसने अपने दोस्तों से भी उसे रहस्यमई खंडहर के बारे में बात किया तो उसके ज्यादातर दोस्त एकदम से डर गए थे।

कोई भी उसका दोस्त उसके साथ खण्हर के पास जाने को तैयार नहीं हुआ। रमन का सबसे अच्छा दोस्त मोहन उसके साथ उस खंडहर के अंदर चलने के लिए थोड़ा ना -नुकर करने के बाद तैयार हो गया था।

अगले दिन पूर्णिमा की रात थी। रात में दोनों दोस्त चुपचाप बिना किसी को बताएं अपने-अपने घरों से निकल पड़े। चांदनी रात में जब रमन और मोहन उस खंडहर के नजदीक पहुंचे तो दोनों दोस्तों का डर से हालत खराब हो गया। दोनों की दिल की धड़कनें काफी तेज हो गयी थी। खंडहर के आसपास बिल्कुल सन्नाटा था , हवा के चलने की आवाज से कुछ ज्यादा ही डरावना माहौल लग रहा था।

रमन ने अपने दोस्त मोहन का हाथ कसकर पकड़े था और धीरे-धीरे छोटे-छोटे कदम बढ़ाते हुए वह खंडहर के अंदर जाने लगा। जैसे ही रमन खंडहर के मुख्य दरवाजे के पास पहुंचा , दरवाजा खुद व खुद 'चर्र' की आवाज के साथ खुलने लगा। यह देखकर दोनों सहम गए। लेकिन रमन हिम्मत करके दरवाजे के अंदर घुस गया।

रमन ने देखा कि अंदर एक बड़ी सी चीज चमकती हुई कोई चीज दिख रही है। वह उस चीज के नजदीक गया तो देखा कि वह एक बड़ा सा नक्शा था। उस नक्शे पर लाल रंग से कुछ निशान बनाए गए थे और एक रेखा- लाइन भी खींची हुई थी जो खंडहर से होते हुए पास के जंगल की और का रास्ता बता रही थी।

रमन ने वह नक्शा उठा लिया। दोनों दोस्तों ने उस नक़्शे को ध्यान से देखा। वह शायद किसी पुराने खजाने तक पहुंचाने का नक्शा था। रमन और मोहन महल से बाहर निकल कर नक़्शे में बताए हुए रास्ते पर आगे बढ़ने लगे। थोड़ी दूर चलने पर उन्हें रास्ते में एक बड़ा पुराना पेड़ दिखाई दिया।

फिर पेड़ के पास एक पुराना पत्थर रखा हुआ था। ध्यान से देखने पर पत्थर पर कुछ लिखा हुआ नजर आया। उस पत्थर पर लिखा हुआ था की जो भी सच्चा आदमी खोजने निकलेगा वही खजाना पाएगा। रमन और मोहन को लगने लगा कि वे दोनों सही में किसी बहुत बड़े रहस्य की ओर बढ़ रहे हैं।

दोनों दोस्त धीरे-धीरे नक़्शे के अनुसार आगे बढ़ते जा रहे थे। आगे जाकर रास्ता और भी डरावना और रहस्यमय होता जा रहा था। अचानक उन्हें किसी के चलने की आवाज सुनाइ दी। आवाज सुनकर दोनों एकदम से डर गए गए। उन्हें लगा कि कोई उनका पीछा कर रहा है। उन्होंने तुरंत पीछे देखा परंतु पीछे कोई भी नहीं था।

रमन ने फिर नक़्शे की ओर देखा और नक़्शे के अनुसार आगे बढ़ने लगा। थोड़ी दूर चलने के बाद एक छोटा सा गड्ढा नजर आया। इस गड्ढे के नजदीक पहुंचने पर देखा कि गड्ढे में कुछ चमकता हुआ चीज है। रमन ने हिम्मत करके उस गड्ढे में हाथ डाला तो उसके हाथ में कुछ चीज आ गयी। वह पकड़ कर बाहर खिंचा तो कोई चमकता हुआ सिक्का था।

सिक्के को उलट- पलट कर देखने पर पता चला कि वह काफी पुराना सोने का काफी भारी सिक्का था। अब रमन को लगने लगा किया यह रहस्यमई खजाने की शुरुआत है। रमन और मोहन ने अब तय किया कि इस सिक्के को अपने पास रखेगा और खजाने के बाकी चीजों को खोजने में निकलेगा।

अब दोनों दोस्त मिलकर रोज उस खंडहर में जाने लगे और उन्हें नए-नए रहस्यों से सामना होने लगा। दोनों दोस्त काफी समय तक रोमांचक सफर को जारी रखते हुए अंत में दोनों ने ढेर सारा खजाना प्राप्त किया।

न्यूज इन ब्रीफ

दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 343 पर पहुंचा

नयी दिल्ली : दिल्ली की वायु गुणवत्ता मंगलवार को भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हवा के रुख में बदलाव के कारण अगले 24 घंटे में यह 'गंभीर' स्तर पर पहुंच सकती है। मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के 39 निगरानी स्टेशनों में से किसी में भी वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज नहीं की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम चार बजे 343 दर्ज किया गया, जबकि पिछले दिन यह 349 था। 'स्काईमेट वेदर सर्विसेज' के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा कि अगले 24 घंटे में वायु गुणवत्ता और भी खराब हो सकती है और हवा के रुख के कारण यह फिर से गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। स्काईमेट वेदर सर्विसेज के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा कि अगले 24 घंटे में वायु गुणवत्ता खराब हो सकती है।

एनआईए ने संघर्षग्रस्त मणिपुर में हिंसा के तीन हालिया मामलों की जांच शुरू की

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मणिपुर में हाल में हुई हिंसा से संबंधित तीन प्रमुख मामलों की गहन जांच शुरू कर दी है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, एनआईए के दलों ने 21 और 22 नवंबर को घटनास्थलों का दौरा किया और जांच शुरू की। जांच एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एनआईए मणिपुर पुलिस से मामले के दस्तावेज प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। बयान में कहा गया है, केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के निर्देशों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, एनआईए ने मणिपुर में हाल में हुई हिंसा से संबंधित तीन प्रमुख मामलों की गहन जांच शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने अपराध की गंभीरता और संघर्षग्रस्त राज्य में बढ़ती हिंसा को देखते हुए जांच एनआईए को सौंपने का फैसला किया था। इसके बाद क्रूर हमलों के पीछे की बड़ी साजिश का पता लगाने के उद्देश्य से आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने 13 नवंबर को तीन मामलों को नए सिरे से दर्ज किया था।

लालू के खिलाफ जमीन के बदले नौकरी मामले में 30 आरोपियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मिली : सीबीआई

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद से जुड़े कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले से संबंधित एक मामले में 30 आरोपियों पर मुकदमा चलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से प्राप्त आवश्यक मंजूरी मंगलवार को दिल्ली की एक अदालत के समक्ष दाखिल की। सीबीआई ने 20 सितंबर को विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने को सूचित किया था कि उसने मामले में प्रसाद पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी प्राप्त कर ली है। उसने अदालत को बताया कि एक लोक सेवक के खिलाफ मुकदमा चलाने के संबंध में मंजूरी का अब भी इंतजार है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने शेष दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और समय दिये जाने का अनुरोध करते हुए ये दलीलें दीं। न्यायाधीश ने दस्तावेजों को रिकार्ड पर ले लिया और सीबीआई को 23 दिसंबर तक मंजूरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जब अदालत मामले की सुनवाई करेगी।

रामदास आठवले ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस का समर्थन किया

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख सहयोगी दल आरपीआई (ए) के नेता रामदास आठवले ने मंगलवार को महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री पर शीघ्र निर्णय लेने का आह्वान किया और सुझाव दिया कि मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को केंद्रीय मंत्री के रूप में केंद्र में लाया जाना चाहिए। आठवले ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस का समर्थन किया और कहा कि भाजपा ने 288 सदस्यीय विधानसभा में अधिकतम सीट जीती हैं और राज्य में मुख्यमंत्री पद पर उसका अधिकार होना चाहिए।

संविधान है 'मार्गदर्शक', 'राष्ट्र प्रथम' की भावना इसे सदियों तक जीवित रखेगी: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को संविधान को देश के वर्तमान और भविष्य का 'मार्गदर्शक' करार दिया और कहा कि उनकी सरकार ने सामाजिक तथा वित्तीय समानता लाने के लिए कई कल्याणकारी कदम उठाकर संवैधानिक मूल्यों को मजबूत किया है। संविधान दिवस के मौके पर उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने संविधान को एक जीवंत निरंतर प्रवाहमान धारा बताया जो समय-समय पर आपातकाल समेत अन्य चुनौतियों और देश की जरूरतों और उम्मीदों पर खरा उतरा है। उन्होंने 2008 में आज ही के दिन

मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश ने संकल्प किया है कि उसकी सुरक्षा को चुनौती दे रहे सभी आतंकवादी समूहों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने 1949 में संविधान सभा में 26 नवंबर को राजेंद्र प्रसाद के समापन भाषण का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि भारत को आज ईमानदार लोगों के एक समूह से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, जो अपने हितों से आगे देश का हित रखेंगे। मोदी ने कहा, ''राष्ट्र सर्वप्रथम की यही भावना भारत के संविधान को आने वाले कई सदियों तक जीवंत बनाए रखेगी।'' उन्होंने कहा कि विकसित भारत में हर किसी को गुणवत्तापूर्ण और सम्मानजनक जीवन मिले, यह सामाजिक न्याय का बहुत बड़ा माध्यम है और संविधान की भावना भी।

सरकार के प्रत्येक अंग को संविधान से प्रदत्त अपनी भूमिका का सम्मान करना चाहिए: प्रधान न्यायाधीश खन्ना

नयी दिल्ली : प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि सरकार के तीनों अंग को अंतर-संस्थागत संतुलन को बढ़ावा देकर संविधान प्रदत्त अपनी भूमिका का सम्मान करना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 75वें संविधान दिवस समारोह में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सरकार के तीनों अंग (कार्यपालिका, विधायिक और न्यायपालिका) एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''संविधान ने न्यायपालिका को चुनावी प्रक्रिया के उतार-चढ़ाव से अलग रखा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्णय निष्पक्ष और दुर्भावना से मुक्त हो तथा पूरी तरह संविधान और कानून द्वारा निर्देशित हो।''

आरेडिका में संविधान दिवस पर किया उद्देशिका का पाठ

बरेली : भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आरेडिका में संविधान दिवस मनाया गया जिसमें आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ संविधान की ''उद्देशिका'' का पाठ किया गया तथा आरेडिका के सभी विभागों के कर्मचारियों ने अपने विभाग से संबंधित उपविभागाध्यक्षों के ने नेतृत्व में अपने कार्यस्थल पर ही संविधान की ''उद्देशिका'' का पाठ किया। ज्ञात हो कि आज के दिन 26 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को संविधान सभा द्वारा अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया गया था और इसके कुछ उपबंधों को तत्काल प्रभाव से इसी दिन से लागू कर दिया गया तथा 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान पूर्ण रूप से लागू हुआ। सभी प्रधान विभागाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों ने संविधान की ''उद्देशिका'' का पाठ किया।

रेलवे बोर्ड में संविधान दिवस समारोह का आयोजन

नई दिल्ली : भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया। इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड की वित्त सदस्य रूपा श्रीनिवासन, सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) रविंद्र गोयल, सदस्य (इंफ्रा) नवीन गुलाटी, और रेलवे बोर्ड की सचिव अरुणा नायर सहित रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। संविधान दिवस का उद्देश्य संविधान के मूल्यों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा, संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। यह हमें समावेशी विकास और न्याय सुनिश्चित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कर्मचारियों को संविधान के सिद्धांतों को अपने कार्य और जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

चार राज्यों में राज्यसभा की छह सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को चार राज्यों में राज्यसभा की रिक्त छह सीट के लिए 20 दिसंबर को उपचुनाव कराने की घोषणा की है। आंध्र प्रदेश में तीन रिक्तियां तब पैदा हुई थीं, जब वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य वेंकटरमण राव मोपीदेवी, बीड़ा मस्तान राव यादव और रयागा कृष्णैया ने अगस्त में उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में यादव और कृष्णैया का कार्यकाल 21 जून, 2028 को समाप्त होना था, जबकि मोपीदेवी को 21 जून, 2026 को सेवानिवृत्त होना था। ओडिशा में एक रिक्ति तब हुई, जब सुजीत कुमार ने अपनी सीट छोड़ दी। इसके बाद उन्हें बीजू जनता दल द्वारा निष्कासित कर दिया गया था। उनका कार्यकाल 2 अप्रैल, 2026 को समाप्त होना था। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के बाद अप्रैल में इस्तीफा दे दिया था। वह अप्रैल 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कृष्ण लाल पंवार ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में विधायक चुने जाने के बाद हरियाणा से राज्यसभा की अपनी सीट छोड़ दी थी।

सोरेन ने प्रधानमंत्री मोदी, अन्य नेताओं से मुलाकात की, उन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया

नयी दिल्ली/रांची : झारखंड के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन के अभूतपूर्व ढंग से लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के बाद राष्ट्रीय राजधानी की उनकी यह पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोरेन और मोदी के बीच मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वाम दलों वाले 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करते हुए भाजपा-नीत गठबंधन पर बड़ी जीत हासिल की। सोरेन ने 'एक्स'

पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को बृहस्पतिवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मुलाकात कर उन्हें 28 नवंबर को 'अबुआ सरकार' (हमारी सरकार) के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।'' सोरेन ने नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अलावा आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल एवं उनकी पत्नी से भी मुलाकात की तथा उन्हें अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

राहुल, प्रियंका वायनाड के प्रति केंद्र की उपेक्षा के खिलाफ संसद में विरोध करेंगे : कांग्रेस

वायनाड/नयी दिल्ली : कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि वायनाड में भूस्खलन से बचे लोगों के लिए केंद्रीय सहायता की कथित कमी के खिलाफ वह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा के नेतृत्व में संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह प्रदर्शन करेगी। पार्टी नेता और कलपेट्टा विधायक टी सिद्दीकी ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में केंद्र की कथित अनिच्छा को 'अमानवीय' दृष्टिकोण बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के अलावा स्थानीय विधायक के रूप में खुद उन्होंने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें त्रासदी के तुरंत बाद उनकी यात्रा के दौरान भूस्खलन से बचे लोगों के राहत और पुनर्वास के लिए सहायता की मांग की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि प्रधानमंत्री ने पूर्ण समर्थन का वादा किया था, लेकिन मोदी या उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उस आश्वासन के संबंध में एक प्रतिशत भी न्याय नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''यह उन लोगों के प्रति एक अमानवीय दृष्टिकोण है जिन्होंने इतनी बड़ी त्रासदी झेली है।''

व्यायालय ने मुफ्त की सुविधाएं उपलब्ध कराने संबंधी परेशानियों पर चिंता जताई; कहा, ''कोविड का समय अलग था''

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मुफ्त की सुविधाएं उपलब्ध कराने संबंधी परेशानियों पर चिंता जताते हुए मंगलवार को कहा कि कोविड-19 का समय अलग था, जब संकटग्रस्त प्रवासी श्रमिकों को राहत प्रदान की गई थी। न्यायालय ने 29 जून, 2021 को एक फैसले और उसके बाद के आदेशों में अधिकारियों को कई निर्देश दिये थे जिनमें उन्हें कल्याणकारी उपाय करने के लिए कहा गया था। इनमें 'ई-श्रम' पोर्टल पर पंजीकृत सभी प्रवासी श्रमिकों का राशन कार्ड बनाना शामिल है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान प्रभावित हुए थे। यह पोर्टल असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस है जिसे केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था। इसका प्राथमिक उद्देश्य देशभर में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कल्याणकारी लाभ और सामाजिक सुरक्षा उपायों के वितरण को सुविधाजनक बनाना है।

आरबीआई गवर्नर दास को एसिडिटी की शिकायत, अस्पताल से छुट्टी मिली

चेन्नई/ मुंबई : एसिडिटी से जुड़ी शिकायत के चलते बीती रात चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास को मंगलवार को छुट्टी दे दी गई। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रवक्ता ने बताया कि दास अब ठीक हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दास को सोमवार रात एसिडिटी से जुड़ी समस्या होने के बाद निगरानी के लिए चेन्नई के अपोलो हॉस्पिटल्स में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने दिन में अपने स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा कि आरबीआई गवर्नर की सेहत को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। दास का आरबीआई गवर्नर के तौर पर मौजूदा कार्यकाल अगले महीने खत्म हो रहा है। उन्होंने 12 दिसंबर, 2018 को तीन साल की अवधि के लिए आरबीआई के 25वें गवर्नर के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उन्हें 2021 में तीन साल का एक और कार्यकाल विस्तार दिया गया था। वित्त मंत्रालय में राजस्व और आर्थिक मामलों के विभाग के पूर्व सचिव दास ने अपने 38 वर्षों से अधिक के अनुभव में केंद्र और राज्य सरकारों में वित्त, कराधान, उद्योग और बुनियादी ढांचा विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

महाप्रबंधक ने कराया संविधान की प्रस्तावना का वाचन

जबलपुर : पूरे भारत वर्ष में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेल के तीनों मण्डलों एवं दोनों कारखानों में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेल श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय द्वारा मुख्यालय के कार्यालय परिसर में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित अपर महाप्रबंधक श्री आर एस सक्सेना, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभात, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, सचिव महाप्रबंधक श्री राहुल जयपुरियार एवं अन्य अधिकारी एवं रेल कर्मियों ने संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए दोहराया कि हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

भारत की 'प्राण शक्ति' बहुत से लोगों को दिखाई नहीं देती: आरएसएस प्रमुख

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास अपनी प्राण शक्ति है, लेकिन यह कई लोगों को दिखाई नहीं देती क्योंकि उनकी चेतना में 500 साल पुराने संस्कार गहराई से समाए हुए हैं। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि यह भारत की प्राण शक्ति है जो दुनिया के किसी भी हिस्से में संकट आने पर मदद के लिए आगे आती है, बिना यह विचार किए कि जिस देश को संकट का सामना करना पड़ रहा है, वह दोस्त है या शत्रु। उन्होंने कहा, ''भारत में प्राण शक्ति है जो हमारी आंखों के सामने है लेकिन यह दिखाई नहीं देती क्योंकि 500 वर्षों के संस्कार हमारे अंदर गहराई से समाए हुए हैं।'' उन्होंने लोगों से अपनी और देश की प्राण शक्ति को प्राप्त करने के लिए भारतीय आध्यात्मिक प्रथाओं का अनुसरण करने का आह्वान किया। उन्होंने इस वर्ष 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा, भारत की प्राण शक्ति आम आदमी में और छोटी-छोटी चीजों में प्रकट होती है।

राहुल गांधी का निर्वाचन रद्द करने के अभ्यावेदन पर अपने निर्णय से अवगत कराये केंद्र : उच्च न्यायालय

लखनऊ : इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का संसदीय निर्वाचन रद्द करने के लिये उसके (केंद्र के) समक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर एक अभ्यावेदन पर लिए गए निर्णय से अदालत को अवगत कराये। न्यायमूर्ति ए.आर. मसूदी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर इस साल हुए लोकसभा चुनाव में रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने के दौरान अपनी

'ब्रिटिश नागरिकता' छुपाने का आरोप लगाते हुए उनका निर्वाचन रद्द करने का आग्रह किया गया है। पीठ ने कहा कि शिशिर द्वारा इस सिलसिले में केन्द्र को जो अभ्यावेदन भेजा गया है उस पर सरकार ने जो भी निर्णय लिया है, उसे 19 दिसंबर को मामले की अगली सुनवाई के दौरान इस अदालत को बताया जाए। पीठ ने याचिका पर पिछली बार सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से जानकारी मांगी थी कि क्या उसे याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है। इस आदेश के अनुपालन में उप सॉलिसिटर जनरल एस.बी. पांडे ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन संबंधित मंत्रालय को प्राप्त हो गया है और वर्तमान में वह प्रक्रियाधीन है। जनहित याचिका में दलील दी गयी है कि याची के पास ब्रिटिश सरकार के सम्बन्धित सभी दस्तावेज और कुछ ईमेल हैं, जो साबित करते हैं कि राहुल गांधी ब्रिटिश नागरिक हैं और इस वजह से वह भारत में चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। ऐसे में वह लोकसभा सदस्य का पद नहीं संभाल सकते।

छत्तीसगढ़ : मालगाड़ी पटरी से उतरी, यातायात बाधित

बिलासपुर : छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेल मंडल में एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण यातायात बाधित हुआ है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत बिलासपुर-कटनी रेलखंड पर खोंगसरा और भनवारटंक स्टेशनों के बीच सुबह 11.11 बजे एक मालगाड़ी अप लाइन में पटरी से उतर गई। उन्होंने बताया कि कोयले से भरी मालगाड़ी बिलासपुर से कटनी की ओर रवाना हुई थी और खोंगसरा तथा भनवारटंक स्टेशनों के बीच उसके लगभग 20 डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद रेल विभाग का दल घटनास्थल पर पहुंच गया और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पर्यवेक्षी भूमिका वाले रेल कर्मियों के करियर ठहराव का अध्ययन करने के लिए समिति गठित

नयी दिल्ली : रेलवे बोर्ड ने विभिन्न विभागों में पर्यवेक्षी भूमिका वाले कर्मचारियों के करियर में ठहराव के मुद्दे की समीक्षा करने और उनकी पदोन्नति की संभावनाओं में सुधार के तौर-तरीके सुझाने के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह मामला ग्रेड वेतन स्तर एल-सात और एल-आठ के तहत समूह सी श्रेणियों में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता, कनिष्ठ अभियंता इंजीनियर, मुख्य मंडल नियंत्रक, यातायात निरीक्षक और स्टेशन प्रबंधक सहित अन्य पदों से संबंधित है। समिति को छह सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी है। 20 नवंबर, 2024 को बोर्ड के एक आदेश में कहा गया, ''रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने पर्यवेक्षी श्रेणियों से संबंधित मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया है। समिति के काम के दायरे को रेखांकित करते हुए आदेश में कहा गया है कि यह ''एल-सात स्तर पर करियर ठहराव के मुद्दे का अध्ययन करेगी और सभी पर्यवेक्षी श्रेणियों के लिए पदोन्नति की संभावनाओं में सुधार के तौर-तरीकों का सुझाव देगी।'' इसके अलावा समिति निहितार्थों का अध्ययन करेगी और लेवल-आठ में अपग्रेड किए गए पर्यवेक्षकों को समूह बी का दर्जा देने के तौर-तरीके सुझाएगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पदों का वर्गीकरण विभिन्न ग्रेड वेतनमानों पर आधारित है और जहां तक समूह ए पदों (ग्रेड पे ग्रेड 6600 रुपये और उससे ऊपर 10 से 18 के स्तर पर) का सवाल है, रेल मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के वर्गीकरण का पालन करता है जो अन्य मंत्रालयों और सरकारी विभागों में लागू है। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, ''समस्या समूह बी और समूह सी के कर्मचारियों के लिए आती है जो 4200 रुपये से 5400 रुपये के ग्रेड वेतन में हैं जोकि 'डीओपीटी' के वर्गीकरण के अनुरूप नहीं है। उन्होंने आगे कहा, ''उदाहरण के लिए, एक मुख्य मंडल नियंत्रक, जिसका ग्रेड वेतन 5400 रुपये है, गैर-राजपत्रित समूह सी श्रेणी के अंतर्गत आता है, जबकि अन्य सरकारी विभागों में समान ग्रेड का वेतन एक कर्मचारी को राजपत्रित समूह बी श्रेणी का हकदार बनाता है, जिससे वह अधिक लाभ और सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकता है। यहां तक कि 4200 रुपये और उससे अधिक का ग्रेड वेतन भी राज्य और कुछ केंद्र सरकार के विभागों में राजपत्रित समूह बी श्रेणी के अंतर्गत आता है।'' पदों के वर्गीकरण के अलावा, करियर में ठहराव एक और मुद्दा है जिसका सामना समूह बी और समूह सी श्रेणियों के कुछ रेलवे कर्मचारियों की पदोन्नति की गुंजाइश न होने के कारण करना पड़ता है।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश, गहरा दबाव क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका

चेन्नई : तमिलनाडु के कई इलाकों में मंगलवार को भारी बारिश होने के साथ ही, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव क्षेत्र और अधिक गहरे दबाव क्षेत्र में तब्दील हो गया है तथा 27 नवंबर को यह चक्रवात में तब्दील हो सकता है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने एहतियाती उपायों की समीक्षा के लिए यहां सचिवालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। हालात से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य की टीम को तिरुवरुर, मयिलादुथुराई, नागपत्तनम और कुड्डालोर जिलों के लिए रवाना किया गया है। चेन्नई

और आसपास के जिले चेंगलपेट, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर, उत्तरी तटीय शहर कुड्डालोर और नागपत्तनम सहित कावेरी डेल्टा क्षेत्र उन स्थानों में शामिल हैं जहां बारिश हुई। इन इलाकों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई। बारिश के कारण चेन्नई के ओएमआर रोड समेत कई इलाकों में भारी यातायात जाम देखने को मिला और सड़कों पर पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हुआ। साथ ही चेन्नई आ रहीं सात उड़ानों के उतरने में देरी हुई। सरकारी सहकारी कंपनी आविन ने कहा कि उसने लोगों को निर्बाध दूध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए हैं और यहां उसके आठ पार्लर चौबीस घंटे खुले रहेंगे। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शहरी इलाकों का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को रखरखाव कार्य जारी रखने की सलाह दी ताकि जलभराव को रोका जा सके। रखरखाव के तहत नहरों से गाद निकालने का काम जारी है। आईएमडी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव मंगलवार को गहरे दबाव में बदल गया और इसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।

आईपीएल मेगा नीलामी में मुंबई इंडियन्स का ध्यान गेंदबाजी संयोजन सही बनाने पर था: अंबानी

मुंबई : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी में अपने गेंदबाजी संयोजन को ठीक करने की रणनीति से उतरी मुंबई इंडियन्स (एमआई) के मालिक आकाश अंबानी ने कहा कि पांच बार की चैम्पियन टीम बायें हाथ के दो विदेशी तेज गेंदबाजों और दो विदेशी स्पिनरों को अपने साथ जोड़कर उत्साहित है। मुंबई इंडियन्स न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को वापस अपने पाले में लाने में सफल रही। इसके साथ ही उसने इंग्लैंड के बाएं हाथ के गेंदबाज रीस टॉपले, भारत के दीपक चाहर और अफगानिस्तान के युवा गेंदबाज अल्लाह गजांफर के साथ-साथ न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला मिचेल सेंटनर को टीम में शामिल किया। अंबानी ने जियो सिनेमा से कहा, 'बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष सात स्थान में से हमारे चार स्थान पहले से ही तय थे हमें इस मामले में कुछ ही खिलाड़ियों (बल्लेबाजों) की जरूरत थी।'

राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन के कारण श्रीलंका ए टीम पाकिस्तान दौरा बीच में छोड़ेगी

कराची : श्रीलंका की 'ए' टीम इस्लामाबाद में राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान शाहीन (ए टीम) के खिलाफ चल रही श्रृंखला के बीच से ही स्वदेश लौट जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को पुष्टि की कि श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ सलाह-मशविरे के बाद उसने पाकिस्तान शाहीन और श्रीलंका ए के बीच होने वाले आखिरी दो 50 ओवर के मैच को स्थगित कर दिया है। स्थगित किए गए मैच बुधवार और शुक्रवार को रावलपिंडी में खेले जाने थे। पाकिस्तान शाहीन ने सोमवार को इस्लामाबाद में पहले मैच में मेहमान टीम को 108 रन से हराया था। पीसीबी ने कहा कि दोनों बोर्ड श्रृंखला को पूरा करने के लिए नई तारीखों को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करेंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान और प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने रविवार से मुख्य इस्लामाबाद की ओर विरोध मार्च शुरू किया। प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा सुरक्षा बलों के बीच झड़प और हिंसा की घटनाएं हुई हैं। संघीय गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घोषणा की थी कि स्थिति को शांत करने के लिए सेना को बुलाया गया है।

आईपीएल मेगा ऑक्शन हुआ खत्म, 10 टीमों ने खर्च किए 639.15 करोड़

नयी दिल्ली : क्रिकेट के व्यावसायिक पहलू को नया आयाम देने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने एक बार फिर से अपना स्तर ऊंचा किया जहां इसकी नीलामी में ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर के लिए रिकॉर्ड रकम की बोली लगी तो वहीं 13 साल के वैभव सूर्यवंशी भी करोड़पति बनने में सफल रहे। मेगा नीलामी का आयोजन सऊदी अरब के जेद्दा में किया गया जिसने लीग की वैश्विक पहुंच को और बढ़ाया। इस दो दिवसीय आयोजन में 182 खिलाड़ियों के लिए सफल बोली लगी। आईपीएल की इस यादगार नीलामी के बाद सभी टीमों का विश्लेषण इस प्रकार है।

दिल्ली कैपिटल्स : दिल्ली कैपिटल्स ने आश्चर्यजनक रूप से अपने सबसे अहम खिलाड़ी पंत को जाने दिया था। उसने अक्षर पटेल, ट्रिस्टन स्टब्स, कुलदीप यादव और अभिषेक पोरेल को रिटेन (टीम में बरकरार रखना) करने के बाद नीलामी में 19 खिलाड़ियों को खरीदा। टीम से सबसे बड़ी रकम लोकेश राहुल के लिए 14 करोड़ रुपये खर्च किये जबकि जैक फ्रेजर मैकगर्क को आरटीएम का इस्तेमाल कर नौ करोड़ रुपये में टीम से जोड़ा। यह दोनों खिलाड़ी पारी का आगाज कर सकते हैं। राहुल की प्रतिभा पर किसी को शक नहीं है लेकिन उनका स्ट्राइक रेट सवालों के घेरे में रहा है। यह देखना बाकी है कि क्या वह फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगे। टीम के मध्यक्रम में कई अच्छे खिलाड़ी है तो वहीं मिशेल स्टार्क और टी नटराजन के आने से तेज गेंदबाजी को मजबूती मिली है। अक्षर और कुलदीप की मौजूदगी से टीम का स्पिन विभाग मजबूत है।

मुंबई इंडियन्स- रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा को रिटेन करने पर 75 करोड़ रुपये खर्च करने वाली टीम नीलामी में सबसे कम 45 करोड़ रुपये के साथ पहुंची। टीम ने नीलामी में अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने पर ध्यान दिया। उनकी सबसे बड़ी खरीदारी न्यूजीलैंड के अनुभवी ट्रेंट बोल्ट (12.5 करोड़) और दीपक चाहर (9.25 करोड़ रुपये) रहे। टिम डेविड के जाने की भरपाई के लिए टीम ने इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स के लिए सफल बोली लगायी। टीम ईशान किशन को बरकरार नहीं रख पायी ऐसे में रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स : लखनऊ सुपर जायंट्स ने निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, मोहसिन खान और आयुष बडोनी को बरकरार रखने के बाद नीलामी में 19 खिलाड़ियों को खरीदा। टीम ने ऋषभ पंत के लिए 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बोली लगाई, जो फ्रेंचाइजी की कप्तानी के लिए तैयार हैं। पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। फ्रेंचाइजी नेअवेश खान (9.75 करोड़ रुपये) और आकाश दीप (8 करोड़ रुपये) के लिए बड़ी रकम खर्च कर अपनी तेज गेंदबाजी को मजबूत किया। मिशेल मार्श और एडेन मार्क्रम की संभावित सलामी जोड़ी ज्यादा प्रभावी नहीं दिखती है जिससे पंत और पूरन पर अधिक जिम्मेदारी होगी। मोहसिन और मयंक जैसे गेंदबाज अगर 14 मैचों तब अपनी फिटनेस बनाये रखते है तो इससे टीम को मजबूती मिलेगी।

राजस्थान रॉयल्स : रॉयल्स ने नीलामी में 14 खिलाड़ियों को खरीदा। उसने छह खिलाड़ियों को रिटेन भी किया था। रिटेन किए गए खिलाड़ियों में पांच बल्लेबाज और संदीप शर्मा के रूप में केवल एक गेंदबाज शामिल था, ऐसे में टीम का ध्यान गेंदबाजी को मजबूती देने पर था। उन्होंने जोफ्रा आर्चर के लिए 12.5 करोड़ रुपये की बोली लगाई लेकिन इस गेंदबाज की फिटनेस हमेशा सवालों के घेरे में रहा है। युजवेंद्र चहल और आर अश्विन जैसे गेंदबाजों की कमी को श्रीलंका के महेश तीक्षाना और वानिंदु हसरंगा कितना पूरा कर पाते है यह देखना होगा। इसके अलावा सुर्खियों में बिहार के 13 वर्षीय बल्लेबाज सूर्यवंशी भी होंगे। महज 12 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने वाले इस खिलाड़ी को अगर आगामी सत्र में मौका मिलता है तो वह इस लीग के सबसे कम उम्र वाले खिलाड़ी बन जायेंगे।

पंजाब किंग्स : केवल दो अनकैप्ड (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को रिटेन करने के बाद पंजाब किंग्स की फ्रेंचाइजी सबसे बड़ी रकम के साथ नीलामी में पहुंची थी। टीम ने 23 खिलाड़ियों के लिए सफल बोली लगाई जिसमें सबसे बड़ी रकम आईपीएल विजेता कप्तान श्रेयस अय्यर के नाम रही। टीम ने अय्यर के लिए 26.75 करोड़ रुपये खर्च किये और पूरी संभावना है कि वह टीम का नेतृत्व करेंगे। आईपीएल की शुरुआत के बाद से लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले पंजाब को किस्मत में बदलाव के लिए नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग पर भरोसा है। अर्शदीप सिंह के अलावा टीम के पास अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज नहीं है, जिससे न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन और ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और मार्कोयानसन का बोझ बढ़ेगा। स्पिन की जिम्मेदारी चहल और हरप्रीत बरार संभालेंगे। दिल्ली के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य को भी पंजाब किंग्स से बड़ी रकम मिली है।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) : केकेआर ने नीलामी में 15 खिलाड़ियों को खरीदा और वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि पर खरीदा। पिछले सत्र में बल्ले के साथ उनके अति आक्रामक रवैये से टीम को फायदा हुआ जब उसने अपना तीसरा खिताब जीता। केकेआर ने पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि श्रेयस के अप्रत्याशित रूप से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी कौन करता है। केकेआर अगर किसी भारतीय को नेतृत्व की बागडोर सौंपता है तो वेंकटेश संभावित कप्तान हो सकते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) : केकेआर की तरह एसआरएच ने भी पिछले सत्र में दमखम दिखाने वाले अभिषेक शर्मा, पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, नितीश रेड्डी और हेनरिक क्लासेन सहित अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा। कमिंस की अगुवाई वाली टीम उन खिलाड़ियों को अच्छी कीमत पर हासिल करने में सफल रही जिन्हें वे चाहते थे। उनमें ईशान किशन (11.25 करोड़ रुपये), मोहम्मद शमी (10 करोड़ रुपये), हर्षल पटेल (आठ करोड़ रुपये) और एडम जंपा (2.40 करोड़ रुपये) शामिल है। उनके पास भारतीय तेज गेंदबाजों के लिए अच्छा बैकअप भी है और जंपा के साथ राहुल चाहर एक और प्रभावी लेग-स्पिन विकल्प हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) : आरसीबी ने तीन खिलाड़ियों (विराट कोहली, यश दयाल और रजत पाटीदार) को बरकरार रखा। जिससे नीलामी में उनके पास अच्छी रकम थी। पिछले कुछ वर्षों में तेज गेंदबाजी आरसीबी के लिए कमजोर कड़ी रही है और उन्होंने जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार को टीम से जोड़कर इसे ठीक करने की कोशिश की है। टीम ने लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल और फिलिप साल्ट जैसे इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर भरोसा जताया। कोहली एक बार फिर से टीम की अगुवाई करते दिख सकते है।

गुजरात टाइटंस : पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने के बाद गुजरात ने 20 खिलाड़ियों को खरीदा। इस खरीदारी में कैगिसो रबाडा, गेराल्ड कोएत्जी, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा और प्रसिद्ध कृष्णा सहित कई तेज गेंदबाज शामिल रहे। टीम के शीर्ष क्रम को जोस बटलर के आने से मजबूती मिलेगी। वह कप्तान शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत कर सकते है। मध्यक्रम टीम की कमजोर कड़ी है जिससे राहुल तेवतिया और शाहरुख खान जैसे रिटेने किये बल्लेबाजों पर जिम्मेदारी बढ़ेगी।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) : चेन्नई की टीम ने नीलामी में अपने पुराने खिलाड़ियों को बरकरार रखने पर ध्यान दिया। टीम ने डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र को क्रमशः 6.25 करोड़ रुपये और चार करोड़ रुपये में खरीदा तो वहीं सैम कुरेन (2.40 करोड़ रुपये) और राहुल त्रिपाठी (3.40 करोड़ रुपये) के लिए ज्यादा रकम नहीं खर्च करनी पड़ी। नूर अहमद (10 करोड़) और अनुभवी रविचंद्रन अश्विन (9.75) जैसे स्पिनरों के लिए टीम ने रकम खर्च करने में संकोच नहीं किया। तेज गेंदबाजी टीम की कमजोर कड़ी दिख रही है जहां ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और खलील अहमद को अहम भूमिका निभानी होगी।

न्यूज अपडेट

आईपीएल नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद कमियों को दूर करना होगा पृथ्वी साव को

नयी दिल्ली : भारतीय बल्लेबाजी पृथ्वी साव दो दिन पहले एक यूट्यूब व्लॉग पर दिखाई दिए जहां उन्होंने सचिन तेंदुलकर से मिली सबसे अच्छी एक पंक्ति की सलाह के बारे में बात की। पच्चीस वर्षीय पृथ्वी ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर करण सोनावणे को उनके यूट्यूब चैनल 'फोकस्ड इंडियन' पर बताया कि इस महान बल्लेबाज ने उन्हें सलाह दी थी कि 'अनुशासन प्रतिभा को मात देता है'। पृथ्वी के लिए सोमवार का दिन मुश्किल रहा होगा क्योंकि जेद्दा में आईपीएल की बड़ी नीलामी में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। भारत की 2018 अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पृथ्वी को भारतीय क्रिकेट के अगले स्टार के रूप में देखा जा रहा था और छह सत्र पहले टेस्ट पदार्पण पर शतक लगाने के बाद उनसे उम्मीदें बढ़ गई थीं। शायद अब वह समय आ गया है जब उन्हें तेंदुलकर की सलाह को महज शब्दों तक सीमित नहीं रहने देना चाहिए और उस पर अमल करना चाहिए। नीलामी में दो बार उनका नाम आया और 75 लाख रुपये के आधार मूल्य के बावजूद उनके लिए एक भी बोली नहीं लगी। एक टेबल पर सौरव गांगुली थे, दूसरी पर राहुल द्रविड़। आशीष नेहरा, पार्थिव पटेल, जस्टिन लैंगर, रिकी पोंटिंग, स्टीफन फ्लेमिंग और डेनियल विटोरी भी बोली लगाने के लिए सलाल दे रहे थे लेकिन पृथ्वी में किसी की भी दिलचस्पी नहीं थी। छह साल लंबा समय है और आईपीएल में नहीं बिकने के बाद पृथ्वी अब दोहरे पर खड़े हैं। पृथ्वी को करीब से देखने वाले एक पूर्व भारतीय चयनकर्ता ने पीटीआई से कहा, 'पृथ्वी दिल्ली कैपिटल्स में रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स में ही उन्हें अपने अंडर-19 भारतीय कोच राहुल द्रविड़, रिकी पोंटिंग, सौरव गांगुली से बातचीत करने का मौका मिला था।' उन्होंने कहा, 'मुंबई क्रिकेट में भी यह सभी को पता है कि तेंदुलकर ने भी उनसे बात की है। क्या ये दिग्गज मूर्ख हैं? क्या आपको उसमें कोई बदलाव दिखता है? अगर दिखता भी है तो वह स्पष्ट नहीं है।' भारतीय क्रिकेट में एक कहावत है कि धारणा प्रकाश से भी तेज चलती है और पृथ्वी के मामले में किसी भी तरफ से कोई सकारात्मक बात नहीं आ रही है। यहां तक कि मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने उन्हें अनफिट होने के कारण रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया और फिर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए वापस बुला लिया। भारतीय क्रिकेट जगत में अगर किसी की कार्यशैली के बारे में बात जंगल में आग की तरह फैलती है तो लोग उस क्रिकेटर से जुड़ना नहीं

पंजाब एफसी ने मुंबई सिटी को 3-0 से हराया

मुंबई : पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल फुटबॉल में मंगलवार को यहां अपने खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने के मुंबई सिटी एफसी के अरमानों पर पानी फेरते हुए 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। पंजाब की जीत में पुल्गा विडाल, कप्तान लुका माजसेन और ने मुशागा बकेंगा ने गोल कर योगदान दिया। पंजाब एफसी के लेफ्ट-बैक अभिषेक मीतेई को मजबूत डिफेंडिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

चैंपियन्स ट्रॉफी कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए 29 नवंबर को बैठक करेगा आईसीसी बोर्ड

दुबई : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का बोर्ड अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए 29 नवंबर को वर्चुअल (ऑनलाइन) बैठक करेगा। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित करने में काफी विलंब हो चुका है। देरी का कारण भारत द्वारा दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना है। भारत ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चाहता है कि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जाए जिसमें भारत के मुकाबले किसी तीसरे देश में आयोजित किए जाएं।

भारत में 2030 तक 5जी ग्राहकों की संख्या तीन गुना होने की उम्मीद : रिपोर्ट

नयी दिल्ली : दूरसंचार उपकरण बनाने वाली दिग्गज कंपनी एरिक्सन ने मंगलवार को कहा कि भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या वर्ष 2030 तक तीन गुना होकर 97 करोड़ पर पहुंचने की उम्मीद है, जो कुल मोबाइल ग्राहक आधार का 74 प्रतिशत होगा। एरिक्सन कंज्यूमरलैब की इस शोध रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। इसके मुताबिक, रचनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनरेटिव एआई) से जुड़े अनुप्रयोग 5जी प्रदर्शन के प्रमुख प्रेरक के तौर पर उभर रहे हैं। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या 2024 के अंत तक 27 करोड़ से अधिक हो जाएगी जो देश में कुल मोबाइल ग्राहकों का 23 प्रतिशत होगा। एरिक्सन के नेटवर्क समाधान, सॉफ्टवेयर और प्रदर्शन खंड के दक्षिण-पूर्व एशिया, ओशनिया और भारत क्षेत्र के प्रमुख उमंग जिंदल ने कहा, '2030 के अंत तक भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या लगभग 97 करोड़ तक पहुंच जाने की उम्मीद है। यह कुल मोबाइल ग्राहकों का 74 प्रतिशत है।' रिपोर्ट कहती है कि साल 2024 के अंत तक वैश्विक 5जी सदस्यता लगभग 2.3 अरब हो जाने का अनुमान है जो कुल मोबाइल ग्राहकों का 25 प्रतिशत होगा। वहीं वर्ष 2030 तक 5जी ग्राहकों की संख्या वैश्विक स्तर पर 6.3 अरब होने की संभावना है। जिंदल ने कहा कि वर्ष 2027 में 5जी ग्राहकों की संख्या वैश्विक 4जी सदस्यों से अधिक हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने 6जी सेवा की शुरुआत 2030 में होने की संभावना भी जताई। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले पांच वर्षों में जेन एआई ऐप का उपयोग करने वाले स्मार्टफोन ग्राहकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत में लगभग 67 प्रतिशत 5जी स्मार्टफोन धारक अगले पांच वर्षों के भीतर जेन एआई ऐप का इस्तेमाल करने लगेंगे।

सरकार ने टीसीएस का 30 लाख रक्षा कर्मियों की पेंशन से संबंधित अनुबंध का विस्तार किया

मुंबई : सरकार ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के 30 लाख रक्षा कर्मियों की पेंशन प्रक्रिया से संबंधित अनुबंध को आगे बढ़ा दिया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। टाटा समूह की कंपनी ने मंगलवार को कहा कि वह 2020 से इस अनुबंध पर काम कर रही है और उसके हस्तक्षेप से पेंशन वितरण प्रक्रिया को केंद्रीकृत कर और बैंक सेवा शुल्क को समाप्त कर सालाना 250 करोड़ रुपये बचाने में मदद मिली है। हालांकि, उसने इस अनुबंध के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया।

अगले साल मार्च तक 'डिजिटल' हो जाएंगे सहकारी बैंक : नाबार्ड चेयरमैन

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के चेयरमैन शाजी के वी ने मंगलवार को कहा कि सहकारी बैंकों का मार्च, 2025 तक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इससे इन वित्तीय संस्थानों के संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा और उनकी दक्षता बढ़ाई जा सकेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सभी सहकारी बैंकों को कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) अपनाने के लिए अनिवार्य कर दिया है, जो आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, 'हम केंद्र सरकार की ओर से सहकारी समितियों का डिजिटलीकरण कर रहे हैं। मार्च, 2025 तक यह हो जाएगा और उस समय तक हम इस पर काम करने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों को आमंत्रित करेंगे।'

दो दिन की तेजी के बाद शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 106 अंक टूटा

मुंबई : कमजोर वैश्विक रुख के बीच मंगलवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में दो दिन से जारी तेजी थम गई। विश्लेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार शुल्क संबंधी 'धमकियों' के कारण बाजार की धारणा कमजोर हुई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 105.79 अंक या 0.13 प्रतिशत गिरकर 80,004.06 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 311.18 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 79,798.67 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27.40 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 24,194.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और पावर ग्रिड में उल्लेखीय गिरावट हुई। दूसरी ओर एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह 20 जनवरी को पदभार संभालते ही मेक्सिको, कनाडा और चीन पर नए शुल्क लगाने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद वैश्विक बाजारों में गिरावट आई। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'हाल ही में आई जोरदार तेजी के बाद घरेलू बाजार में ठहराव आया। हालांकि, व्यापक बाजार में तेजी बनी रही। एमएससीआई के फिर से संतुलित होने के साथ एफआईआई बिकवाली का लंबा सिलसिला तोड़ते हुए शुद्ध खरीदार बन गए हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरकर बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहा।

न्यूज अपडेट

सोने में 1,250 रुपये की गिरावट, चांदी 1,100 रुपये टूटी

नयी दिल्ली : वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने के बीच सर्राफा की चमक फीकी पड़ने से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,250 रुपये की गिरावट के साथ 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 79,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोने की कीमत भी सोमवार के बंद स्तर 79,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 1,250 रुपये गिरकर 77,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी।

वोडाफोन आइडिया का शेयर आठ प्रतिशत चढ़ा

नयी दिल्ली : वोडाफोन आइडिया लि. (वीआईएल) के शेयर में मंगलवार को करीब आठ प्रतिशत की तेजी आई। यह तेजी इस खबर के चलते आई कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2022 से पहले आयोजित नीलामी में खरीदे गए स्पेक्ट्रम के लिए बैंक गारंटी जमा करने की जरूरत को खत्म कर दिया है। कंपनी का शेयर बीएसई पर 7.88 प्रतिशत उछलकर 7.53 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 18.62 प्रतिशत बढ़कर 8.28 रुपये पर पहुंच गया था। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2022 से पहले आयोजित नीलामी में खरीदे गए स्पेक्ट्रम के लिए बैंक गारंटी जमा करने की जरूरत को खत्म कर दिया है।

अदाणी की सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट, एजीईएल 7.05 प्रतिशत लुढ़का

नयी दिल्ली : अदाणी समूह की सभी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप बीएसई पर अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) का शेयर 7.05 प्रतिशत लुढ़ककर 899.40 रुपये पर आ गया। अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 4.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,149.80 रुपये और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 3.79 प्रतिशत गिरावट के साथ 601.15 रुपये पर आ गया। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड के शेयर में 3.50 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 3.23 प्रतिशत , अदाणी विल्मर में 2.44 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.30 प्रतिशत, अदाणी पावर में 2.04 प्रतिशत, सांघी इंडस्ट्रीज में 1.91 प्रतिशत, एसीसी में 1.37 प्रतिशत और एनडीटीवी में 0.09 प्रतिशत में गिरावट आई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 105.79 अंक या 0.13 प्रतिशत गिरकर 80,004.06 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27.40 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 24,194.50 अंक पर बंद हुआ।

भारत ने रियाद डिजाइन कानून संधि पर किए हस्ताक्षर

नयी दिल्ली : भारत ने रियाद डिजाइन कानून संधि पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका मकसद विभिन्न देशों में औद्योगिक डिजाइन की पंजीकरण प्रक्रिया को सुसंगत और सरल बनाना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बयान कहा, लगभग दो दशक की बातचीत के बाद विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के सदस्य देशों ने डिजाइन कानून संधि (डीएलटी) को अपनाया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, 'रियाद डिजाइन कानून संधि के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर कर भारत अपनी प्रगति को आगे बढ़ा रहा है। साथ ही समावेशी विकास को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा संरक्षण तक न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।'

लोग सावधि जमा को दे रहे तरजीह, चालू खाते- बचत खाते से अधिक रही वृद्धि: आरबीआई

मुंबई : लोग सावधि जमा को तरजीह दे रहे हैं। आकर्षक ब्याज के साथ सावधि जमा की वृद्धि चालू खाते और बचत खाते (कासा) में वृद्धि को पार कर गयी है। इसकी कुल जमा में हिस्सेदारी बढ़कर इस साल सितंबर में 61.4 प्रतिशत हो गयी जो एक साल पहले 59.8 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़े से यह जानकारी मिली है। आरबीआई ने मंगलवार को तिमाही 'बुनियादी सांख्यिकीय रिटर्न' (बीएसआर): अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पास जमा - सितंबर 2024 जारी किया। इसमें कहा गया है, ''सख्त मौद्रिक नीति के साथ बड़ी मात्रा में जमा राशि उच्च ब्याज दर वाली सावधि जमा में स्थानांतरित हुई है। सात प्रतिशत से अधिक ब्याज दर वाली सावधि जमा बढ़कर 68.8 प्रतिशत हो गई है, जो एक साल पहले 54.7 प्रतिशत थी।'' आंकड़ों के अनुसार, बैंक जमा वृद्धि सालाना आधार पर सितंबर, 2024 में 11.7 प्रतिशत रही। यह पिछली तिमाही के लगभग बराबर है। आबादी की सभी श्रेणियों (ग्रामीण/अर्ध-शहरी/शहरी/महानगरीय) की जमा राशि में दहाई अंक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान कुल जमा में वृद्धि का 66.5

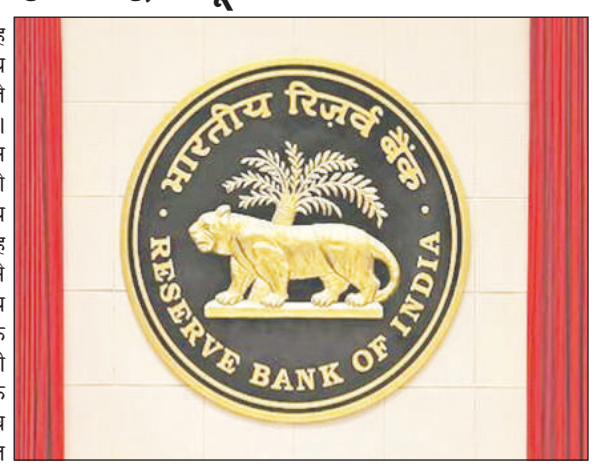

प्रतिशत योगदान महानगर स्थित शाखाओं का रहा। इनकी कुल जमा में 54.7 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। आरबीआई के अनुसार, कुल जमा राशि में से 51.4 प्रतिशत व्यक्तिगत तौर पर रखे गये थे। महिला जमाकर्ताओं के पास व्यक्तिगत जमा का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में जमा वृद्धि सालाना आधार पर सितंबर, 2024 में नौ प्रतिशत बढ़ी, जो जून, 2024 में 8.1 प्रतिशत थी। हालांकि, यह अन्य बैंक समूहों में 15 प्रतिशत से नीचे है। वरिष्ठ नागरिकों की जमा राशि का हिस्सा सितंबर, 2024 में बढ़कर 20.1 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 19.7 प्रतिशत था। 'अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के बकाया ऋण' पर एक अन्य बुनियादी सांख्यिकीय रिटर्न' के अनुसार, बैंक कर्ज वृद्धि सालाना आधार पर सितंबर, 2024 में घटकर 12.6 प्रतिशत रही जो मार्च, 2024 में 15.3 प्रतिशत थी। बैंकों की महानगर स्थित शाखाओं का कर्ज में हिस्सा 60.6 प्रतिशत था। इन शाखाओं ने 11.6 प्रतिशत की कम वृद्धि दर्ज की। कृषि, उद्योग, आवास और व्यक्तिगत (गैर-आवास) ऋण में गैर-आरआरबी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कर्ज में क्रमशः 11.5 प्रतिशत, 23.7 प्रतिशत, 16.5 प्रतिशत और 14.9 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। उन्होंने सालाना आधार पर क्रमशः 13.2 प्रतिशत, 10.4 प्रतिशत, 13.2 प्रतिशत और 17.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसमें कहा गया, ''निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की कर्ज वृद्धि बढ़कर सितंबर, 2024 में 16.5 प्रतिशत रही। कार्यशील पूंजी ऋण बढ़कर 15.3 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 14.1 प्रतिशत था।

वर्ष 9, पूर्णांक 4071 अंक 221, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in